THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

epaper.vaartha.com

स्वतंत्र वार्ता

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वर्ष-28 अंक : 33 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.2 2080 शनिवार, 22 अप्रैल 2023

चूक हुई तो देश का धन लुट जाएगा : मोदी

राजनीतिक दलों का ध्यान रखें, वे टैक्सपेयर्स का पैसा कहां खर्च कर रहे

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को 16वें सिविल सर्विस डे पर दिल्ली के विज्ञान भवन पहुंचे। जहां उन्होंने आईएएस अधिकारियों को संबोधित किया।

> पहली बार 2006 में विज्ञान भवन में हुआ था कार्यक्रम

हर साल 21 अप्रैल को भारत में राष्ट्रीय सिविल सर्विस डे मनाया जाता है। विज्ञान भवन में यह कार्यक्रम पहली बार 21 अप्रैल 2006 को आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम देश के कई सार्वजनिक विभागों में काम कर रहे सभी अधिकारियों की सराहना के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है, जो भारत की प्रशासनिक मशीनरी को चलाने के लिए मेहनत करते हैं। यह सिविल सेवकों के लिए खुद को नागरिकों के लिए समर्पित करने का एक अवसर है।

> 1947 से मनाया जा रहा है नेशनल सिविल सर्विस डे

स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने 21 अप्रैल 1947 के दिन दिल्ली के मेटकाफ हाउस में प्रशासनिक सेवा के प्रोबेशनर्स अधिकारियों को संबोधित किया था। पटेल ने अपने भाषण में सिविल सेवकों को 'स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया' बताया था। तभी से हर साल 21 अप्रैल को नेशनल सिविल सर्विस डे मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री ने करीब 33 मिनट तक स्पीच दी। 2 दिन तक चलने वाले सिविल सेवा दिवस 2023 की थी 'विकसित भारत : नागरिकों को सशक्त बनाना और अंतिम छोर तक पहुंचना' है। इस दौरान उन्होंने कहा, देश ने आप पर बहुत भरोसा किया है, आपको मौका दिया है। उस भरोसे को कायम रखते हुए काम करिए। आपकी सर्विस में आपके निर्णयों का आधार सिर्फ और सिर्फ देशहित होना चाहिए। >14

सेम सेक्स मैरिज : सोमवार तक दलीलें पूरी करनी होंगी

अभिषेक बनर्जी बोले-मर्जी का पार्टनर चुनने का हक सभी को

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सेम सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता देने की मांग करने वाली 20 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में आज लगातार चौथे दिन सुनवाई होगी। पिछले तीन दिन की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनीं। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने अब 13 याचिकाकर्ताओं को आगे बहस करने की इजाजत दी है। यह सुनवाई 24 अप्रैल यानी सोमवार तक हर हाल में पूरी करनी होगी। आज की कार्यवाही के दौरान सीजेआई ने इशारा किया कि सोमवार को जरूरी मामलों की सुनवाई पहली बेंच सुबह 9:30 बजे से करेगी, क्योंकि सुबह 10:30 बजे संवैधानिक बेंच को सेम सेक्स मुद्दे पर दलीलें सुननी हैं। इस बीच सेम सेक्स मैरिज के मुद्दे पर तृणमूल लीडर और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने कहा, प्यार की कोई सीमा नहीं होती। पुरुष अगर पुरुष को चाहता है या फिर महिला किसी महिला को प्यार करती है तो उसे अपनी मर्जी का पार्टनर चुनने का हक है।

गोधरा कांड में उम्रकैद की सजा काट रहे आठ दोषियों को राहत

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के गोधरा में 2002 में साबरमती एक्सप्रेस में आग लगाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आठ दोषियों को जमानत दे दी। सभी दोषी उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। सभी दोषी 17 से 20 साल की सजा काट चुके हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मामले में कुछ दोषियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं।

इन दोषियों में वह आरोपी शामिल थे, जिन्हें निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी, लेकिन गुजरात हाईकोर्ट ने इसे उम्रकैद में बदल दिया था। निचली अदालत ने 11 दोषियों को मौत की सजा, जबकि 20 अन्य को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। गुजरात हाईकोर्ट ने इस मामले में मौत की सजा को कम करते हुए 31 की दोषसिद्धि को बरकरार रखा था। इनमें से कुछ ने अपनी दोषसिद्धि और सजा के खिलाफ अपनी अपीलों के निस्तारण तक जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

'अरे क्या दारू पीकर तुम', महिला कांग्रेस नेता से इस तरह बात करना पड़ा श्रीनिवास को पडा भारी, दर्ज हुई एफआईआर

गुवाहाटी, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास मुश्किलों में फंसते नजर आ रहे हैं। उनके ही संगठन की असम इकाई की प्रेसिडेंट अंगकिता दत्ता ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मीडिया के सामने आई अंगकिता दत्ता ने श्रीनिवास पर उनका शोषण करने का आरोप लगाते हुए कहा था, उनकी शिकायत पर कांग्रेस ने भी कोई कार्रवाई नहीं की। जिसके बाद अंगकिता ने असम के दिसपुर थाने में श्रीनिवास के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया गया है कि श्रीनिवास पिछले छह महीने से उन पर सेक्सिट रिमार्क (लिंग के आधार पर तंज कसना) इस्तेमाल कर उनका शोषण कर रहे हैं और वरिष्ठ पार्टी नेताओं से शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दे रहे हैं। पुलिस ने मामले पर एफआईआर दर्ज कर ली है।

एनसीपी मार्गदर्शन शिविर में मंच से

अजित पवार का नाम और कुर्सी गायब, क्या बोले 'छोटे पवार'

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। एनसीपी में 'छोटे पवार' के नाम से मशहूर अजित पवार के दिन कुछ अच्छे नहीं चल रहे हैं। पार्टी के अंदर बगावत के आरोपों से घिरे पवार आज मुंबई में एनसीपी के मार्गदर्शन शिविर से गायब रहे। यहां मंच पर एनसीपी के सभी बड़े नेताओं के नाम की कुर्सियां लगी थीं लेकिन अजित पवार का नाम और उनकी कुर्सी गायब थी। यह बैठक इसलिए अहम थी क्योंकि अगले चुनाव और पार्टी का एजेंडा मजबूत करने को लेकर यह बैठक बुलाई गई थी।

शरद पवार की अगुवाई में आयोजन

मुंबई एनसीपी द्वारा आयोजित कार्यक्रम को कार्यकर्ता मार्गदर्शन शिविर नाम दिया गया लेकिन इसमें अजित पवार के नाम का कोई जिक्र नहीं था। शरद पवार की अगुवाई में इसका आयोजन चल रहा है। इसमें एनसीपी के तमाम बड़े नेता शामिल हैं। पार्टी की अहम बैठक से पार्टी के एक सीनियर नेता का गायब रहना कई सवाल खड़े कर रहा है। वहीं आयोजक एनसीपी की नेता राखी जाधव ने कहा की, अजीत पवार का पुणे में पहले से तय कार्यक्रम था इसलिए उनका नाम और उनके नाम की कुर्सी नहीं है ।

पहले से तय था पुणे का कार्यक्रम

वहीं पुणे में अजित पवार से जब इस संबंध में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि एक न्यूज पेपर का कार्यक्रम पहले से ही तय होने के वजह से आज मुंबई के कार्यक्रम में मैं उपस्थित नही रहा। मीडिया मेरे बारे में गलत खबरें दिखाना बंद करे।

बिना जांच इस्तीफा मांगना ठीक नहीं

वहीं खारघर की घटना पर उन्होंने कहा कि मौत के आंकड़े पर अभी सस्पेंस है। हमने ज्यूडिशियल इन्क्वॉयरी की मांग की है। बिना जांच के किसी का भी इस्तीफा मांगना ठीक नहीं है। अगर जांच में दोष सामने आता है तो फिर हम इस्तीफे की मांग करेंगे। वहीं इस संबंध में जब संजय राउत के बयान का जिक्र किया गया तो अजित पवार ने कहा कि कौन संजय राउत ? मैंने किसी का नाम नहीं लिया है। मैंने अपने पार्टी की और अपनी बात कही है।

अडानी पर कोई दोष साबित नहीं हुआ

वहीं शरद पवार और गौतम अडानी की मुलाकत से जुड़े सवाल पर अजित पवार ने कहा कि शरद पवार ने अडानी से मुलाकात नहीं की बल्कि अडानी ने शरद पवार से मुलाकात की है। अडानी पर जांच चल रही है कोई दोष साबित नहीं हुआ है । एक नामचीन व्यक्ति की दूसरे नामचीन व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। वहीं मराठा आरक्षण को लेकर अजित पवार ने कहा कि सरकार को वरिष्ठ वकीलों, विशेषज्ञों, मराठा संगठनों और विपक्षी पार्टी के लोगों से मुलाकात कर, उनको भरोसे में लेते हुए आरक्षण का रास्ता निकालना चाहिए।

मोबाइल फोन छीनकर भाग रहा था चोर

महिला ने चलती ट्रेन से लगाई छलांग; माटला स्टेशन की घटना

कोलकाता, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24-परगना जिले में एक महिला चलती ट्रेन से कूद गई, जिस वजह से उसे काफी चोंटे आई। महिला दरअसल चोर को पकड़ने के लिए कूदी थी जो उसका फोन लेकर भाग रहा था। पुलिस के अनुसार महिला कैनिंग उप-जिला अस्पताल में बतौर नर्स काम करती है। वह शाम अपने काम से ट्रेन के जरिए वापस जा रही थी। माटला हॉल्ट स्टेशन के पास कैनिंग-सियालदह ट्रेन में एक चोर ने चलती ट्रेन के डिब्बे से उसका मोबाइल फोन छीन लिया और कूद कर फरार हो गया। महिला उस चोर को पकड़ने के लिए उसके पीछे भागी और चलती ट्रेन से कूद गई। चलती ट्रेन से कूदने की वजह से वह गिर गई और उसे चोटें भी आई।

गलवान में शहीद हुए थे पति, लेफ्टिनेंट बनकर अब दुश्मनों के दांत खट्टे करेंगी रेखा सिंह

गलवान, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के साथ झड़प में भारत के 20 बहादुर जवान शहीद हो गए थे। उनमें से एक शहीद की पत्नी रेखा सिंह सेना में लेफ्टिनेंट के रूप में अपना योगदान के लिए तैयार हैं। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि रेखा सिंह उन 200 कैडेटों में शामिल होंगी, जिनमें 40 महिलाएं शामिल हैं। 29 अप्रैल को चेन्नई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी से पासआउट होने जा रही हैं। रेखा सिंह के पति नायक दीपक सिंह बिहार रेजिमेंट की 16वीं बटालियन का हिस्सा थे। 15 जून, 2020 को चीनी सैनिकों से लड़ते हुए वह शहीद हो गए थे। नवंबर 2021 में उनकी वीरता के लिए उन्हें मरणोपरांत वीर चक्र से भी सम्मानित किया गया था। आपको बता दें कि परमवीर चक्र और महावीर चक्र के बाद यह भारत का तीसरा सबसे बड़ा सैन्य सम्मान है। पति के शहीद होने के बाद रेखा सिंह ने हिम्मत नहीं हारी।

अपने पति की विरासत को बढ़ाने के लिए उन्होंने सशस्त्र बलों में अपना करियर बनाने का विकल्प चुना। भारतीय सेना भी ऐसी महिलाओं को प्रोत्साहित कर रही है जो अपने दिवंगत पति के नक्शेकदम पर चलना चाहती हैं और इसके लिए सक्षम हैं। शहीदों की पत्नियों को सेवा चयन बोर्ड इंटरव्यू के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूएसपीसी) द्वारा आयोजित संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा में शामिल होने से छूट दी गई है। इसके अलावा आयु में छूट के भी हकदार हैं।

साकेत कोर्ट परिसर में महिला वकील को दिनदहाड़े मारी गोली

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी का साकेत कोर्ट शुक्रवार सुबह गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठा। यहां वकील के ड्रेस में आए एक व्यक्ति ने सुबह करीब साढ़े दस बजे महिला पर फायरिंग कर दी। इसके बाद उसे साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। महिला को दो गोली पेट में और एक गोली हाथ में लगी है। गोली लगने के बाद कुछ लोगों ने उसके पेट को कपड़े से बांधा और अस्पताल ले गए।

बताया जा रहा है कि आरोपी सस्पेंडेड वकील है। दोनों में पैसे को लेकर पहले से विवाद चल रहा था, जिस कारण उसने महिला पर गोली चलाई। गोली मारने के बाद आरोपी कैंटीन के पीछे वाले गेट से भाग निकला। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। लॉयर्स ब्लॉक के पास हुई इस घटना से पूरी कोर्ट में हड़कंप मच गया। जिस समय यह वारदात हुई, उस वक्त अधिवक्ता कोर्ट में पहुंच रहे थे। वहीं कुछ अधिवक्ता ब्लॉक के आसपास थे। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आखिर आरोपी कोर्ट के अंदर हथियार लेकर कैसे पहुंच गया जबकि एंट्री गेट पर सभी लोगों की स्कैनर से जांच की जाती है। वहीं मौके पर पुलिस फोर्स तैनात है क्राइम टीम ने भी वहां पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। दक्षिणी दिल्ली की पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रत्यक्षदर्शी रंजीत सिंह दलाल के अनुसार, पांच गोलियां चलीं, इसमें से एक गोली वहां मौजूद एक वकील की गर्दन को छूती हुई निकल गई, जिससे उसे मामूली चोट आई। जांच में पता चला है कि आरोपी ने पीड़िता एम राधा(40) और एडवोकेट राजेंद्र झा के खिलाफ धोखाधड़ी का केस कर रखा है।

आज उसी मामले की सुनवाई होनी थी। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित महिला न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी के एक मामले में गवाही देने आई थी। साकेत बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष करनैल सिंह ने बताया है कि जिस महिला को गोली मारी गई है वह भी साकेत कोर्ट में वकालत करती है। और उसे गोली मारने वाला भी सस्पेंडेड वकील है। तीन महीने पहले किसी मामले को लेकर बार काउंसिल ऑफ दिल्ली ने उसका लाइसेंस रद्द कर दिया था। महिला की पहचान एम राधा (40) के रूप में हुई है। महिला और आरोपित के बीच पैसे के लेने देन का विवाद था।

छात्रों ने लगाए जय श्रीराम के नारे

प्रिंसिपल ने फोन पर परिजनों को हड़काया आपके बेटे ने किया है घोर जुर्म

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्वी दिल्ली के एक स्कूल में छात्रों द्वारा जय श्रीराम का नारा लगाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि छात्र की इस हरकत पर प्रिंसिपल ने पहले तो उसे रेस्टिकेट करने की धमकी दी। फिर छात्र के पिता को फोन करके कहा कि आपके बेटे ने ऐसा काम किया है कि हम बता नहीं सकते। हालांकि इस संबंध में टीवी 9 भारतवर्ष ने प्रिंसिपल से बात की। इसमें उन्होंने बताया कि छात्र स्कूल में पढ़ाई करने के लिए आते हैं, लेकिन कुछ छात्र इनके बीच में उदंडता कर रहे थे। इसलिए उन्हें दोबारा ऐसा करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। मामला पूर्वी दिल्ली में लक्ष्मी नगर स्थित बाल भवन पब्लिक स्कूल का है। बताया जा रहा है कि क्लास में एक टीचर बच्चों को पढ़ा रहे थे। इसी दौरान एक छात्र ने उठकर जय श्रीराम का नारा लगा दिया। उसके पीछे पीछे कुछ और छात्रों ने भी नारा लगाया। इससे टीचर नाराज हो गए और नारा लगाने वाले सभी छात्रों को क्लास के बाहर कर दिया। थोड़ी ही देर बाद टीचर खुद क्लास से बाहर आए और सभी छात्रों को लेकर प्रिंसिपल के पास पहुंचे। इसके बाद प्रिंसिपल ने पहले खुद ही सभी छात्रों को हड़काया। इसके बाद उनके अभिभावकों को फोन कर कहा कि आपके बेटे ने ऐसा जुर्म किया है कि हम बता नहीं सकते। उधर, छात्र के पिता प्रवीन शर्मा ने बताया कि उनके बेटे ने क्लास में जयश्री राम का नारा लगाया था। इसके लिए उसे पहले क्लास से बाहर किया गया और फिर प्रिंसिपल ने उन्हें फोन कर धमकाया।

मेरा नामांकन रद्द करने का हो रहा प्रयास

डीके शिवकुमार ने किस पर लगाया साजिश का आरोप

बेंगलूरू, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में खूब घमासान मचा हुआ है। इस बीच कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने एक बार फिर ये आरोप लगाया कि नामांकन के समय चुनाव आयोग को अपनी संपत्ति को लेकर जो दस्तावेज उन्होंने दिए हैं, कुछ लोगों की साजिश के चलते उसमें गलतियां ढूंढने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है कि ताकि उनका नामांकन रद्द किया जा सके। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने संपत्ति को लेकर जो जानकारियां दी हैं। उसमें कई गलतियां हैं।

डीके शिवकुमार ने लगाया आरोप

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि संपत्ति की घोषणा के विषय में उन्होंने पूरी तरह पारदर्शिता बरती है। एजेंसियां उन्हें प्रताड़ित कर रही हैं। बावजूद इसके वो जांच में हर संभव सहयोग कर रहे हैं। आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने मामले में डीके शिवकुमार सीबीआई, आईटी और ईडी के जांच का भी सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जांच अधिकारियों पर जबरदस्त दबाव है। मैं इस मामले को लेकर सतर्क रहना चाहता हूं। पिछली बार भी इनकम टैक्स विभाग ने मेरे एफिडेविट को लेकर कई सवाल खड़े किए थे मैंने साबित किया कि मेरे दस्तावेज सही हैं।

मुझे किया जा रहा परेशान

उन्होंने बताया कि मेरे द्वारा दस्तावेजों को सही साबित करने के बाद एजेंसियों ने दस्तावेजों को मंजूर कर लिया। इस बार भी यही हो रहा है। एक बड़ी साजिश मेरे खिलाफ हो रही है। ये कौन कर रहा है, मैं जानता हूं। उनका नाम मैं नहीं ले लाना चाहता। मुझे पता है कि क्या पेपर्स सबमिट करना है। एफिडेबिट कैसे फिल करना है, जो भी मैंने चुनाव आयोग को दिया है। उसमें जो भी सीबीआई, आईटी, लोकयुक्त और ईडी को जो भी बताया गया है इसका जिक्र किया गया है। वो लोग इसे अलग तरीके से पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे परेशान कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता कौस्तव बागची ने जताई हमले की आशंका! एचसी का सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ तैनाती का आदेश

कोलकाता, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेकर विवादित बयान देने के बाद गिरफ्तारी के बाद सुर्खियों में आये कांग्रेस नेता और वकील कौस्तव बागची पर हमले की आशंका जताई गई है। उनकी सुरक्षा के लिए एक महीने के लिए सीआईएसएफ जवानों की तैनाती का कलकत्ता हाईकोर्ट ने आदेश दिया है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान माना कि सुरक्षा के लिए केंद्रीय बलों को तैनात करने की जरूरत है। कौस्तव के वकील की अपील पर कलकत्ता हाई कोर्ट ने शुक्रवार को अगले एक महीने के लिए सीआईएसएफ जवानों की तैनाती का आदेश दिया। बल में कितने जवानों की तैनाती की जाएगी, इसका फैसला जज ने छोड़ दिया है। मामले की अगली सुनवाई 11 मई को है।

'ज्ञानवापी मस्जिद के पास वजू के लिए पानी और टब की कराई जाए व्यवस्था' एससी ने दिया आदेश

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई है। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि वजू के लिए पर्याप्त पानी और टब की व्यवस्था ज्ञानवापी मस्जिद के पास की जाएगी। जिलाधिकारी ये सुनिश्चित करेंगे। वहीं, सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने यूपी सरकार की तरफ से कहा कि वजू के लिए 6 टब मुहैया कराए जाएंगे और समुचित पानी की व्यवस्था रहेगी। रमजान और ईद के दौरान मस्जिद परिसर में ही वजू करने की मांग मस्जिद कमेटी की ओर से सुप्रीम कोर्ट के सामने रखी गई थी। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट से एसजी तुषार मेहता ने कहा कि कलेक्टर ने 70 मीटर दूर एक जगह की पेशकश की है। मस्जिद कमेटी की ओर से सीनियर एडवोकेट हुजैफा अहमदी ने कहा कि हमें इससे दूर क्यों किया जाना चाहिए? सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि शुक्रवार और शनिवार के लिए कोई व्यवस्था की जा सकती है? एसजी तुषार मेहता ने कहा कि डीएम से बात हुई है, जहां शिवलिंग मिलने की बात है वहां वजू की इजाजत नहीं दी जा सकती है। एसजी ने कहा कि हमने 6 ड्रम उपलब्ध कराए हैं। पानी की उचित व्यवस्था भी है। इस पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि कुछ सुविधाजनक प्रोवाइड कराया जाए। इस पर सरकार की ओर से कहा गया कि हम पर्यापत पानी उपलब्ध कराएंगे।

इससे पहले 18 अप्रैल को सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जिला कलेक्टर से रमजान के दौरान ज्ञानवापी परिसर में वजू सुविधाएं देने को लेकर सहमति बनाने के लिए एक बैठक की व्यवस्था करें। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने ज्ञानवापी परिसर में मस्जिद का प्रबंधन करने वाली प्रबंधन समिति अंजुमन इंतेज़ामिया मस्जिद की याचिका पर सुनवाई की थी। उसने कहा था कि वह इस मामले की अगली सुनवाई 21 अप्रैल को करेगी। मस्जिद समिति की ओर से पेश हुए वकील अहमदी ने पीठ को बताया था कि जिस क्षेत्र में एक फव्वारा खड़ा था, वहां पहले वुजू किया जाता था और पास में वॉशरूम भी थे।

एक ही परिवार के 3 लोगों ने किया सुसाइड

मासूम को फांसी पर लटका पति-पत्नी भी लटके

जबलपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक दंपति ने आपस में झगड़ा करने के बाद पहले अपनी आठ माह की बेटी को फांसी पर लटकाया और फिर खुद भी फांसी लगाकर जान दे दी शुक्रवार की सुबह जानकारी होने पर मौके पर पहुंची जबलपुर पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राथमिक पूछताछ में पता चला है कि छोटी छोटी बात पर भी पति पत्नी के बीच आए दिन झगड़े होते थे। इन्हीं झगड़ों की वजह से इस दंपति ने यह कदम उठाया है। पुलिस के मुताबिक घटना चरगवां थाना क्षेत्र के बिजना गांव की है। मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मृतकों की पहचान अखिलेश यादव (25), अखिलेश की पत्नी अंजना यादव (21) और इन दोनों की आठ माह की बेटी आराध्या के रूप में हुई है।

नाराज ईश्वरप्पा को खुद पीएम मोदी ने लगाया फोन

बीजेपी नेता ने रखी ये मांग

बेंगलूरू, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए धुआंधार प्रचार किया जा रहा है। हर पार्टी मतदाताओं के बीच जाकर पसीना बहाने में जुटी हुई है।राज्य में सत्तारूढ़ बीजेपी ने सभी सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। इस बीच शिवमोग्गा विधानसभा सीट को लेकर सियासी पारा चढ़ गया था। पार्टी ने इस सीट पर पूर्व मंत्री के। एस। ईश्वरप्पा के बेटे को टिकट न देकर दूसरे उम्मीदवार को उतारा, जिसके बाद से वे खासे नाराज हो गए। उनकी नाराजगी दूर करने के लिए खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगे आए और उन्होंने शुक्रवार को ईश्वरप्पा को फोन लगाया। पीएम मोदी ने एस ईश्वरप्पा से फोन पर बात की है और उनके स्वास्थ्य के साथ साथ पार्टी के बारे में भी जानकारी ली। साथ ही साथ कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया के बारे में जानकारी ली। इस दौरान ईश्वरप्पा ने प्रधानमंत्री को आश्वासन दिया है कि बीजेपी की जीत के लिए मिलकर काम करेंगे। बस आपके आशीर्वाद की जरूरत है। पीएम मोदी से बातचीत होने के बाद ईश्वरप्पा ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री के कॉल आने की कोई उम्मीद नहीं थी। उनका कॉल आना शिवमोग्गा सीट जीतने के लिए प्रेरणा मिली है। वह कर्नाटक में बीजेपी सरकार को वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

बीजेपी ने चन्नबसप्पा को टिकट दिया

पीएम मोदी ने ईश्वरप्पा को फोन तब किया जब सत्तारूढ़ पार्टी ने बुधवार को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की चौथी और अंतिम सूची जारी की। शिवमोग्गा क्षेत्र से चन्नबसप्पा को टिकट दिया गया, जबकि मौजूदा विधायक और बीजेपी के वरिष्ठ नेता के एस ईश्वरप्पा के बेटे केई कांतेश को टिकट नहीं मिला है।

कहा जाता है कि कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिवमोग्गा से पांच बार के विधायक ईश्वरप्पा ने अपने बेटे केई कांतेश के लिए इस क्षेत्र से टिकट मांगा था, क्योंकि उन्होंने चुनावी राजनीति से रिटायर होने की घोषणा की थी और पार्टी से अनुरोध किया था कि वह विधानसभा चुनाव में उन्हें उतारने पर विचार न करें। ईश्वरप्पा के रिटायमेंट की घोषणा के बाद से बीजेपी के वरिष्ठ नेता रहे अयानूर मंजूनाथ भी शिवमोग्गा से उम्मीदवार की रेस में शामिल बताए जा रहे थे। हालांकि, पार्टी ने उन्हें भी टिकट नहीं दिया, जिससे नाराज होकर उन्होंने जेडीएस का दामन थाम लिया। वह अब इस विधानसभा क्षेत्र से जेडीएस के उम्मीदवार हैं।

पायलट ने महिला मित्र के लिए कॉकपिट को बनवा दिया लिविंग रूम

बिस्तर लगवाया, क्रू से कहा- शराब परोसो अब होगी जांच

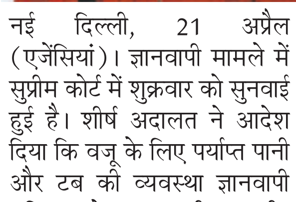

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। दुबई से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट के एक पायलट पर डीजीसीए ने एक्शन लेने को कहा है। पायलट ने 26 फरवरी को सुरक्षा नियमों का उल्लंघन किया था। फ्लाइट के एक क्रू मेंबर ने शिकायत की कि पायलट ने कॉकपिट में अपनी महिला मित्र को एंट्री दी और दोनों एक घंटे से ज्यादा समय तक वहीं रहे। विमानन नियामक महानिदेशालय नागरिक उड्डयन (डीजीसीए) ने मामले की जांच के आदेश दिए और विमानन कंपनी ने पायलट को जांच तक उड़ान भरने से हटाया है। इस मामले पर एयर इंडिया एयरलाइन के एक अधिकारी ने कहा कि एयर इंडिया ने जांच के लिए एक समिति भी गठित की है। रिपोर्ट के अनुसार, पायलट पर आरोप है कि उसने कॉकपिट को लिविंग रूम जैसा बनाकर रख दिया। वह अपनी महिला मित्र के स्वागत के लिए केबिन क्रू को पहले से निर्देश दे चुका था। पायलट पर ये भी आरोप है कि उसने अपनी मित्र को बिजनेस क्लास में खाना खिलवाया था। इस मामले में एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने अपनी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। क्रू मेंबर की शिकायत के अनुसार, पायलट ने केबिन क्रू से पूछा था कि क्या बिजनेस क्लास में खाली सीटें हैं? क्योंकि उसकी दोस्त इकोनॉमी क्लास में यात्रा कर रही थी। पायलट चाहता था कि उसे अपग्रेड किया जाए। क्रू मेंबर ने उन्हें सूचित किया कि कोई सीट खाली नहीं है, तब पायलट ने कॉकपिट में ही आरामदायक बिस्तर लगवा दिया। इसके अलावा उन्होंने वहां स्नैक्स और शराब का भी इंतजाम करने को कहा। इस पर क्रू मेंबर ने कहा कि 'मैं कॉकपिट में ये सब करने के लिए सहज नहीं हूं। इसी बात पर पायलट का रवैया क्रू मेंबर के लिए बदल गया और वह उसके साथ नौकर की तरह व्यवहार करने लगा।'

वकील ने कहा- कोर्ट में महिला टॉयलेट सील कर दिया

सुन भौंचक रह गए सीजेआई चंद्रचूड़, बोले- मैं जिला जज से बात करता हूं

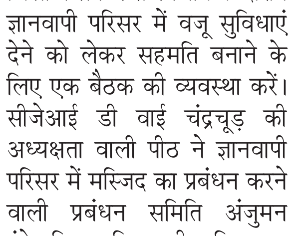

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में 21 अप्रैल को एक वकील ने अर्जी लगाते हुए बताया की ऊटी (तमिलनाडु) की डिर्स्ट्रिक्ट कोर्ट में महिला टॉयलेट सील कर दिया गया है, इससे महिलाओं को खासी परेशानी हो रही है। यह जानकर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ हैरान रह गए। उन्होंने फौरन हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को फोन लगाने को कह दिया। एडवोकेट ने अपनी याचिका में बताया कि ऊटी के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट का महिला टॉयलेट सील कर दिया गया है। हाईकोर्ट के एक आदेश के बाद से टॉयलेट बंद चल रहा है। जिसके चलते महिलाओं को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वकील की बात सुनकर सीजेआई चंद्रचूड़ भी दंग नजर आए। उन्होंने कहा कि मुझे डिस्ट्रिक्ट जज बात करने दीजिएहम इस मामले को 28 अप्रैल को या 24 अप्रैल को ही सुनेंगे। इसके बाद सीजेआई अपने कोर्ट स्टाफ की तरफ मुखातिब हुए और कहा कि रजिस्ट्रार जनरल को फोन मिलाइएवह आपको कारण बताएंगे कि महिला टॉयलेट क्यों बंद किया गया है। सुप्रीम कोर्ट लगातार न्यायालय परिसर में महिलाओं के लिए अलग टॉयलेट का इंतजाम करने को कहता रहा है, लेकिन आलम यह है कि देशभर के एक चौथाई से ज्यादा कोर्ट कॉम्प्लेक्स में महिलाओं के लिए अलग टॉयलेट है ही नहीं। केंद्र सरकार ने दिसंबर 2022 में राज्यसभा में बताया था कि देशभर की 26% अदालतों में महिलाओं के लिए अलग टॉयलेट है ही नहीं। केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू ने राज्यसभा को यह जानकारी दी थी। दरअसल, राज्यसभा एमपी एस। निरंजन रेड्डी ने सरकार से पूछा था कि क्या उन्हें जानकारी है कि जिला स्तर की ज्यादातर कोर्ट में महिलाओं के लिए अलग टॉयलेट हैं ही नहीं और इसकी वजह से कितनी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है? रिजिजू ने इस सवाल के जवाब में बताया था कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रैंकिंग फ्रेमवर्क ने ऐसा कोई डाटा तैयार नहीं किया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने कोर्ट में सुविधाओं को लेकर एक डाटा तैयार किया है। जिसके मुताबिक 74% कोर्ट कांप्लेक्स में लेडीज टॉयलेट हैं, जबकि 26% में ऐसा नहीं है। सरकार ने दलील दी कि न्यायपालिका से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है।

9000 करोड़ का भारी-भरकम बजट

इसी दौरान रिजिजू ने यह भी बताया था कि न्यायालयों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट करने के लिए केंद्र सरकार 1993-94 से एक योजना संचालित कर रही है और इसके जरिए राज्य सरकारों की मदद की जा रही है। इस योजना की अवधि 2021-22 से बढ़ाकर 2025-26 तक कर दिया गया है और कुल 9000 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान है। जिसमें 5307 करोड़ रुपए केंद्र सरकार दे रही है। कुछ वक्त पहले ही ज्यूडिशल रिफॉर्म पर काम करने वाले थिंकटैंक 'विधि' ने डिर्स्ट्रिक्ट कोर्ट में टॉयलेट को लेकर एक सर्वे किया था, जिसमें चौंकाने वाली बातें सामने आई थीं। विधि की रिपोर्ट के मुताबिक देश भर के 665 ड्रिस्ट्रिक्ट कोर्ट में से 100 से ज्यादा ऐसे थे, जिनमें महिला टॉयलेट था ही नहीं और जिनमें था उनमें से भी महज 40% ही संचालित थे।

ये राज्य हैं सबसे फिसड्डी

विधि की रिपोर्ट में जिन राज्यों में सबसे खराब हालत पाई गई थी- उसमें गोवा, झारखंड, उत्तर प्रदेश और मिजोरम शामिल थे। इन राज्यों के कोर्ट कांप्लेक्स में ज्यादातर महिला टॉयलेट संचालित ही नहीं थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शनिवार, 22 अप्रैल, 2023 3

सुविचार

दोस्ती अगर दिल से होती है तो उम्र भर तक निभाई जाती है!

कंडक्टर और ड्राइवर संगठन के ब्रांड एंबेसडर : सज्जनार

कंडक्टरों को यात्रियों से विनम्र व्यवहार करने की सलाह

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के एमडी वीसी सज्जनार ने कंडक्टरों को यात्रियों से विनम्र व्यवहार करने की सलाह दी। कंडक्टर और ड्राइवर संगठन के ब्रांड एंबेसडर हैं और उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे क्षेत्र में अपने कर्तव्यों का सावधानीपूर्वक पालन करें। उन्होंने चेताया कि छोटी-छोटी गलतियों से टीएसआरटीसी की साख को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि टीएसआरटीसी ब्रांड को अधिक से अधिक लोगों तक ले जाना चाहिए और संगठन के विकास में मदद करनी चाहिए। तेलंगाना भर के डिपो में कंडक्टरों के लिए टीएसआरटीसी अप्रैल चैलेंज फॉर ट्रेनिंग (टीएसीटी) शुक्रवार से शुरू हो गया। संस्था के एमडी वीसी सज्जना ने हैदराबाद बस भवन से वर्चुअली संचालित हो रहे प्रशिक्षण का अवलोकन किया। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले कंडक्टर भी प्रभावित हुए। उनसे प्रशिक्षण के तरीके, प्रशिक्षण में पढ़ाए जा रहे विषयों के उपयोग और अन्य पहलुओं के बारे में पूछा गया। "हमें एक यात्री केंद्र के रूप में काम करना है। किसी भी परिस्थिति में यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार न करें। जब यात्री बस में चढ़ें तो उन्हें मुस्कुराते हुए नमस्कार करें। नए यात्रियों को हमारे संगठन के प्रति सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।" कंपनी के एमडी सज्जनार ने कंडक्टरों से कहा कि यात्रियों के लिए कई विकल्प हैं।

आपको अपने कर्तव्यों के प्रदर्शन में आत्म-अनुशासन रखना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले डेढ़ साल में कंपनी में कई बदलाव हुए हैं।

अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है, इसलिए हम टीएसीटी के नाम से कौशल विकास प्रशिक्षण दे रहे हैं। "लोग राज्य में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को प्रोत्साहित कर रहे हैं। वर्तमान में ऑक्यूपेंसी रेशियो (ओआर) 69 है। कंपनी का लक्ष्य इसे बढ़ाकर 75 करना है। इसके तहत हम संगठन के प्रत्येक कर्मचारी को टैक्ट नाम से प्रशिक्षित कर रहे हैं। सज्जनार ने कहा, "हर किसी को उस लक्ष्य के अनुसार काम करना चाहिए।"

वह इस ट्रेनिंग की भावना से दोगुने उत्साह के साथ काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में रंगारेड्डी, हैदराबाद और सिकंदराबाद क्षेत्रों में लगभग 6 हजार चालकों को व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि अगले तीन माह में संस्था के सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कंडक्टरों ने एमडी सज्जनर को बताया कि उन्हें टीएसीटी के नाम पर दी जा रही ट्रेनिंग काफी उपयोगी है। बताया गया है कि यह प्रशिक्षण उनके अंदर के हुनर को बाहर निकालने में उपयोगी है। उन्होंने कहा कि वे यह नहीं भूलेंगे कि कंपनी यात्रियों पर निर्भर है। उन्होंने ओआर को बढ़ाकर 75 करने के लिए कड़ी मेहनत करने का वादा किया। मुख्य परिचालन अधिकारी (सीवीओ) डॉ. रविंदर, कार्यकारी निदेशक (संचालन) मुनिशेखर, सीपीएम कृष्णकांत, ओएसडी (आईटी एंड डी) युगंधर, सीटीएम (एम एंड सी) विजय कुमार और अन्य ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-टेंडर नोटिस नं. 03-2023 दि.21/04/2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, कार्यवाहक उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति युनिट/गुंतकल व्दारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदा आमंत्रित हैं। बंद करने की तिथि व समयः 15/05/2023, सु. 11.00 बजे

क्रम सं. 1 टेंडर नं. जीएसयु-जीटीएल-लिफ्ट्स-11 कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-। निम्न रेलवे स्टेशनों (हरेक 02 नग के हिसाब से धर्मावरम तथा यादगिर स्टेशन) पर 04 लिफ्ट्स की व्यवस्था का प्रावधान। एसडब्ल्यू-।। निम्न रेलवे स्टेशनों(सीटीओ-02 नग) पर 2 लिफ्ट्स की व्यवस्था का प्रावधान। विज्ञापित मूल्य(रु.) 6754%98.16, पूधरा (रु.) 135100.00

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरणार्थ कृपया http://ireps.gov.in पर लागिन करें। इस बारे में कोई भी शुध्दिपत्र को केवल आनलाईन पर ही जारी किया जायेगा।
उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति/गुंतकल

PUB/0411

ई-टेंडर नोटिस नं. एसएंडटी/09/2023 दि.21/04/2023

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एंड दूरसंचार अभियंता(रखरखाव) दमरे, गुंतकल व्दारा निम्न कार्यों हेतु दि. 15.05.2023 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित हैं।

टेंडर नं. 01-एसएनटी-09-2023 कार्य विवरण(सिग्नल एंड टेलिकाम कार्य)- सीटीओ,टीयु, एमएएलएम, डीएचएनइ, पीआयएल,एमपीएल एंड केआरवाय स्टेशनों पर कोच इंडिकेशन बोर्ड्स, डिजीटल क्लाक्स, लेड टीवीज एवं पीए सिस्टम की व्यवस्था का प्रावधान। कार्य का विज्ञापित निविदा मूल्य(रु.) 58970846.46, पूधरा (रु.) 444900.00, पूरा करने की अवधिः 09 महिने

इस प्रस्ताव की वैधता तत्संबंधित खुलने की तिथि से लेकर 45 दिनों तक है। यदि आवश्यक हुवा तो, उपरोक्त निविदा सूचना के प्रति शुध्दिपत्र को, केवल आनलाईन पर ही जारी किया जायेगा।
वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता(एम), गुंतकल

PUB/0412

नं. एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/निविदा सूचना/2023-24 दि.20.04.2023

निविदा विवरण को, पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम सं.1 टेंडर नं. टी-202324-2-04 एथारिटीः को-आर्ड, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू-। एचइएम तथा केएनवीटी स्टेशनों पर प्रत्येक 02 लिफ्ट्स की व्यवस्था का प्रावधान। एसडब्ल्यू-।। बीओकेआर, केएनवीटी एवं डब्ल्यूएचएम पर प्लाटफार्म सरफेस का सुधार कार्य। एसडब्ल्यू-।।। एचइएम पर प्लाटफार्म वाल सुधार कार्य। निविदा मूल्य(रु.) 107499155.20, पूधरा (रु.) 687500.00, पूरा करने की अवधिः नौ महिने, निविदा प्रपत्र का मूल्य(रु.) शून्य

क्रम सं.1 टेंडर नं. टी-202324-2-04, तत्समान स्वभाव का कार्य (50 लाख रुपये मूल्य से अधिक के लिए)- जोनल वर्क्स से रहित कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।
दि.12.05.2023 के 15.00 बजे उपरोक्त निविदा बंद होगी।
सीनि. डीइएन/को-आर्ड/नांदेड

PUB/0413

एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/निविदा सूचना/जीएस/2023-24 दि.21.04.2023

निविदा विवरण को, पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम सं.1 टेंडर नं. टी-202324-जीएस-01 एथारिटीः डिप्युटी सीइ/जीएस/एनइडी, कार्य विवरणः मालटेक्डी- मौजूदा शंटिंग नेक को स्थिर लाइन में परिवर्तित करना, 80 से 720 मीटर के सीएसआर का विधिवत विस्तार और स्थिर लाइन को गुड्स साइडिंग में बदलना (पीएफ-7) निविदा मूल्य(रु.) 5044121.70, पूधरा(रु.) 100900.00, पूरा करने की अवधिः नौ महिने, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य

क्रम सं. 2 टेंडर नं. टी-202324-जीएस-02,एथारिटी- डीप्युटी सीइ-जीएस-एनइडी, कार्य विवरणः एमएमआर-एमयुई सेक्शनः बीडीयु- जे स्टेशनों के मध्य 1x5.00x3.00 एम प्रि-कास्ट आरसीसी बाक्स @किमी 159/2-3 नुसार, प्रस्तावित आरयुबी ब्रिज या पुल नं. 185 ए, की व्यवस्था। निविदा मूल्य (रु.) 60236356.07, पूधरा (रु.) 451200.00, पूरा करने की अवधिः नौ महिने, निविदा प्रपत्र का मूल्य(रु.) शून्य

क्रम सं.2 टेंडर नं. टी-202324-जीएस- 02-, तत्समान स्वभाव का कार्य (50 लाख रुपये मूल्य से अधिक के लिए)-
कोई भी पुल निर्माण जिसमें बाक्स पुशिंग/पाइप जैकिंग टेक्नीक या पुल कार्य जिसमें कास्टिंग तथा पीएससी स्लैब/पीएससी गिर्डर/पीएससी बाक्स की लांचिंग से संबंधित कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।
दि. 15.05.2023 के 15.00 बजे उपरोक्त निविदा बंद होगी।
उप मुख्य अभियंता, गति शकित, नांदेड

PUB/0414

A0571

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

ईटेला ने एससीसीएल के निजीकरण पर चर्चा के लिए बीआरएस को चुनौती दी

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और भाजपा नेता ईटेला राजेंदर ने आज सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के नेताओं को राज्य सरकार के स्वामित्व वाली सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के निजीकरण के मुद्दे पर बहस करने की चुनौती दी। उन्होंने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से पूछा कि अगर कंपनी लाभ में चल रही है तो वैजाग स्टील प्लांट के लिए बोली क्यों लगाई गई? ईटेला ने मुख्यमंत्री को वैजाग स्टील प्लांट की सुरक्षा के लिए बयान देने के बजाय राज्य के स्वामित्व वाली टीएसआरटीसी के बचाव में आने की सलाह दी। उन्होंने उपहास किया कि 4000 टीएसआरटीसी बसों को कबाड़ में बदल दिया गया, इसके लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद।

उन्होंने वैजाग स्टील प्लांट के निजीकरण को लेकर चिंतित सीएम से पूछा कि उन्होंने राज्य में निजाम शुगर फैक्ट्री को फिर से क्यों नहीं खोला? उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस नेता अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए भाजपा के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चला रहे हैं।

तेलंगाना कू हरित हारम के तहत 1 करोड़ पौधे लगाएगी जीएचएमसी

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कू हरिथा हरम (टीकेएचएच) 2023 के एक भाग के रूप में, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) अपने अधिकार क्षेत्र में 1 करोड़ पौधे लगाएगा/वितरित करेगा। टीकेएचएच 2023 को मानसून के दौरान लॉन्च किए जाने की संभावना है और जीएचएमसी ने वार्ड-वार कार्य योजना तैयार करना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार ने हमें 1 करोड़ पौधे लगाने का निर्देश दिया। जीएचएमसीके एक अधिकारी ने कहा कि इस महीने के अंत तक, पौधे उगाने में मानसून के मौसम का सर्वोत्तम संभव उपयोग सुनिश्चित करने के लिए एक कार्य योजना तैयार हो जाएगी। प्रारंभिक कार्ययोजना के तहत मंदिरों, शैक्षणिक संस्थानों, बड़े अस्पतालों, पार्कों, खेल के मैदानों, जेल परिसरों, कब्रिस्तानों और जहां संभव हो वहां सघन वृक्षारोपण किया जाएगा।

इन स्थानों के अलावा, अग्निशमन स्टेशनों, पुलिस स्टेशनों, बस डिपो, छोटे पार्कों, नहरों, बंडों, लेआउट में खुली जगहों और जल निकायों के पास भी पौधे लगाए जाएंगे। सड़कों के किनारे और खुली जगहों पर पौधे रोपे जाएंगे और इस साल भी एवेन्यू प्लांटेशन और मल्टी लेयर एवेन्यू प्लांटेशन (एमएलएपी) किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि सड़क के किनारे यानी राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों, जीएचएमसी सड़कों या अन्य जिलों को जोड़ने वाली सड़कों के किनारे रेखीय या पट्टीदार रोपण किया जाएगा। वर्तमान में, पौधे लगाने के लिए नए स्थलों की पहचान की जा रही थी, पूर्व-रोपण संचालन जैसे साइट की सफाई और गड्ढों की खुदाई आदि।

अधिकारी ने कहा, हम हरिथा हरम गतिविधियों को साल भर जारी रख रहे हैं और टीकेएचएच 2023 के एक हिस्से के रूप में, निर्वाचित प्रतिनिधियों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के समन्वय में लोगों को पौधे वितरित किए जाएंगे।

जी20 ने भारत को अपनी समृद्ध संस्कृति व विरासत को प्रदर्शित करने में मदद की : डॉ. जोशी

राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के पूर्व मुख्य सचिव डॉ. एसके जोशी ने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता ने भारत को पश्चिमी मीडिया द्वारा उसके खिलाफ बनाए गए अंतर्राष्ट्रीय टिप्पणी को सही करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में शुक्रवार को यहां राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस मनाने के लिए जनसंपर्क और कॉर्पोरेट संचार पेशेवरों और पत्रकारिता संकाय और छात्रों को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए डॉ. एसके जोशी ने कहा कि वीयूसीए (अस्थिर, अनिश्चित, जटिल और अस्पष्ट) विश्व पीआर पेशेवरों को सकारात्मकता का संचार करके लोगों में विश्वास जगाना चाहिए। उन्होंने बताया कि जी20 के हिस्से के रूप में आयोजित बैठकों की एक श्रृंखला ने देश को अपनी समृद्ध संस्कृति, विरासत और मूल्य प्रणाली को प्रदर्शित करने में मदद की। डॉ. एसके जोशी ने इस वर्ष के विषय के रूप में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विषय को चुनने के लिए पीआरएसआई नेतृत्व की सराहना की। विशिष्ट अतिथि प्रो. के. स्टीवेंसन, डीन, सामाजिक विज्ञान, उस्मानिया विश्वविद्यालय ने कहा कि जी20 ने अभूतपूर्व तरीके से सार्वजनिक कूटनीति का अवसर प्रदान किया है। राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के सहयोग से पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर ने हैदराबाद प्रेस क्लब में पीआर दिवस समारोह का आयोजन किया। पीआरएसआई के राष्ट्रीय महासचिव वाई.बाबजी ने पीआर दिवस के महत्व को समझाया और इस दिन को चिह्नित करने के लिए व्याख्यान और वेबिनार की एक श्रृंखला लेने के लिए डॉ. एस. रामू की अध्यक्षता में हैदराबाद चैप्टर की सराहना की। वरिष्ठ पेशेवर कृष्णा बाजी ने पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक द्वारा भेजे गए संदेश को पढ़ा। डॉ. जोशी ने राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस की थीम पर यूट्यूबर्स के लिए आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने वालों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। सचिव के. यादगिरी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

रमजान की नमाज को लेकर शहर में यातायात में परिवर्तन

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) और प्रभारी पुलिस आयुक्त, हैदराबाद शहर विक्रम सिंह मान ने आज आम जनता की जानकारी के लिए बताया कि उचित नियंत्रण, मीर आलम टैंक ईदगाह में ईद-उल-फितर (रमजान) की नमाज और हॉकी ग्राउंड, मसाब टैंक में 22 और 23 अप्रैल को सुबह 8 बजे से 11.30 बजे तक (चंद्रमा के दर्शन के आधार पर) त्योहार के दिन डायवर्जन लागू होंगे। मीर आलम टैंक ईदगाह नमाज के लिए पुरानापुल, कामतीपुरा, किशनबाग से ईदगाह, मीर आलम टैंक की ओर आने वाले वाहनों (नमाजियों) को बहादुरपुरा एक्स रोड से सुबह 8.00 बजे से 11.30 बजे तक अनुमति दी जाएगी और उन्हें नीचे बताए गए पार्किंग स्थलों पर वाहन खड़े करने होंगे। इस अवधि के दौरान ईदगाह, तदबन की ओर सामान्य वाहनों के आवागमन की अनुमति नहीं होगी और इसे बहादुरपुरा 'एक्स' रोड से किशनबाग, कामतीपुरा और पूरणपुल की ओर मोड़ दिया जाएगा। पार्किंग स्थल चिड़ियाघर पार्क में पार्किंग क्षेत्र, अल्लाह-हो-अकबर मस्जिद के सामने खुली जगह, नमाज के लिए शिवरामपल्ली और दानम्मा हट से ईदगाह, मीर आलम टैंक की ओर आने वाले वाहनों (नमाज़ी) को सुबह 8 बजे से 11.30 बजे तक दनामा हट्स एक्स रोड से जाने की अनुमति दी जाएगी। इस अवधि के दौरान, सामान्य वाहनों के यातायात को ईदगाह की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और इसे दानम्मा हट्स 'एक्स' रोड से शास्त्रीपुरम, एनएस कुंटा, आदि की ओर मोड़ दिया जाएगा। ईदगाह मुख्य सड़क के सामने आधुनिक आरा मिल पार्किंग के बगल में, मीर आलम फिल्टर बेड, मीर आलम फिल्टर बेड के बगल में खुली जगह सूफी कारों के सामने (चार पहिया वाहनों के लिए) और यादव पार्किंग (चार पहिया वाहनों के लिए) प्रदान की गई। नमाज के लिए कलापथर से ईदगाह मीर आलम टैंक की ओर आने वाले वाहनों (नमाजियों) को सुबह 8 बजे से 11.30 बजे तक कालापत्थर एल एंड ओ पीएस के माध्यम से अनुमति दी जाएगी और उन्हें नीचे उल्लिखित पार्किंग स्थानों पर वाहन पार्क करना चाहिए।

इस अवधि के दौरान, सामान्य वाहनों को ईदगाह की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और इसे कलापथेर एलएंडओ पीएस से मोची कॉलोनी, बहादुरपुरा, शमशीरगंज और नवाब साहब कुटा की ओर मोड़ दिया जाएगा। भय्या पार्किंग, इंडियन ऑयल पेट्रोल बंक, बीएनके कॉलोनी के बगल में विशाखा सीमेंट्स की दुकान में पार्किंग की जा सकती है। सुबह 8 बजे से 11.30 बजे तक पुरानापुल से भादुरपुरा की ओर आने वाली आरटीसी बसों सहित भारी वाहनों को पूरानापुल दरवाजा से जियागुड़ा और सिटी कॉलेज की तरफ तब तक डायवर्ट किया जाएगा जब तक कि ईदगाह से नमाज के बाद पूरी जमात अलग न हो जाए। सुबह 8.00 बजे से 11.30 बजे तक शमशाबाद, राजेंद्र नगर और मिलारदेवपल्ली से भादुरपुरा की ओर आने वाली आरटीसी बसों सहित भारी वाहनों को आरामघर जंक्शन से शमशाबाद या राजेंद्र नगर या मिलारदेवपल्ली की ओर तब तक डायवर्ट किया जाएगा, जब तक कि ईदगाह से नमाज के बाद पूरी भीड़ तितर-बितर न हो जाए। हॉकी ग्राउंड मासाबटैंक में नमाज के मद्देनजर मासाबटैंक जंक्शन फ्लाईओवर के नीचे तक नमाजी नमाज अदा करेंगे, इस सिलसिले में मासाबटैंक फ्लाईओवर के नीचे किसी भी वाहन के आवागमन की अनुमति नहीं होगी। मेहदीपट्टनम की तरफ से और लकड़िकापुल की तरफ से आने वाले ट्रैफिक को केवल फ्लाईओवर पर आने-जाने की इजाजत होगी और नमाज पूरी होने तक यानी सुबह 7.00 बजे से सुबह 10.00 बजे तक ट्रैफिक डायवर्जन लागू रहेगा। मेहदीपट्टनम से रोड नंबर 1, बंजारा हिल्स की ओर आने वाला सामान्य यातायात वाया। मसाब टैंक को फ्लाईओवर मसाब टैंक के माध्यम से, अयोध्या जंक्शन (बाएं मोड़) खैरताबाद, आरटीए कार्यालय, खैरताबाद (बाएं मोड़) ताज कृष्णा होटल के माध्यम से डायवर्ट किया जाएगा। लकडीकापूल से मसाब टैंक की ओर आने वाले और मसाब टैंक के माध्यम से रोड नंबर 1/12 बंजारा हिल्स जाने के इच्छुक वाहनों को अयोध्या जंक्शन से निरंकारी, खिरताबाद, वीवी स्टैच्यू, खैरताबाद आरटीए कार्यालय (बाएं मोड़) ताज कृष्णा होटल की ओर मोड़ दिया जाएगा।

प्रार्थना के पूरा होने तक मसाब टैंक फ्लाई ओवर के नीचे से रोड नंबर 1, बजाराहिल्स की ओर यातायात की अनुमति नहीं दी जाएगी। रोड नंबर 12, बंजारा हिल्स से आने वाले वाहनों को मसाब टैंक की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और रोड नंबर 1/12 जंक्शन से ताज कृष्णा होटल - राइट टर्न - आरटीए खैरताबाद और एनएफसीएल जंक्शन, पंजागुट्टा से आने वाले वाहनों के ट्रैफिक को मोड़ दिया जाएगा। मसाब टैंक की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और ताज कृष्णा होटल से एररामंजिल कॉलोनी, आरटीए खैरताबाद, निरंकारी, लकड़िकापूल, मसाब टैंक फ्लाई ओवर, मेहदीपट्टनम की ओर मोड़ दी जाएगी। पुलिस ने नागरिकों से अनुरोध है कि वे प्रतिबंधों पर ध्यान दें और हैदराबाद यातायात पुलिस के साथ सहयोग करें। आने-जाने में किसी भी असुविधा के मामले में, कृपया ट्रैफिक हेल्पलाइन 9010203626 पर कॉल करें।

आठ साल बच्चे की हत्या, परिवार को मानव बलि का शक

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)।हैदराबाद में एक आठ वर्षीय लड़के की बेरहमी से हत्या कर दी गई, जिसके परिवार ने मानव बलि का मामला होने का संदेह जताया है। लेकिन पुलिस ने कहा कि उनके पास इसका कोई सबूत नहीं है। अब्दुल वाहिद का शव शुक्रवार तड़के मूसापेट के एक नाले में मिला था। बालक गुरुवार को सनत नगर के अलाउद्दीन कोटी इलाके में अपने घर से लापता हो गया था और उसके परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने हत्या के आरोप में इमरान, एक ट्रांसजेंडर और चार अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। पीड़ित के परिवार ने उसके घर में तोड़फोड़ की और मानव बलि के संकेत मिलने का दावा किया। हालांकि, पुलिस ने कहा कि इमरान और लड़के के पिता वसीम खान के बीच वित्तीय विवाद को लेकर लड़के की हत्या की गई थी, जो रेडीमेड कपड़ों का कारोबार करता है। गुरुवार की शाम बच्चे के लापता होने के बाद उसके पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज करायी थी। इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने इमरान को गिरफ्तार किया, जिसने लड़के की हत्या कर शव को नाले में फेंकने की बात कबूल की। पीड़ित परिवार के मुताबिक इमरान ने लड़के से ओआरएस लाने को कहा था। रोजा रखने वाला लड़का जब ओआरएस का पैकेट देने इमरान के घर गया तो इमरान ने उसे पकड़ लिया। आरोपी ने पानी से भरी बाल्टी में जबरन उसका सिर डुबाकर उसकी गला दबा कर हत्या कर दी। बच्चे के मरने की पुष्टि होने के बाद इमरान ने एक ऑटो रिक्शा चालक की मदद से शव को पानी की बाल्टी और एक बैग में भरकर नाले में फेंक दिया। हत्या से इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस उपायुक्त श्रीनिवास राव ने कहा कि वित्तीय मामलों को लेकर हुए विवाद के कारण हत्या की गई। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर पीड़ित परिवार को यह संदेह है कि यह मानव बलि का मामला है, तो वे उस कोण से भी मामले की जांच करेंगे। पशुपालन मंत्री टी. श्रीनिवास यादव ने क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मानव बलि का मामला नहीं है, लेकिन पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि त्वरित सुनवाई और सजा सुनिश्चित करने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा।

करंट की चपेट में आए दंपत्ति, मौत

मनचेरियल, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चेन्नूर कस्बे के लाइन गड्डा इलाके में शुक्रवार सुबह बिजली के तार को छूने से एक दंपति को करंट लग गया। चेन्नूर पुलिस ने कहा कि बोल्लमपल्ली श्रीनिवास चारी (43), एक सुनार और शशिदेवी (40) की मौत लोहे के तार के संपर्क में आने से हुई, जिस पर वे कपड़े सुखा रहे थे।

शशिदेवी को पहले बिजली का झटका लगा जब उन्होंने तार को छुआ और चारी को बिजली का झटका लगा जब उन्होंने अपनी पत्नी को बचाने की कोशिश की। पुलिस को संदेह है कि गुरुवार की रात तेज आंधी के साथ हल्की बारिश के कारण बिजली की आपूर्ति प्रभावित हुई। दंपति के दो बेटे हैं।

मक्का मस्जिद में जमात-उल-विदा की नमाज अदा की गई

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जुमात उल विदा (रमजान के आखिरी शुक्रवार) के लिए हजारों मुसलमान मक्का मस्जिद में इकट्ठा हुए और मक्का मस्जिद के खतीब मौलाना हफीज रिजवान कुरैशी के नेतृत्व में नमाज अदा की। नमाज के लिए राज्य भर से भारी संख्या में मक्का मस्जिद में जमा हुए। अधिकारियों ने मस्जिद के भीतर और बाहर कालीन और मैट की व्यवस्था करके विशाल सभा की व्यवस्था की थी। नमाज के बाद दुआ पढ़ी गई जिसमें लोगों ने अल्लाह से दुआ और जीवन में शांति और समृद्धि की कामना की। पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए थे। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद चारमीनार में मौजूद थे। मक्का मस्जिद में लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन की घोषणा की थी।

बस अड्डे पर हादसे में युवक की मौत

वारंगल, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। यहां बस अड्डे पर एक युवक को आरटीसी बस ने कुचल दिया। मृतक शहर के काशीबुग्गा मोहल्ले का चिंता अनिल कुमार था। वह अपने दोस्त को विदा करने के लिए बस अड्डे आया था, तभी यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना हो गई। पता चला है कि वह अपने दोस्त के बस में चढ़ने के बाद लौट रहा था, तभी एक बस ने उसे टक्कर मार दी, जबकि चालक बस पलट रहा था। बस के पिछले पहिए के नीचे आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी होने पर उसके दोस्त और रिश्तेदार बस अड्डे पहुंचे और चार बसों के शीशे पर पथराव किया। अधिकारियों की सूचना पर स्थानीय पुलिस बस अड्डे पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया।

शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम अस्पताल में भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

क्रिकेट सट्टा गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार, आठ लाख रुपये नकद जब्त

महबूबाबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टाउन पुलिस के साथ टास्कफोर्स पुलिस ने शुक्रवार को यहां आठ सदस्यीय गिरोह के पांच सदस्यों को ऑफलाइन क्रिकेट सट्टा लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इनके पास से पांच मोबाइल फोन और आठ लाख रुपए नकद भी बरामद किए गए हैं। वे पोसम श्रीनिवास, चैतन्य, काटा सुधाकर, मल्लम वामशिकृष्णा और एमडी रिजवान थे। गिरोह के अन्य सदस्य वी चिरंजीवी, बी उदय और श्रीकांत यादव फरार बताए जा रहे हैं।

शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में विवरण का खुलासा करते हुए, एसपी शरत चंद्र पवार ने कहा कि मामले में मुख्य आरोपी गुंटूर जिले के वांगिनेनु चिरंजीवी उर्फ बीके थे, जो एक तरह की चेन-लिंक प्रणाली के माध्यम से सट्टेबाजी का आयोजन कर रहे थे। एसपी ने कहा कि वे गुंटूर, विजयवाड़ा, महबूबाबादऔर खम्मम जिलों में सट्टेबाजी कर रहे हैं। अब वे आईपीएल मैचों पर सट्टा लगा रहे हैं।

हाईकोर्ट ने भूख हड़ताल के लिए वाईएसआरटीपी को दी सशर्त मंजूरी

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को वाईएसआर तेलंगाना पार्टी (वाईएसआरटीपी) को बेरोजगारों की समस्याओं को लेकर हैदराबाद के इंदिरा पार्क में एक दिन की भूख हड़ताल के लिए सशर्त अनुमति दे दी। वाईएसआरटीपी अध्यक्ष वाई.एस. शर्मिला यह भूख हड़ताल 17 अप्रैल को होनी थी, लेकिन पुलिस ने इसके लिए अनुमति देने से इंकार कर दिया था।

शर्मिला ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर पुलिस को विरोध प्रदर्शन की अनुमति देने का निर्देश देने की मांग की थी। उच्च न्यायालय ने, हालांकि, निर्देश दिया कि 500 से अधिक लोगों को भूख हड़ताल में भाग नहीं लेना चाहिए। आयोजकों को भूख हड़ताल से 48 घंटे पहले पुलिस से संपर्क करने का भी निर्देश दिया गया था।

शर्मिला के एक या दो दिन में विरोध की नई तारीख की घोषणा करने की संभावना है।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

एम. रावली

माता : एम. लक्ष्मी
पिता : एम. मुरली

जंगल सफारी कर रहे लोगों ने अचानक सुनी दहाड़, एक-एक कर सामने आ गए चार शावक, फिर सामने आई बाघिन

पीलीभीत, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। टाइगर रिजर्व के पर्यटन जोन में बाघों की चहलकदमी लगातार दिख रही है। यह जंगल में बाघों की बढ़ती संख्या का स्पष्ट संकेत है। शुक्रवार को सुबह की शिफ्ट में बिहार से आए कुछ पर्यटक जंगल सफारी कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें बाघ की दहाड़ सुनाई दी। इसके कुछ ही देर बाद एक एक करके चार शावक झाड़ियों से निकलकर पर्यटन मार्ग पर आ गए। फिर बाघिन भी सामने आ गई। जंगल के बीच से निकल रहे पक्के मार्ग पर चारों शावक बाघिन के इर्द-गिर्द काफी दूर तक चलते रहे।

'मोदी-योगी राज में आतंकी गुंडे बिरयानी की जगह खा रहे गोली'

प्रयागराज, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस और सपा की सरकार में आतंकवादी, गुंडे-माफियाओं का बोलबाला था। इन्हें मलाई और बिरयानी खिलाई जाती थी लेकिन मोदी-योगीराज में उन्हें गोली खिलाई जाती है। भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है, जहां कार्यकर्ता काम करते-करते प्रधानमंत्री बन सकता है। यह बातें सिविल लाइंस स्थित वीके सिंह के प्रांगण में भाजपा के महापौर प्रत्याशी उमेश चंद्र उर्फ गणेश केशरवानी के केंद्रीय चुनाव कार्यालय के शुभारंभ समारोह में काशी क्षेत्र के प्रभारी सांसद सुब्रत पाठक ने बतौर मुख्य अतिथि कहीं। उन्होंने कहा कि सीएम योगी ने इलाहाबाद को फिर से प्रयागराज बनाकर इसकी धार्मिक व सांस्कृतिक पहचान पुनः

स्थापित की है। सपा के शासन में दुर्दांत माफिया अतीक अहमद ने विधायक राजू पाल की हत्या की तब सरकार ने संरक्षण किया। अब जब योगी सरकार में उमेश पाल की हत्या हुई माफिया के समूल साम्राज्य का अंत हुआ। सांसद डा। रीता बहुगुणा जोशी व केशरी देवी पटेल ने कहा कि भ्रष्टाचार व भेदभाव मुक्त शासन भाजपा ही दे सकती है। पूर्व कैबिनेट मंत्री डा। नरेंद्र कुमार सिंह गौर व पूर्व कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने नगर निगम में भाजपा प्रत्याशियों को जीत दिलाने की अपील की। विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी, गुरु प्रसाद मौर्य, पीयूष रंजन निषाद, सुरेंद्र चौधरी, डा। केपी श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष डा। वीके सिंह, भाजपा प्रदेश मंत्री अनामिका चौधरी, निवर्तमान महापौर अभिलाषा गुप्ता ने भी विचार रखे। संचालन काशीक्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता व कमलेश गौतम ने किया। आभार गणेश केशरवानी ने ज्ञापित किया।

नगर पंचायत में अध्यक्ष के तीन, सदस्य के 22 नाम वापस

आठ नगर पंचायतों में अध्यक्ष पद पर तीन, सदस्य पद पर 22 नाम वापस हुए। भारतगंज, लालगोपालगंज व फूलपुर में अध्यक्ष पद के एक-एक नाम वापस हुए। अब अध्यक्ष के लिए भारतगंज में आठ, लालगोपालगंज में 11 व फूलपुर में छह प्रत्याशी हैं। अध्यक्ष के लिए सिरसा में आठ, हंडिया में आठ, कोरांव में 10, शंकरगढ़ में छह, मऊआइमा में सात उम्मीदवार हैं। सिरसा में सदस्य पद पर 53 में तीन, हंडिया में 83 में तीन, भारतगंज में 59 में तीन, कोरांव में 52 में तीन, शंकरगढ़ में 60 में एक, लालगोपालगंज में 113 में चार व फूलपुर में 66 में पांच प्रत्याशियों ने नाम वापस लिया है। मऊआइमा में सदस्य पद के 56 प्रत्याशियों में किसी ने भी नाम वापस नहीं लिया है। सदस्य पद पर सिरसा के वार्ड संख्या चार में दो, पांच में एक, हंडिया के पांच में एक, छह में एक, सात में एक, भारतगंज में वार्ड एक में एक, तीन में एक, चार में एक, कोरांव में वार्ड छह, सात व नौ में एक-एक प्रत्याशियों ने नाम वापस ले लिया। शंकरगढ़ के वार्ड चार में एक, लालगोपालगंज में वार्ड सात व नौ में एक-एक, वार्ड 13 में दो, फूलपुर में वार्ड संख्या दो में दो, आठ, नौ व 10 में एक-एक प्रत्याशियों ने मैदान छोड़ दिया।

बांग्लादेश के रास्ते चीन और इंडोनेशिया भेजे जा रहे कछुए, चार तस्कर गिरफ्तार

गोरखपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। फ्लैपशेल प्रजाति के 34 कछुओं के साथ पुलिस ने शाम मोहद्दीपुर से कैरियर समेत चार तस्करों को गिरफ्तार किया। वहीं कैंपियरगंज निवासी सरगना बंगाली भागने में सफल रहा। तस्कर इन कछुओं को बंगाली को देते थे जो बांग्लादेश के रास्ते चीन, इंडोनेशिया व थाईलैंड समेत अन्य देशों को पहुंचाता है। एसपी नगर ने बताया कि पकड़े गए तस्करों की पहचान देवरिया जिले के थाना एकौना के ग्राम जगमांझा निवासी वलिस्टर सिंह, कैंट थाना के महरवा की बारी निवासी सुग्रीव निषाद, बब्लू निषाद और संतकबीरनगर जिले के थाना बखिरा के झुगिया निवासी दुर्गेश साहनी के रूप में हुई। इसमें सुग्रीव कछुओं को पकड़ने का काम करता है। इसने रामगढ़ताल से दस बोरी में 34 कछुओं को पकड़ा। इसके बाद वलिस्टर की गाड़ी से कैंपियरगंज सरगना बंगाली के पास जा रहे थे। सूचना पर वन विभाग की टीम के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई कर इन्हें गिरफ्तार किया गया। पुलिस की पूछताछ में तस्करों ने बताया कि कछुओं की मांग बाहरी देशों मे ज्यादा है। एक कछुआ करीब दो से तीन किलो का होता है। 30 से 40 हजार रुपये में एक कछुआ बिक जता है। थाइलैंड, इंडोनेशिया में इन कछुओं के मांस की अच्छी कीमत मिलती है।

निकाय चुनाव से पहले वरुण गांधी का बयान

बीजेपी के लिए बनेगा बड़ी मुसीबत? समझें सियासी मायने

पीलीभीत, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव के बीच पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरुण गांधी के बयान ने एक बार फिर सियासी हलचल बढ़ा दी है। बीजेपी सांसद ने चुनाव में होने वाले बेतहाशा खर्च पर बड़े सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने हिंदी अखबार में एक लेख द्वारा चुनाव में बेतहाशा खर्च का सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि चुनावी चंदे पर नियंत्रण जरूरी है। वरुण गांधी ने लिखा है, ₹गरीब लोकतंत्र में ये लोगों को सबसे बड़े उत्सव से दूर करता है। उम्मीदवारों के निजी चंदे पर निर्भरता कम होनी चाहिए। इसके लिए सरकारी फंडींग की दिशा में ठोस और ईमानदार पहल होनी चाहिए। बीजेपी सांसद ने इसे समय की

मांग बताते हुए अपनी बात रखी है। सांसद ने अपने इस लेख के जरिए एक बार फिर ऐसा मुद्दा उठा दिया है जो बीजेपी के साथ ही कई पार्टियों को चुभ सकता है।

इस आंकड़े का दिया हवाला

सांसद ने चुनाव में होने वाले खर्च पर बेबाक तरीक से खुलकर अपने विचार रखे हैं। इसके लिए उन्होंने एक हिंदी अखबार में चुनाव में होने वाले खर्च पर एक लेख लिखा है। इसके बाद इस अखबार के लेख को उन्होंने ट्विटर पर शेयर किया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, चुनावी चंदे पर नियंत्रण जरूरी है। 2009 के आम चुनावों में 2 अरब डॉलर खर्च हुए थे, और 2019 तक यह आँकड़ा 8।5 अरब डॉलर पार कर चुका है। बीजेपी सांसद ने आगे लिखा, महँगा होता चुनाव न सिर्फ गरीब को लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव से दूर करता है बल्कि उसकी निष्पक्षता भी प्रभावित करता है। इस विषय पर मेरा लेख पढ़ें। इस आर्टिकल में वरुण गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बयान का जिक्र करते हुए कहा, हिंदूस्तान में हर विधायक अपने करियर की शुरूआत झूठे रिटर्न फाइलिंग से करता है। चुनावी खर्च को कम करने के लिए सरकार की ठोस और ईमानदार पहल समय की मांग है।

अपर मुख्य सचिव या चीफ सेक्रेटरी को कोर्ट में होना पड़ा हाजिर तो नपेंगे कई अधिकारी

पटना, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के सभी क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक, जिला शिक्षा अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारियों को पत्र लिख कर चेतावनी दी गई है। यह मामला शिक्षा विभाग के कोर्ट केस से जुड़ा है। बिहार के मुख्य सचिव या शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव को यदि कोर्ट में किसी मामले में उपस्थित होना पड़ा तो गड़बड़ करने वाले संबंधित अधिकारी निलंबित होंगे। इस बारे में राज्य के प्राथमिक शिक्षा निदेशक बी कार्तिकेय धनजी ने सभी क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक, जिला शिक्षा अधिकारी और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को पत्र लिख कर चेतावनी दी है। उनसे साफ तौर पर कहा गया है कि यदि किसी भी अधिकारी की वजह से ऐसी स्थिति पैदा होती है तो उन्हें निलंबित किया जाएगा। इतना ही नहीं उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। निदेशक ने सभी अधिकारियों को हर हाल में कानूनी मामलों का समय पर निपटारा तय करने का निर्देश दिया है। साफ तौर पर कहा गया है कि इसमें ढिलाई हुई तो विभाग इसे गंभीरता से लेगा। बता दें कि पिछले कुछ वक्त से शिक्षा विभाग के क्षेत्रीय और जिला अधिकारियों की वजह से उच्चाधिकारियों को ऐसी परिस्थिति का सामना करना पड़ जाता है। बीते दिनों मुख्य सचिव को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा था इसके पहले विभाग के अपर मुख्य सचिव को भी ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा था। पत्र के मुताबिक मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव और निदेशक के स्तर से उन्हें बार-बार कानूनी मामलों को गंभीरता से निष्पादन का निर्देश दिया जाता रहा है, हाई कोर्ट के मामले में समय पर प्रति शपथ पत्र, कारण पृच्छा दायर करना तय करने को लेकर कहा भी गया।

ट्विटर से सीएम योगी और मायावती सहित इन नेताओं का ब्लू टिक हटा, अखिलेश यादव का अब भी मौजूद

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। एलन मस्क के कंपनी अधिग्रहण करने के बाद माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने अपनी कई पॉलिसी में बदलाव किए हैं। इसी के तहत अब ब्लू टिक हटाया जा रहा है। ब्लू टिक की सेवा लेने के लिए यूजर को अब न्यूनतम शुल्क चुकाना होगा। ऐसे में यूपी के मुख्यमंत्री सहित दोनों डिप्टी सीएम और कई हस्तियों के ब्लू टिक रातोंरात गायब हो गए। लेकिन समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का ब्लू टिक अभी मौजूद है। ट्विटर में ब्लू टिक हटाने की नई व्यवस्था लागू होते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित प्रदेश की तमाम हस्तियों के ब्लू टिक हट गए हैं। यूपी के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, बसपा सुप्रीमो मायावती, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी कई दिग्गजों के ट्विटर अकाउंट से ब्लू टिक हट गया। बता दें कि एलन मस्क द्वारा कंपनी का अधिग्रहण करने के बाद ट्विटर ब्लू या व्यवसाय-केंद्रित ट्विटर वेरिफाइड ऑर्गेनाइजेशन का कॉन्सेप्ट आया। इसके तहत कोई भी बिजनेस एंटीटी या इंडिविजुअल निर्धारित शुल्क का भुगतान करके अपने ट्विटर हैंडल को वेरिफाइड करवा सकती या सकता है। इससे पहले की स्थिति में ब्लू टिक प्रसिद्ध व्यक्तियों को प्रतिरूपण से बचाने और झूठी सूचनाओं से निपटने के तरीके के रूप में कार्य करता था।

भारत में ट्विटर ब्लू टिक की कीमत

भारत में, आईओएस के लिए ट्विटर ब्लू की कीमत 900 रुपये मासिक है। वेब मासिक 650 रुपये है जबकि आईओएस के लिए वार्षिक मूल्य 9,400 रुपये है। एंड्रॉइड यूजर्स के लिए, मासिक मूल्य 900 रुपये है जबकि वार्षिक मूल्य 9,400 रुपये है।

पूर्व मंत्री जनक राम बोले-जब से बिहार में महागठबंधन की सरकार आई, तब से अनुसूचित जाति की हो रही हत्याएं

पटना, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री जनक राम ने महागठबंधन सरकार पर जमकर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्य में जब से महागठबंधन की सरकार आई है, तब से सोची समझी रणनीति के तहत अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के प्रबुद्ध लोगों की हत्याएं की जा रही है। पूर्व मंत्री ने वैशाली जिले के लालगंज में राकेश पासवान की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के निर्देश पर पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल पूरी स्थिति की जानकारी जुटा करके लौटा है। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व मंत्री रामप्रीत पासवान, विधायक लखीन्द्र पासवान और वैशाली जिला के प्रभारी सुबोध पासवान आदि शामिल थे।

फर्रुखाबाद जेल में 30 कैदी कोरोना पॉजिटिव

फर्रुखाबाद, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी में भी कोरोना के मामले एकबार फिर लगातार बढ़ते जा रहे हैं। प्रदेश में फर्रुखाबाद के फतेहगढ़ स्थित केंद्रीय कारागार में 30 कैदियों के कोरोना पॉजिटिव निकलने से जेल और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। जिले में अभी तक कुल 53 लोगों की आरटी पीसीआर से कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि हो गई है। जिले में कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। कोरोना ने अब केंद्रीय कारागार में भी दस्तक दे दी है। स्वास्थ्य टीम ने 100 कैदियों के एंटीजन किट से जांच की तो 30 कैदियों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई। नोडल अधिकारी ने बताया कि संक्रमित कैदियों के नमूने आरटी पीसीआर लैब भेजे गए हैं।

जिला प्रशासन में हड़कंप

केंद्रीय कारागार में विभिन्न अपराधों में सजा काट रहे बंदियों के कोरोना पॉजिटिव निकलने से जेल और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। जो बंदी जांच में कोरोना पॉजिटिव निकले हैं उनके संपर्क में आए बंदियों की भी जांच कराई जाएगी। जिला जेल में भी चिकित्सकों की एक टीम ने बंदियों की जांच की और सैंपल को आरटी पीसीआर लैब भेजा गया है। अभी तक आरटी पीसीआर की कोई भी रिपोर्ट नहीं आई है।

अधिकारी ने क्या बताया

फर्रुखाबाद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी अवनींद्र कुमार ने बताया कि सेंट्रल जेल में 30 बंदी कोरोना पॉजिटिव निकले हैं। 100 बंदियों की जांच आरटीपीसीआर के लिए ले भेजी गई है। बंदी सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखें, मास्क लगाएं और खाने से पहले हाथ धोएं, यह दिशा निर्देश बंदियों को दिए गए हैं। बता दें कि प्रदेश में कोरोना बेकाबू होता जा रहा है और बहुत तेजी से फैल रहा है। इसके बावजूद लोग कोविड नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। यह प्रदेश के 74 जिलों तक फैल गया है। इसे लेकर गाइडलाइन जारी की गई है।

आनंद मोहन की रिहाई के लिए कानून में संशोधन पर दलितों-पिछड़ों को कब मिलेगा न्याय

बीजेपी का नीतीश सरकार से सवाल

पटना, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बाहुबली पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह की रिहाई के लिए सरकार ने कानून में संसोधन किया है। नीतीश सरकार ने लोकसेवक की हत्या को अपवाद की श्रेणी से हटाकर सामान्य हत्या कर दिया है। कानून में संसोधन के बाद अब लोकसेवक की हत्या भी अब सामान्य हत्या ही कहलाएगी। इसके बाद गोपालगंज के डीएम जी कृष्णैया हत्या के लिए उम्र कैद की सजा काटने के बाद भी जेल में बंद आनंद मोहन सिंह की रिहाई हो सकेगी। क्योंकि डीएम जी कृष्णैया हत्या मामले को भी अब सामान्य हत्या के तौर पर ही देखा जाएगा। आनंद मोहन की रिहाई के लिए हुए कानून में संसोधन के बाद बीजेपी नीतीश सरकार पर हमलावर है। बीजेपी ने सरकार के इस फैसले पर सवाल उठाया है। बीजेपी नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी

ने आनंद मोहन का बिना नाम लिए ट्वीट कर सरकार से पूछा- जब कुछ सजायाफ्ता लोगों के लिए जेल मैन्युअल बदला जा सकता है, तब आम माफी क्यों नहीं?

शराबबंदी में बंद कैदियों पर निर्णय ले सरकार

सुशील कुमार मोदी ने ट्वीट किया-जब कुछ प्रभावशाली लोगों के गंभीर मामलों में सजायाफ्ता होने के बावजूद उनकी रिहाई के लिए जेल मैन्युअल को शिथिल किया जा सकता है, तब शराबबंदी कानून तोड़ने के सामान्य अपराध से जुड़े 3 लाख 61 हजार मुकदमे भी वापस लिये जा सकते हैं। शराबबंदी कानून के तहत गिरफ्तार लोगों के लिए आम माफी का ऐलान कर सरकार को 25 हजार लोगों की तुरंत रिहाई का रास्ता साफ करना चाहिए। इसे मुख्यमंत्री अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न न बनायें।

एक भी शराब माफिया को सजा क्यों नहीं?

सुशील मोदी ने ट्वीट में आगे लिखा- शराबबंदी कानून के तहत जिन 5 लाख 17 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया, वे कोई शातिर अपराधी नहीं हैं। उनमें 90 फीसद लोग दलित-पिछड़े-आदिवासी समुदाय के हैं। ऐसे लगभग 25 हजार लोग अभी भी जेल में हैं। जेलों में जगह नहीं है और अदालतें पहले ही मुकदमों के बोझ से दबी हैं। गरीब मुकदमे के चक्कर में और गरीब हो रहे हैं। ऐसे में शराबबंदी कानून तोड़ने वालों को आम माफी देने से सबको बड़ी राहत मिलेगी।

गरीबों को उनके हाल पर क्यों छोड़ दिया गया?

6 वर्षों में जहरीली शराब पीने से मरने की 30 घटनाओं में सरकारी आंकड़ों के अनुसार 196 लोगों की मौत हुई, लेकिन इस के लिए दोषी एक भी माफिया या शराब तस्कर को सजा नहीं हुई। राज्य सरकार ने शराब से जुड़े मामले तेजी से निपटाने के लिए स्पेशल कोर्ट का गठन क्यों नहीं किया ? किसी मामले में स्पीडी ट्रायल क्यों नहीं हुआ? गरीबों को उनके हाल पर क्यों छोड़ दिया गया?

खूनी इश्क! रोशनी हत्याकांड का आरोपी अरेस्ट

जालौन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जालौन में बाइक सवार दो युवकों ने बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी थी. इस मामले में पुलिस ने घटना के दिन ही मुख्य आरोपी राज अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया था. वहीं, दूसरे हत्यारोपी को गुरुवार दोपहर को पुलिस ने गिरफ्तार किया. उसका नाम रोहित है और वह हमीरपुर का रहने वाला है. बीते सोमवार को जालौन के एट कोतवाली क्षेत्र के कोटरा रोड पर छात्रा रोशनी की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी.

स्वार उपचुनाव: मुस्लिम बहुल सीट पर सपा का हिंदू कार्ड, अनुराधा सपा उम्मीदवार, बीजेपी गठबंधन का मुस्लिम प्रत्याशी

लखनऊ, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। विधानसभा की मुस्लिम बहुल स्वार सीट के उपचुनाव में मुकाबला दिलचस्प हो गया है। सपा ने यहां हिंदू कार्ड चला है। उसने क्षत्रिय जाति की अनुराधा चौहान को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं, भाजपा गठबंधन के खाते से अपना दल (एस) ने यहां से मुस्लिम प्रत्याशी शफीक अहमद अंसारी को मैदान में उतारा है। जबकि, बसपा और कांग्रेस यहां रणभूमि से बाहर हैं। स्वार सीट पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां के

बेटे अब्दुल्ला आजम की सदस्यता खत्म होने से खाली हुई थी। सपा ने यहां से नामांकन के अंतिम दिन अनुराधा चौहान को उतारकर सभी को चौंका दिया है। यह सीट अब तक तीन बार सपा के कब्जे में रही है, पर ये तीनों मुस्लिम थे। अब तक के चुनावों में मुस्लिम बहुल यह सीट पांच बार भाजपा भी जीत चुकी है। हालांकि, अभी भी सबसे ज्यादा बार यहां से जीतने का रिकॉर्ड कांग्रेस के ही नाम है। बसपा को भी एक बार यहां विजयश्री मिली है। पिछले 20 साल में हुए चुनावों पर नजर दौड़ाएं तो 2002 में यहां से कांग्रेस के टिकट पर नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां जीते। 2007 में नवेद मियां ही सपा के टिकट पर फिर जीते, लेकिन बसपा की सरकार बनने पर उन्होंने पाला बदलते हुए इस्तीफा दे दिया। उपचुनाव में वह बसपा प्रत्याशी के रूप में विधानसभा पहुंचे। 2012 के चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर फिर नवेद मियां आगे रहे। 2017 और 2022 के चुनाव में सपा के टिकट पर अब्दुल्ला आजम जीते। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा गठबंधन के तहत अपना दल (एस) ने यहां से मुस्लिम प्रत्याशी दिया था। इस बार भाजपा गठबंधन ने शफीक अहमद अंसारी को उतारकर पसमांदा मुस्लिम कार्ड खेला है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भी भाजपा पसमांदा समाज को अपने करीब लाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। माना जा रहा था कि सपा इस बार भी यहां से कोई मुस्लिम प्रत्याशी देगी और तब चुनावी लड़ाई भाजपा के पक्ष में रहने की ज्यादा संभावना हो सकती थी। धार्मिक ध्रुवीकरण, उपचुनाव में सत्ता अनुकूल रुझान और भाजपा गठबंधन प्रत्याशी का अपना जातिगत वोट उनका पलड़ा भारी करेंगे, ऐसा सपा खेमे में भी माना जा रहा था। यही वजह रही कि सपा के रणनीतिकारों ने इस मुद्दे पर मंथन के बाद अनुराधा चौहान को हरी झंडी दी गई और उन्होंने आखिरी दिन अपना नामांकन कराया। सपा के रणनीतिकारों का मानना है कि मुसलमान और उदार सोच के हिंदू एक साथ आ जाएं तो परिणाम उसके लिए हितकर हो सकते हैं।

सपा के लिए जीत-हार से ज्यादा धारणा बदलना अहम

दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ। लक्ष्मण यादव कहते हैं कि स्वार से सपा का हिंदू प्रत्याशी उसकी दूरदृष्टि प्रदर्शित करता है। वह कहते हैं कि सपा के लिए जीत-हार से ज्यादा अपने बारे में बनी धारणा को बदलना अहम है। इस प्रयोग के पीछे यही सोच है। पिछले कुछ चुनाव गवाह हैं कि जब-जब धार्मिक ध्रुवीकरण हुआ, भाजपा ही आगे रही। सपा हाईकमान ने इसे भलीभांति समझते हुए मुस्लिम बहुल स्वार सीट पर हिंदू प्रत्याशी दिया है।

मारपीट के आरोप पर भाजपा विधायक ने दर्ज कराई सीओ पर काउंटर एफआईआर

राजू सिंह के खिलाफ राजद ने खोला मोर्चा

मुजफ्फरपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। साहेबगंज विधायक राजू कुमार सिंह पर पारू सीओ व राजस्व अधिकारी ने मारपीट करने और जातिसूचक शब्द कहने का आरोप लगाकर केस दर्ज करवाया है। अब, विधायक राजू कुमार सिंह ने उनपर आरोप लगाने वाले दोनों अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई है। विधायक राजू कुमार सिंह ने पारू ब्लॉक सीओ अनिल भूषण पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। मुजफ्फरपुर एसएसपी राकेश कुमार ने कहा कि भाजपा विधायक राजू सिंह पर सीओ और राजस्व अधिकारी के साथ मारपीट के संबंध में एफआईआर दर्ज की गई है। अब दोनों पक्षों की तरफ से केस दर्ज कराया गया है। मामले की जांच जारी है। मामला 11 अप्रैल का है। अंचलाधिकारी अनिल भूषण ने भाजपा विधायक पर आरोप लगाया कि 11 अप्रैल को मोबाइल पर कॉल कर विधायक ने उन्हें बुलाया। उनके साथ राजस्व अधिकारी भी गए, जहां विधायक राजू कुमार सिंह ने उनके साथ मारपीट की और जातिसूचक शब्द भी कहा। इस मामले में विधायक राजू कुमार सिंह ने कहा कि उनपर झूठा आरोप लगाया जा रहा है। विधायक ने शिकायत करने वाले अंचल अधिकारी अनिल भूषण को भ्रष्ट बताया और कहा कि भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए उनपर केस दर्ज करवाया गया है। विधायक ने कहा कि उन्होंने आग की एक घटना में मुआवजे का भुगतान न करने के संबंध में अनिल भूषण से सवाल किया था। जिन लोगों के घर आग में जले थे, उन्हें मुआवजा देने के एसडीओ के आदेश के बावजूद मुआवजे का भुगतान नहीं किया गया था।

विधायक ने डीएम से की उच्च स्तरीय जांच की मांग

इसको लेकर उन्होंने डीएम से सीओ की शिकायत भी की थी। उन्होंने अपने लेटर पैड पर बिंदुवार तरीके से कई मामलों का जिक्र करते हुए डीएम प्रणव कुमार से दोनों पदाधिकारियों के खिलाफ शिकायत की है। इनका स्थानांतरण करते हुए दूसरे पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति और मामले की उच्च स्तरीय जांच करने की मांग भी की है।

कोल्ड स्टोरेज में धमाका पाइप लाइन फटने से अमोनिया गैस लीक

पटना, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मोतीहारी में रात एक कोल्ड स्टोरेज की गैस पाइप लाइन तेज धमाके के साथ फट गई. इसकी वजह से अमोनिया गैस की लीकेज होने लगी. हालात यहां तक आ गए कि आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी होने पर लोग घरों में ताला लगाकर पलायन करने लगे. सूचना मिलने पर पुलिस, प्रशासन और दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे, लेकिन कोई कुछ नहीं कर पाया. करीब घंटे डेढ़ घंटे बाद कोल्ड स्टोरेज के ही कर्मचारियों ने प्रेशर बंद कर पाइप लाइन को सील किया.

बिहार के हर जिले में अब खुलेगा साइबर थाना

44 डीएसपी समेत 600 पदों पर की जाएगी नियुक्ति

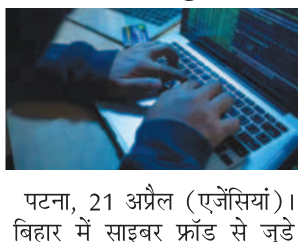

पटना, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में साइबर फ्रॉड से जुड़े मामलों पर रोक लगाने के लिए सरकार द्वारा अहम फैसला लिया गया है। राज्य के हर जिले में एक यानी कुल 44 साइबर पुलिस थाने खोले जाने का फैसला लिया गया है। इन थानों के बेहतर संचालन के लिए 44 डीएसपी समेत 660 पदों पर नियुक्ति होगी। मुख्य सचिव आमिर सुबहानी की अध्यक्षता में प्रशासी पदवर्ग समिति की बैठक में इस फैसले को मंजूरी दे दी गई। फैसले के मुताबिक एक थाने में कुल 15 पद यानी एक डीएसपी, चार पुलिस निरीक्षक, तीन पुलिस अवर निरीक्षक, एक प्रोग्रामर, दो सिपाही, तीन डाटा सहायक और एक चालक सिपाही के पद तय किए गए हैं। राज्य में अभी साइबर थानों की व्यवस्था नहीं है, इसकी अपराध इकाई के अधीन सभी जिलों में 74 साइबर क्राइम एवं सोशल मीडिया यूनिट की स्थापना की गई है, बता जिलों में तीन से चार वहीं छोटे जिलो में एक या दो सीसीएसएमयू कार्यरत है। सूत्रों की मानें तो इन्हें ही साइबर थानों के रूप में बदला जाएगा। स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार 2018 में बिहार में साइबर फ्रॉड के महज 375 केस दर्ज हुए थे और अब बिहार के हर जिले में साइबर फ्रॉड के केस दर्ज हो रहे हैं। साल 2021 में साइबर फॉड के 1413 केस दर्ज हुए हैं, तीन साल के आंकड़ों को देखें तो बिहार में साइबर क्राइम की घटनाओं में 300 फीसदी की वृद्धि हुई है। अकेले जनवरी में मई 2022 तक पांच महीने में ही बिहार में 8003 केस सामने आये हैं इसमें अकेले पटना में ही साइबर क्राइम के 1632 केस थी।

जंग से रूस की डिफेंस इंडस्ट्री पर बुरा असर, नहीं कर पा रहा हथियारों की सप्लाई, क्या भारत पर पड़ेगा असर?

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। रूस और भारत परंपरागत रूप से मित्र हैं। रूस ने हर मौके पर भारत की मदद की है। यही कारण है कि रूस के साथ भारत का कारोबार भी पिछले दशकों में बढ़ा है। रूस से सैन्य साजोसामान खरीदने वालों में सबसे अव्वल खरीदार भारत है। लेकिन ये कहानी बदली रूस और यूक्रेन की जंग के बाद। फरवरी 2022 में जब रूस और यूक्रेन के बीच जंग शुरू हुई तो रूस को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। एक तो लंबा युद्ध और दूसरा उस पर लगे आर्थिक प्रतिबंध। इस कारण से रूस सैन्य साजोसामान और हथियारों की आपूर्ति करने में पिछड़ गया। क्योंकि वह युद्ध में उलझ गया। रूस से भारत परंपरागत रूप से हथियार खरीदता है और सैन्य साजोसामान बनाने की टेक्नोलॉजी तक। जंग शुरू होने के बाद रूस की डिफेंस इंडस्ट्री बुरी तरह प्रभावित हुई है। वह दुनिया के देशों को हथियार नहीं बेच पा रहा है। जानिए क्या भारत पर इसका असर पड़ेगा? रूस जब से जंग शुरू हुई है, लगातार यूक्रेन से युद्ध लड़ रहा है। चूंकि यूक्रेन को पूरा 'नाटो' संगठन जिसमें अमेरिका भी शामिल है, बड़ी मात्रा में आर्थिक और सैन्य मदद कर रहे हैं। इस कारण रूस को भी अपनी पूरी ताकत झोंकना पड़ रहा है। यही कारण है कि जंग के कारण रूस की डिफेंस इंडस्ट्री अपने सैनिकों को ही हथियार और अन्य सैन्य उपकरणों की आपूर्ति ठीक से नहीं कर पा रही है।

ब्रह्मोस से एस 400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की डील तक पर असर

रूस की डिफेंस इंडस्ट्री इस युद्ध में उलझकर रह गई है। इस कारण वह दुनिया को हथियारों की मदद उस तरह से नहीं कर पा रही है, जितना जंग और आर्थिक प्रतिबंध लगने के पहले करती थी। बताया तो यह जा रहा है कि रूस कम से कम इस दशक के अंत तक बढ़ती सैन्य संसाधनों की वैश्विक डिमांड को पूरा करने में उतना सक्षम नहीं रहेगा। इनमें सबसे अहम खरीदार भारत है, जिसने रूस के साथ ब्रह्मोस से लेकर एस.400 मिसाइल रोधक प्रणाली तक के लिए डील कर रखी है। साथ ही रूस की टेक्नोलॉजी से भारत और रूस ने मिलकर कई हथियार बनाए हैं, इनमें ब्रह्मोस जैसी मिसाइल भी शामिल है। लेकिन दोनों देशों के साझा कार्यक्रम भी जंग के कारण प्रभावित हुए हैं।

भारत के लिए क्या है चुनौती?

ऐसे में भारत के लिए यह चुनौती होगी कि अपने सैन्य हथियारों की पूर्ति यदि रूस से नहीं होती है तो आगे किस

तरह काम करना होगा। क्योंकि भारत की अपनी सैन्य जरूरतें हैं, जिनका तुरंत समाधान होना जरूरी है। भारत को चीन से एलएसी पर, हिंद महासागर में और एलओसी पर पाकिस्तान से निपटने के लिए अपनी सेना को सैन्य साजोसामान के साथ मजबूत बनाए रखने की चुनौती हमेशा रहती है। हालांकि रूस यूक्रेन की जंग के बाद भी भारत ने अपने रक्षा विकल्प खुले रखे हैं।

रूस बड़ा रक्षा साझेदार, पर जंग में उलझा, भारत ने खुले रखे ये विकल्प

भारत ने विकल्प के तौर पर फ्रांस से राफेल, इटली, अमेरिका से बड़े पैमाने पर सैन्य साजोसामान और हथियारों के लिए डील की है। अमेरिका से होवित्जर तोप मिली है। लेकिन फिर भी रूस भारत का सबसे बड़ा रक्षा साझेदार रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटजिक स्टडीज के सैन्य संतुलन के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय सेना के बख्तरबंद वाहनों में 90 फीसदी से ज्यादा, वायुसेना और नौसेना द्वारा संचालित लड़ाकू विमानों में 69 फीसदी और नौसेना की पनडुब्बियों और युद्धपोतों में 44 फीसदी हिस्सा रूस से मिले हथियारों और सैन्य साजोसामान का है। इन पोतों में से 65 प्रतिशत रूसी मिसाइलें कैरी की जाती हैं।

भारत के लिए रूस क्यों रहा है अहम रक्षा साझेदार?

रूस से भारत इसलिए हथियार खरीदने को प्राथमिकता देता है, क्योंकि पश्चिमी देश कुछ हथियार और रक्षा टेक्नोलॉजी को भारत के साथ साझा करने से कतराते हैं। लेकिन रूस ऐसा नहीं करता। रूस के सैन्य उपकरण आमतौर पर पश्चिमी समकक्षों की तुलना में सस्ते भी होते हैं।

रूस की डिफेंस इंडस्ट्री को रक्षा बाजार में अपना जमीन खोने का डर

जंग और पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों का प्रभाव रूस की डिफेंस इंडस्ट्री पर पड़ा है। रूस की डिफेंस इंडस्ट्री कंपोनेंट और कुशल लेबर की कमी से भी जूझ रही है। ऐसे में मास्को के लिए सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि रक्षा निर्यात बाजार में उसका जो कद है, वो कुछ कम न हो जाए, इस पर काम करना होगा। रक्षा निर्यात बाजार में जमीन खोने का डर भी रूस को है। क्योंकि सैन्य जरूरतों के लिए, फिर दूसरे देशों से डील करने की संभावनाएं तलाश की जाने लगती हैं। वहीं कई देश अपने देश में ही रक्षा उत्पादन करने पर भी फोकस करते हैं।

रूसी डिफेंस इंडस्ट्री की चुनौतियों से भारत को क्या समस्या?

भारत रूस से सबसे ज्यादा रक्षा सौदे करता है। लेकिन रूस के जंग में उलझने और उस पर वैश्विक प्रतिबंधों के कारण भारत पर भी प्रभाव पड़ सकता है। नई दिल्ली को रूस से प्रमुख सैन्य उपकरण, स्पेयर पार्ट्स और गोला-बारूद की डिलीवरी में देरी का सामना करना पड़ा है। इनमें इसमें पांच एस-400 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली की डिलीवरी में देरी शामिल है। जिसके लिए भारत ने 2018 में रूस को 5.4 बिलियन डॉलर का ऑर्डर दिया था। ऐसे में नई दिल्ली ने भी अपनी पहल पर रूस से अतिरिक्त उपकरण खरीदने की योजना को अभी ठंडे बस्ते में डाल दिया है। इसमें 48 अतिरिक्त एमआई-17वी-5 मध्यम-लिफ्ट हेलीकॉप्टरों की खरीद की योजना शामिल है। अब भारत अपने घरेलू हेलिकॉप्टर निर्माण कार्यक्रम पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। भारत अपनी क्षमताओं को दुरुस्त करने में जुटा है। वैसे देखा जाए तो रूस के जंग में उलझने से भारत को प्रभाव जरूर पड़ा है, लेकिन भारत के पास विकल्प खुले हैं।

भारत की अमेरिका, फ्रांस से भी है बड़ी डिफेंस डील

अमेरिका से भारत का रक्षा कारोबार काफी बढ़ा है। अमेरिकी कंपनियों ने भारत के लिए परिवहन विमान, पनडुब्बी रोधक जंगी जेट, अटैक करने वाले खतरनाक हेलिकॉप्टर और हॉवित्जर तोप के लिए 2008 से अब तक 15 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर कर चुका है। यही नहीं, फ्रांस, इजरायल, दक्षिण कोरिया और स्पेन की फर्मों ने भी इस दौरान कई अहम रक्षा समझौते किए हैं। इनमें भारत सरकार के अच्छे इनिशिएटिव के कारण फ्रांस से बड़ा रक्षा आयात सौदा हुआ। इसमें 36 राफेल फाइटर जेट की डील शामिल है। यह 8.7 बिलियन डॉलर का सौदा है। इससे पहले 2005 में भारत ने छह कलवरी श्रेणी की हमलावर पनडुब्बियों के लाइसेंस और प्रोडक्शन के लिए फ्रांस के साथ 3.5 बिलियन डॉलर का सौदा किया था।

जंग के कारण 2030 तक प्रभावित रह सकता है रूस का रक्षा निर्यात

अमेरिका से उन्नत किस्त के हेलिकॉप्टर खरीदने के सौदे से रूस के हेलिकॉप्टरों की जो जरूरत महसूस हो रही थी, वह काफी हद तक कम हो सकती है। दरअसल, रक्षा खरीद एक दिन का काम नहीं होता, इसमें दशक लग जाता है। रूस की डिफेंस इंडस्ट्री जिस तरह जंग से प्रभावित हुई है, उसकी वजह से भारत को इस दशक के अंत तक यानी 2030 तक रूस से रक्षा संसाधनों की आपूर्ति में व्यवधान के साथ रहना सीखना होगा। क्योंकि भारत की रक्षा संसाधनों की डिमांड रूस संभवतः पूरी तरह से पूरी नहीं कर सकता।

मुखबा से गंगोत्री के लिए विदा हुई मां गंगा की डोली

आज खुलेंगे भक्तों के लिए धाम के कपाट

उत्तरकाशी/बड़कोट, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मां गंगा के शीतकालीन पड़ाव व मायके मुखबा मुखीमठ से मां गंगा की भोगमूर्ति विग्रह डोली में भगवान समेश्वर और अन्य देवडोलियों के साथ गंगोत्री धाम के लिए रवाना हो गई है। मां गंगा की विग्रह डोली भैरोंघाटी में भैरो मंदिर में रात्रि विश्राम करेगी। 22 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर्व पर गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खोले जाएंगे। श्री पांच गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष हरीश सेमवाल ने बताया कि शुक्रवार को मुखबा गांव से मां गंगा की डोली यात्रा दोपहर 12:15 बजे आर्मी के पाइप बैंड की धुन के साथ धाम के लिए रवाना हुई, जो कि रात्रि में भैरोंघाटी स्थित भैरव मंदिर में रहेगी। यहां से अगले दिन सुबह शनिवार को गंगोत्री धाम पहुंचेगी जहां धाम के कपाट 12:35 बजे श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। उन्होंने बताया कि गंगोत्री मंदिर को 11 क्विंटल गेंदे के फूलों से सजाया जा रहा है।

आज होगी मां यमुना की विदाई

मां यमुना के शीतकालीन पड़ाव खरसाली से मां यमुना की डोली की विदाई अक्षय तृतीया पर्व शनिवार को सुबह 8:25 बजे होगी। पुरोहित सभा के अध्यक्ष पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि शनिवार को यमुनोत्री धाम के कपाट कर्क लग्न अभिजीत मुहूर्त, कृतिका नक्षत्र में 12:41 पर खोले जाएंगे। मां यमुना की डोली को धाम तक छोड़ने के लिए उनके भाई शनिदेव की डोली भी साथ जाएगी।

कर्नाटक में दो किसानों की हिट एंड रन से मौत, कितने लोग हो चुके हैं शिकार

बेंगलूरु, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेलगावी जिले में शुक्रवार को एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो किसानों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए. मृतकों की पहचान 65 वर्षीय महाबलेश्वर शिंदे और 75 वर्षीय पुंडलिका रेडेकरा के रूप में हुई है. वहीं कृष्ण रेडेकरा (74) गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मंजूनाथ कागीनाकरा (47) मामूली रूप से घायल हो गए. पुलिस के मुताबिक घटना खानपुर तालुक के गोधुली गांव में धारवाड़-रामनगर राज्य राजमार्ग पर हुई. किसान अपने खेतों में गन्ने की फसल के लिए सिंचाई करने जा रहे थे. तभी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी.

टक्कर मारने के बाद चालक मौके से फरार हो गया. लोगों के सहयोग से उन्हें भर्ती कराया गया. खानपुर के कांग्रेस विधायक अंजलि निंबालकर ने अस्पताल का दौरा किया और घायलों का हालचाल लिया. उन्होंने परिवार को आश्वासन दिया है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. हिट एंड रन के मामले कर्नाटक में ज्यादा होते हैं. साल के शुरुआत में ही दर्दनाक हिट एंड रन हुआ था. इस घटना में तीन युवकों की मौत हो गई थी. हालांकि इस घटना में पुलिस को पता चला था कि ये तीनों पीड़ित ट्रक लूटने वाले थे लेकिन ट्रक ड्राइवर ने कुचल दिया था. इसके बाद ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया था. ये घटना 10 फरवरी को हुई थी. ये घटना अनागोड़ा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर हुई थी. आंकड़ों के अनुसार कर्नाटक में साल 2019 और 2023 जनवरी तक चार वर्षों में 4549 हिट एंड रन मामलों में 952 लोगों की मौत हुई और 3,807 लोग घायल हुए.

'अतीक के गुर्गे जिंदा हैं।'

ये मैसेज पुलिस को देने के लिए तीनों शूटर्स की रची जा रही हत्या की साजिश

प्रयागराज, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ के तीनों हत्यारोपियों की हत्या की साजिश रची जा रही है। यूपी पुलिस के पास इस बात के खुफिया इनपुट हैं कि अतीक के गुर्गों को इन शूटर्स की हत्या करने का आदेश मिल गया है। यही वजह है कि पुलिस तीनों आरोपियों को प्रयागराज पुलिस लाइन से बाहर नहीं निकाला जा रहा है। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को इस बात के इनपुट मिले हैं कि नैनी जेल में बंद अतीक के कुछ करीबियों ने गुर्गों को आदेश दिया है कि किसी भी तरह तीनों शूटर्स को टारगेट किया जाए। इसके लिए पुलिस की मौजूदगी में ही शूटर्स पर हमले का आदेश दिया गया है।

जैसे हुई अतीक की हत्या उसी तरह तीनों आरोपियों की भी करेंगे

एसटीएफ को इनपुट्स मिले हैं कि जिस तरह अतीक और अशरफ को पुलिस की मौजूदगी में मारा गया, वैसे ही तीनों शूटर्स को टारगेट किया जा सकता है ताकि अतीक-अशरफ का बदला लेकर मैसेज दिया जाए कि अतीक के गुर्गे जिंदा हैं।

रिमांड में हैं तीनों आरोपी अतीक-अशरफ हत्याकांड के तीनों आरोपी इस समय पुलिस रिमांड में हैं। तीनों को इस समय पुलिस लाइन में रखा गया है। हत्या का इनपुट मिलने के बाद इन तीनों को कहीं बाहर नहीं निकाला जा रहा है। 15 अप्रैल को अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की प्रयागराज के कॉल्विन अस्पताल के बाहर मीडिया के कैमरों के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। दोनों को पुलिस सुरक्षा में मेडिकल जांच के लिए अस्पताल लाया गया था। अस्पताल की इमरजेंसी के बाहर पत्रकार के भेष में पहुंचे शूटर्स ने गोलियां बरसाकर दोनों को मार दिया था। पुलिस ने तीन शूटर्स को मौके से गिरफ्तार किया था। 19 अप्रैल को पुलिस ने तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां उनकी रिमांड मांगी। कोर्ट ने तीनों आरोपियों को 4 दिनों की रिमांड में भेज दिया है। तीनों से पूछताछ की जा रही है। 23 अप्रैल को उन्हें कोर्ट में पेश किया जाना है।

विपक्षी एकता की कोशिशों को तगड़ा झटका

माकपा ने राष्ट्रीय गठबंधन की संभावना को किया खारिज, कहा- किसी एक चेहरे की तलाश निरर्थक

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई-एम) ने राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की संभावना से साफ इनकार किया है। माकपा ने अपने मुखपत्र पीपुल्स डेमोक्रेसी के ताजा संपादकीय में लिखा है कि इसके बजाय महत्वपूर्ण राजनीतिक विषयों पर विपक्ष के दलों के बीच साझा स्टैंड अपनाया जा सकता है। 2024 के लोकसभा चुनाव लिए विपक्षी दलों की एकजुटता के लिए विपक्ष के दौर के बीच सीपीएम ने राष्ट्रीय स्तर गठबंधन को असंभव बताया है। सीपीएम ने लिखा है कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के किसी एक चेहरे की तलाश निरर्थक है। सीपीएम ने भी कहा है कि किसी भी राज्य में सबसे मजबूत विपक्षी पार्टी, चाहे वह एक क्षेत्रीय पार्टी हो या एक राष्ट्रीय पार्टी, उसको बीजेपी और उसके सहयोगी दलों को सीधे आमने-सामने की चुनावी लड़ाई सुनिश्चित करने के लिए शर्तों को तय करने की अनुमति देना जमीनी हकीकत से कोसों दूर है। इसके साथ ही यह तर्क विपक्षी दलों की जटिलताओं और काम करने के अलग-अलग तरीके के अनुसार नहीं है।

सीपीएम ने अपने मुखपत्र पीपुल्स डेमोक्रेसी में लिखा है की ये साफ हो जाना चाहिए कि राष्ट्रीय स्तर पर सभी प्रमुख विपक्षी दलों के गठबंधन या मोर्चे के रूप में विपक्षी एकता नहीं बन सकती है। सीपीएम ने कहा कि यह गलत विचार एक संकीर्ण चुनावी रवैये से उपजा है। जो भाजपा के खिलाफ चुनावी लड़ाई की सफलता को सभी सीटों पर एक के खिलाफ एक की लड़ाई सुनिश्चित होने पर निर्भर होने के रूप में देखता है। यह सिर्फ एक सोच है। माकपा के मुखपत्र के संपादकीय में कहा गया है कि उद्योगपति गौतम अडानी के अभूतपूर्व उत्थान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जवाबदेह बनाना और जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक द्वारा पुलवामा हमले के बारे में किए गए खुलासे ऐसे मुद्दे हैं, जो विपक्ष को एकजुट कर सकते हैं। गौर करनेवाली बात है कि सीपीएम के महासचिव सीताराम येचुरी भी विपक्ष के गठबंधन से जुड़ी बैठकों में शामिल हो चुके हैं।

ट्रक में ठूंस कर ले जाए जा रहे थे 102 मवेशी

दम घुटने से 66 की मौत; एफआईआर

मुंबई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीड जिले के आष्टी तालुका से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक टेम्पो से 102 गौवंश को बरामद किया गया है। पुलिस ने तस्करों को गौवंश को तस्करों के लिए ले जाते समय रंगे हाथ पकड़ा है। टेम्पो में छोटे और बड़े 102 गौवंश को ठूस-ठूस कर भरा गया था। जिस कारण 66 पशुओं की मौत हो गई। जबकि 36 पशुओं की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने इस मामले में अमानवीय तरीके से परिवहन कर रहे गाड़ी के ड्राइवर और मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। वहीं पुलिस को अंदेशा है कि जिले में बीफ तस्करी का बड़ा रैकेट सक्रिय है, जिसके मास्टरमाइंड की तलाश में पुलिस जुट गई है। वहीं एक साथ मरे 66 पशुओं की मौत के बाद इलाके के लोग बेहद आक्रोशित हैं। लोगों की मांग है कि आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दी जाए। बता दें कि बीड जिले में पिछले छह से सात महीनों में पुलिस प्रशासन ने पशु तस्करी के कई वाहनों को पकड़ा है।

छोटे से टेंपो में भरे गए 102 जानवर, 66 की मौत

इस बार भी पुलिस को सूचना मिली थी कि एक गाड़ी में कुछ गौवंश अवैध तरीके से आष्टी के रास्ते जाने वाले हैं। जिसके बाद पुलिस ने नाका बंदी कर हर गाड़ी को रोककर चेकिंग की शुरुआत कर दी। जिसके बाद पुलिस ने शक के आधार पर एक संदिग्ध टेंपो को रोका और उसे खुलवाया, तो नजारा देख पुलिस भी हैरान रह गई। एक छोटे से टेंपो में 52 नीचे और 50 तख्ते के ऊपर यानि 102 जानवर ठूस कर भरे हुए थे। यही कारण रहा कि दम घुटने और एक दूसरे से रगड़ खाने के कारण 66 गौवंश की मौत हो गई। बाकियों की भी हालत गंभीर है उनका इलाज पशु अस्पताल में किया जा रहा है। जिसके बाद आष्टी थाना के सिपाही विकास राठौड़ की तहरीर पर चालक जाकिर जलाल शेख और मालिक फिरोज राशिद शेख के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। अब इस मामले की आगे की जांच की जा रही है कि आखिर ये गौवंश कहा से लाया जा रहा था और कहा जाना था। आखिर कौन है जो इतने बड़े पैमाने पर गौवंश की तस्करी कर रहा था इसके पीछे के मास्टरमाइंड की तलाश की जा रही है।

कोरोना संक्रमित पांच माह के बच्चे की हल्द्वानी में मौत, प्रदेश में लगातार बढ़ रहा संक्रमण का खतरा

हल्द्वानी, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। मेडिकल कॉलेज के अधीन सुशीला तिवारी अस्पताल में पांच माह के कोरोना संक्रमित एक बच्चे (नैनीताल जिला) की मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ अरुण जोशी ने बताया कि बच्चे निमोनिया समेत अन्य शारीरिक दिक्कत भी थी। करीब सात माह बाद कोरोना से किसी की मौत हुई है। उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। बृहस्पतिवार को 141 लोग संक्रमित पाए गए। सैंपल जांच के आधार पर प्रदेश की संक्रमण दर 15 प्रतिशत से अधिक है। अब कुल सक्रिय मरीजों की संख्या 348 हो गई है।

स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार बीते 24 घंटे के भीतर कुल 939 सैंपलों की जांच की गई। जबकि 141 लोग संक्रमित मिले हैं। इनमें देहरादून जिले में 64, नैनीताल में 21, पौड़ी में 10, ऊधमसिंह नगर में 12, हरिद्वार में 9, चंपावत व अल्मोड़ा में 7-7, बागेश्वर में 6, चमोली व पिथौरागढ़ में 2-2, टिहरी जिले में 1 संक्रमित मिला है। 158 संक्रमित ठीक हुए हैं। वर्तमान में 348 सक्रिय मरीजों का इलाज चल रहा है। इनमें से अधिकतर संक्रमित होम आइसोलेशन में उपचार ले रहे हैं।

नामीबियाई और दक्षिण अफ्रीकी चीतों का नामकरण

सियाया बनी ज्वाला, चीता ओबान को मिला पवन नाम

श्योपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से मध्यप्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में लाए गए चीते अब भारतीय नामों से पहचाने जाएंगे। चीतों को लोकप्रिय बनाने और आम लोगों के बीच इनके प्रति संवेदनशीलता की भावना पैदा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 सितंबर 2022 को मन की बात कार्यक्रम के दौरान इनके नामकरण के लिए लोगों से सुझाव देने के लिए कहा था। चीतों को नाम देने के लिए कॉम्पटिशन रखा गया था, जिसके जरिए लोगों ने चीतों के लिए ऑनलाइन नाम भेजे थे। लोगों द्वारा सुझाए गए नामों में से कुछ नामों को सिलेक्ट कर अब चीतों का नामकरण किया गया है।

जानिए क्या हैं चीतों के नए नाम

चीतों के नामकरण के बाद अब नामीबिया से लाई मादा चीता आशा को आशा, सवाना को नाभा, ओबान को पवन, सियाया को ज्वाला, तिब्लिस का धात्री, एल्टन का गौरव और फ्रेडी का नाम शौर्य रखा गया है। इसी तरह अफ्रीका के फिंडा गेम रिजर्व से लाई गई वयस्क मादा का नाम दक्षा, वयस्क नर में से एक का वायु व दूसरे का अग्नि नाम रखा है। मापे रिजर्व से लाई गई मादा को नीर्वा नाम दिया गया है।

कालाहारी के स्वालू रिजर्व से लाई गई वयस्क मादा को गामिनी, अल्प वयस्क को वीरा, वयस्क नर को तेजस, अल्प वयस्क नर को सूरज, वाटरबर्ग रिजर्व से लाई गई वयस्क मादा का नाम धीरा, वयस्क नरों में एक का उदय दूसरे का प्रभास व तीसरे का पावक नाम रखा गया है। केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को बताया कि नाम सुझाने के लिए हुई प्रतिस्पर्धा में 11,565 लोगों ने भाग लिया चयन समिति ने सुझाए गए नामों में से महत्व और प्रासंगिकता के आधार पर चीतों के लिए नामों का चयन किया।

पीएम ने छोड़े थे चीते

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जन्मदिवस पर 17 सितंबर को मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में अफ्रीका के नामीबिया से लाए गए 8 चीतों को बाड़े में छोड़ा था। दूसरी खेप में दक्षिण अफ्रीका से आए 12 चीतों को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 18 फरवरी को कूनो नेशनल पार्क के बाड़े में छोड़ा था, जिससे कूनो नेशनल पार्क में 10 नर चीता और 10 मादा चीता मिलकर कुल चीतों की संख्या 20 हो गई थी। तो वहीं, कूनो नेशनल पार्क में 27 मार्च को सासा नाम की मादा चीता की मौत हो गई, सासा की किडनी में इंफेक्शन होने की वजह से सासा ने दम तोड़ दिया,वहीं कूनो नेशनल पार्क से एक बड़ी खुशखबरी मिली कि मादा चीता सियाया ने 29 मार्च को कूनो नेशनल पार्क में घनी झाड़ियों के बीच चार शावकों को जन्म दिया है, जिसके बाद अब कूनो नेशनल पार्क में 9 मादा चीता, 10 नर चीता व चार शावक हैं।

शिवराज ने दी राहुल गांधी को सलाह, ओबीसी से माफी मांग लीजिए, न्यायपालिका का अपमान न करें कांग्रेसी

भोपाल, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। आपराधिक मानहानि केस में राहुल गांधी की अपील खारिज हो गई है। सूरत की कोर्ट ने 2019 में उनके दिए 'मोदी चोर है' बयान पर उन्हें सुनाई सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। इस पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें सलाह दी है कि राहुल जी को अपनी गलती स्वीकार कर ओबीसी वर्ग से माफी मांग लेनी चाहिए। कांग्रेस नेताओं को भी न्यायपालिका का अपमान नहीं करना चाहिए।

सिविल सर्विस डे पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के बाद शिवराज ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 'कांग्रेस के मित्रों को पता नहीं क्या हो गया है। बड़ा आसान था ओबीसी से माफी मांग लेते राहुल गांधी जी! लेकिन कोर्ट के फैसले पर टिप्पणियां की जा रही हैं। सवाल उठाए जा रहे हैं। उंगलियां भी उठाई जा रही हैं। यहां तक कि माननीय न्यायाधीश के बारे में भी उल्टा-सीधा बोला जा रहा है।

अमीर बनने के लिए खौफनाक साजिश

पहले तांत्रिक से मिले फिर महिला से पहचान बढ़ाई और सुनसान जगह पर ले जाकर दे दी बलि

चंडीगढ़, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के फतेहगढ़ में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर महिला की बलि देने का आरोप है। आरोपियों ने महिला को मरा समझकर फेंक दिया था मगर उसकी जान बच गई। असल में आरोपी अमीर बनना चाहते थे। इसलिए उन्होंने जादू-टोने का सहारा लिया। उनकी मुलाकात एक तांत्रिक से हुई जिसने कहा कि अगर वे किसी महिला की बलि देंगे तो उनके पास बहुत पैसा आ जाएगा। उनके ऊपर अंधविश्वास हावी हो गया। इसके बाद उन्होंने महिला को जान से मारने की योजना बनाई। इस मामले में रोपड़ रेंज के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपियों की पहचान कुलदीप सिंह उर्फ कीपा और जसवीर सिंह उर्फ जस्सी के रूप में हुई है। दोनों फतेहगढ़ साहिब के फिरोजपुर गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक हीरो डीलक्स मोटरसाइकिल और हंसिया भी बरामद किया है। रिपोर्ट के अनुसार, 50 साल की महिला बलवीर कौर फिरोजपुर में नहर के पास खेतों में बुरी तरह जख्मी पड़ी थीं। उनका इलाज पीजीआई में किया जा रहा है। फिलहाल वे खतरे से बाहर हैं। आईजीपी गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि दोनों आरोपी गांव-गांव साइकिल से घूमकर सर्कस दिखाते थे। करीब 8 महीने पहले वे गांव में शो कर रहे थे तभी उनकी मुलाकात महिला के बेटे धर्मप्रीत से हुई थी। इसके बाद आरोपियों ने धीरे-धीरे धर्मप्रीत से दोस्ती बढ़ा ली थी। पुलिस के अनुसार, वो दोनों अमीर बनने का ख्वाब देखते थे ताकि उन्हें गांव-गांव घूमकर सर्कस ना करना पड़े। वे जिस तांत्रिक के सपंर्क में आए उसने ही दोनों को महिला की बलि देने के लिए उकसाया। आरोपियों ने महिला को माथा टेकने के बहाने बुलाया और बलि देने के लिए फिरोजपुर गांव में एक सुनसान जगह पर ले गए। इसके बाद उन्होंने महिला की गर्दन पर हंसिये से हमला कर दिया।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 22 अप्रैल- 2023

स्थानीय भाषा में परीक्षा

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष ने सभी विश्वविद्यालयों को पत्र लिख कर निर्देश दिया है कि वे विद्यार्थियों को स्थानीय भाषाओं में भी परीक्षा देने का विकल्प उपलब्ध कराएंगे तो बेहतर होगा। बता दें कि भारत में अनेकानेक भाषाएं प्रचलित हैं। यहां तक कि भाषा के आधार पर ही प्रदेशों का गठन किया गया है। इसीलिए प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा का संवैधानिक प्रावधान किया गया है। जाहिर है इसके पीछे सरकार की मंशा यही होगी कि बच्चा अपनी मातृभाषा में ही पढ़ाई व सिखाई गई बातें जल्दी सीखता है। इससे बच्चों में सही ढंग से रचनात्मक सोच विकसित होता है। लेकिन शिक्षा संबंधी यही भाषायी सुविधा बच्चे जब बडे हो जाते हैं तो उनके लिए असुविधा बन जाती है। खासकर तब जब उन्हें तकनीकी व मेडिकल विषयों की पढ़ाई करनी होती है। देश में अभी तक तकनीकी विषयों की पढ़ाई को मातृभाषा में कराने की व्यवस्था विकसित ही नहीं की गई है। इसके पीछे तर्क दिया गया कि तकनीकी शब्दावली के भारतीय भाषाओं में पर्याय बनाना बहुत कठिन है, इसलिए उनकी शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी रखना ही सबसे मुफीद होगा। हालांकि समय बीतने के साथ अब कुछ राज्य सरकारों ने हिंदी और दूसरी स्थानीय भाषाओं में इंजीनियरिंग, चिकित्सा आदि तकनीकी विषयों की पढ़ाई का विकल्प ढूंढना शुरू किया है, लेकिन इसे पढ़ाने वाले शिक्षक नहीं मिल रहे हैं, क्योंकि अभी तक जो भी शिक्षक हैं वे सबके सब अंग्रेजी में पढ़ाने वाले हैं। इसलिए छात्रों के सामने भाषाई अड़चन सबसे बडी बाधा बन कर उभरी है। इसलिए बच्चे चाह कर भी उच्च शिक्षा में अंग्रेजी से पिंड नहीं छुडा पा रहे हैं। वे जैसे-तैसे जोड़तोड़ कर अंग्रेजी में लिखी किताबों से सिद्धांतों और अवधारणाओं को तो आत्मसात कर लेते हैं, लेकिन जब परीक्षा देने का समय आता है, तो उनके हाथ-पांव कांपने लगते हैं। अंग्रेजी में कमजोर होने की वजह से कई मेधावी बच्चे भी परीक्षा में अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाते। ऐसे में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का ताजा निर्देश बच्चों के लिए वरदान से कम नहीं है क्योंकि वे अपनी भाषा में कोई भी परीक्षा आसानी से पास कर सकते हैं। बेशक पाठ्यक्रम अंग्रेजी में हो, लेकिन बच्चों को सवालों का जवाब स्थानीय भाषा में लिखने का अवसर मिलना चाहिए। यूजीसी ने विश्वविद्यालयों से यह भी अनुरोध किया है कि तकनीकी विषयों की पुस्तकें स्थानीय भाषाओं में भी तैयार कराने का प्रयास होना चाहिए। देखा जाए तो यह एक तरह से उसी कदम की अगली कड़ी है, जिसके तहत कुछ राज्य सरकारें तकनीकी विषयों की पाठ्यपुस्तकें भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराने के प्रयास में जुटी हैं। यह विद्यार्थियों में आत्मविश्वास पैदा करने और प्रतिभा विकास की दृष्टि से बहुत अच्छी पहल मानी जा रही है। इसके बावजूद व्यावहारिक स्तर पर इसकी सफलता को लेकर तो सवाल बने ही रहेंगे। बता दें कि उच्च शिक्षा में केवल डिग्री हासिल करना मकसद नहीं होता है। उसमें शोध और अनुसंधान की स्वाभाविक अपेक्षाएं जुड़ी होती हैं। इसलिए विश्वस्तरीय शोध और अनुसंधान की दृष्टि से स्थानीय भाषाओं में शिक्षा प्राप्त करना एक तरह से रोडा बना ही रह सकता है। व्यावहारिकता के स्तर पर इसकी उपयोगिता को लेकर भी बड़ा सवाल मुंह बाए खडा रहने वाला है। चिकित्सा विज्ञान में नित नए बदलाव हो रहे हैं ऐसे में ताजा शोधों की जानकारी के बिना लोग काम कैसे चलाएंगे। यहीं आकर स्थानीय भाषा के ज्ञान में ग्रहण लग सकता है। तर्क यह भी दिया जाता है कि जब सामाजिक विज्ञान और कला विषयों में विद्यार्थी अपनी मर्जी से भाषा माध्यम का चुनाव कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकता है, तो तकनीकी विषयों में ऐसा क्यों संभव नहीं है। कुछ विद्यार्थी ऐसे भी उदाहरण हैं, जिन्होंने आइआइटी में अपना शोध हिंदी में लिख कर किया है जिनकी प्रतिभा का लोहा आज पूरी दुनिया मान रही है। फिर कहा यह भी तर्क दिया जा रहा है कि तकनीकी विषयों का व्यावहारिक उपयोग आखिरकार स्थानीय लोगों के बीच ही किया जाता है, इसलिए उन्हीं की भाषा में उसे अभिव्यक्त करना पड़ता है। इस तरह दोनों पक्षों के दृष्टिगत कुल मिला कर अड़चन संस्थानों और शिक्षकों का स्थानीय भाषाओं के प्रति उदासीन भाव ही स्पष्ट होता है। ऐसे में यूजीसी की ताजा पहल से उनमें पसरी यह जड़ता कुछ टूटने की उम्मीद बनती है। फिर इसका लाभ यहा भी मिलेगा कि स्थानीय भाषा के तकनीकी जानकार अपने देश में ही रह कर देश की सेवा करेंगे न कि विदेश जाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन वहां करेंगे।

ओ जाने वाले

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

स दुनिया में चार कंधे मिलना अरबों-खरबों की संपत्ति कमाने से भी मुश्किल है। वह अकेला आया था। अकेला चला गया। पता नहीं वह चार दिनों की दुनिया में कैसे जी पाया। न बंग्ला न गाडी न मोटर न चाकर। भला ऐसे भी कोई जीता है? इतनी जिल्लत भरी जिंदगी से अच्छा पैदा होते ही क्यों न मर गया। जब तक सांस थी तब तक वह दर-दर की ठोकरें खाता था। आज निश्वास है। दर-दर की ठोकरें उसकी चौखट पर खड़ी पड़ी हैं। मानो पूछ रही हैं कि आज क्यों नहीं आया हमारे पास? खून के रिश्ते चौखट तक और मोह के बंधन श्मशान तक आते-आते शून्य हो जाते हैं।वे चारों बचपन से एक ही स्कूल में पढ़ते थे। बड़ी गहरी दोस्ती थी। आज उनमें से एक चला गया। अब वे तीन ही बचे हैं। पहला दोस्त मृत मित्र से अक्सर कहता - जिंदगी का मतलब मौज-मस्ती ऐश करना है। वीकेंड पर गर्लफ्रेंड के साथ पब में जाना थोड़ा-बहुत पीना। मल्टीप्लेक्स में एक अच्छी सी मूवी देखना और घोड़े बेचकर सो जाना। तुम हो कि ये सब करते ही नहीं। इतने पढ़े-लिखे होकर खेती करते तुम्हें शर्म नहीं आती। दूसरे मित्र ने कहा – मैंने भी उसे लाख समझाया। अपने साथ विदेश आने तक का ऑफर दिया। वह मुस्कुराकर कहता – मैं जिस मिट्टी में जन्मा हूँ उसी मिट्टी में कुछ कर के मरना चाहता हूँ। खाक इस मिट्टी में रखा ही क्या है? इसमें कुछ होता तो मैं विदेश क्यों जाता? वह और उसकी घटिया सोच ने उसे कहीं का नहीं छोड़ा। आज मेरे पास दुनिया के ऐशो-आराम है। उसके पास अतिम क्रिया करने के पैसे तक नहीं है। ऐसी जिंदगी पर मुझे थूकने का मन तक नहीं करता है। तीसरे मित्र ने कहा – मुझे बताते हुए अच्छा नहीं लग रहा, लेकिन वह मेरे पास अक्सर आता और कुछ रुपए उधार मांगता। मालूम करने पर पता चला कि वह इन रुपए-पैसों को अनाथाश्रम, वृद्धाश्रम, पाठशालाओं और जरूरतमंदों में उड़ा देता है। मुझे उसकी बेवकूफी पर बड़ा गुस्सा आया। उसे इतनी भी अक्ल नहीं कि रुपए-पैसे अपने लिए होते हैं, न कि बेफिजूल लोगों पर उड़ाने के लिए। हो न हो यह भीड़ अपना उधार वसूल करने के लिए ही आयी है। वरना इतनी सामान्य सी मौत पर इतने लोग क्यों आते? उन मित्रों के पास खड़ा एक बुजुर्ग-सा ब्याज व्यापारी उनकी बातें बड़े ध्यान से सुन रहा था। उससे रहा नहीं गया। वह पास आकर उनसे कहने लगा - मरना एक सच्चाई है। और मरने वाले के लिए चार कंधों की जरूरत पड़ती है। उसका बदन उठाने के लिए नहीं। उसका भार, उसका सम्मान उठाने के लिए। जो अपने पीछे छोड़ गया है। इंसान जीते जी जो कुछ सुनता है, जो कुछ सहता है, जो कुछ पाता है, जो कुछ खोता है, वह सब कुछ बेकार है। आखिरी सफर में इन चार कंधों की बोली बातें और उनके पीछे चलने वाले लोग जो कहते हैं वही अंतिम सत्य है। मैं तुम लोगों की बातें बड़ी देर से सुन रहा था। मुझे शर्म आती है कि तुम उसके दोस्त हो।

कर्नाटक चुनाव में कौन किसका खेल बिगाड़ेगा या बनाएगा ?

अशोक भाटिया

एक बात बहुत साफ है कि आप ने बहुत कम समय में बहुत कुछ हासिल कर लिया है। जहां आम आदमी पार्टी दिल्ली में सरकार बनाकर बैठी है तो वहीं पंजाब में भी पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी । आप ने पंजाब में 117 में से 92 सीटों पर जीत दर्ज की थी । अब बात करें गोवा विधानसभा चुनाव की तो यहां भी अरविंद केजरीवाल की पार्टी के नेताओं का दो सीटों पर कब्जा है। वहीं हाल ही में हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 5 सीटों पर जीत दर्ज की और करीब 14 फीसदी वोट हासिल किए हैं। गुजरात पीएम मोदी और अमित शाह का गढ़ है। ऐसे में आम आदमी पार्टी ने वहां पांच सीटें जीतकर अपनी मौजूदगी बड़ी मजबूती से दर्ज की है। हालांकि राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने के बाद आम आदमी पार्टी भी पहली बार राज्य की कमोबेश सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इससे पहले 2018 के चुनाव में अरविंद केजरीवाल की पार्टी 28 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। हालांकि वो कुछ ख़ास कर नहीं पाई थी। इस बार भी भले ही वो दावा कर रही है कि बेंगलुरु और उसके आस-पास की 15 सीटों पर वो बड़ा उलटफेर कर सकती है, लेकिन फिलहाल इस तरह की संभावना नहीं दिखती है। बहरहाल 20 अप्रैल को नामांकन की आखिरी तारीख थी। कौन किस सीट से लड़ रहा है, उसका भी खुलासा हर जगह से हो गया है। इसके साथ नेताओं में पाला बदलने का सिलसिला भी अब थम चुका है। कर्नाटक की सभी 224 विधानसभा सीटों पर 10 मई को मतदान होना है। ऐसे में अब सभी पार्टियों ने प्रचार अभियान को और भी तेज़ कर दिया है। देखा जाय तो कर्नाटक चुनाव में मुख्य तौर से भाजपा , कांग्रेस और जेडीएस के बीच मुकाबला है। जेडीएस को ओवेसी समेत कई और पार्टिया सपोर्ट कर रही है जिनका कर्नाटक में कोई खास वजूद नहीं है । हम सबसे पहले भाजपा की बात करते हैं। कर्नाटक की सत्ता में वापसी भाजपा के लिए दो कारणों से सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। दक्षिण के 5 बड़े राज्यों कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल में से सिर्फ़ कर्नाटक ही ऐसा सूबा है, जहां हम कह सकते हैं कि भाजपा का सही मायने में जनाधार है। बाकी आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल में भाजपा पिछले 30-35 साल से चाहे कितने भी हाथ-पांव मारते आई हो, राज्य में सरकार बनाने के लिहाज से न तो उसकी राजनीतिक हैसियत बन पाई है और न ही जनाधार में कोई बड़ा उछाल आया है। अगर इस बार कर्नाटक की सत्ता भाजपा के हाथों से चली जाती है, तो फिर दक्षिण भारत से उसका पूरी तरह से सफाया हो जाएगा और उसके मिशन साउथ को भी गहरा झटका लगेगा। ऐसे तो भाजपा दावा करती है कि वो कार्यकर्ताओं के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन अगर वो कर्नाटक का चुनाव हार जाती है, तो ये सोचिए कि दुनिया की उस बड़ी पार्टी का भारत के दक्षिण के बड़े राज्यों में से किसी में सत्ता ही नहीं रह जाएगी। इसका सबसे ज्यादा फायदा विपक्ष को मिलेगा इस तरह के परसेप्शन बनाने में कि भाजपा को भी हराया जा सकता है। भाजपा के लिए इस बार कर्नाटक चुनाव इसलिए भी ख़ास है कि क्योंकि अगले साल केंद्र की सत्ता के लिए लोकसभा चुनाव होना है। लोकसभा के हिसाब से कर्नाटक उन राज्यों में शामिल है, जहां 2019 में भाजपा को अपार समर्थन हासिल हुआ था। उस वक्त यहां की 28 लोकसभा सीटों में 25 पर भाजपा की जीत हुई थी। ऐसे तो लोकसभा और विधानसभा चुनावों के समीकरण, मुद्दे और वोटिंग पैटर्न अलग-अलग होते हैं, लेकिन कर्नाटक में जो भी विधानसभा के नतीजे रहेंगे, उससे अगले साल के आम चुनाव के लिए सूबे में माहौल बनाने में बहुत हद तक मदद तो मिलेगी ही। भाजपा के लिए कर्नाटक की चुनावी बिसात में जगह-जगह कई कांटे हैं। उसके दो बड़े नेता जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी पार्टी छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम चुके हैं। इसमें से जगदीश शेट्टार जुलाई 2012 से मई 2013 तक मुख्यमंत्री भी रहे हैं। उनकी गिनती उन नेताओं में होती है, जिन्होंने बीएस येदियुरप्पा के साथ मिलकर दक्षिण भारत के किसी राज्य में पहली बार कमल को खिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हुबली-धारवाड़ सेंट्रल सीट से टिकट नहीं मिलने से नाराज जगदीश शेट्टार 17 अप्रैल को कांग्रेस में शामिल हो गए थे। कांग्रेस ने उन्हें इसी सीट से उम्मीदवार भी बना दिया है। जगदीश शेट्टार का सीधे-सीधे कहना है कि ये सब कुछ भाजपा के संगठन महासचिव बीएल संतोष के कहने पर हो रहा है। वहीं राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी भी कुछ दिन पहले टिकट नहीं दिए जाने से नाराजगी के बाद भाजपा से पल्ला झाड़ते हुए कांग्रेस का हाथ थाम चुके हैं। सावदी को कांग्रेस ने बेलगावी जिले की अथानी सीट पर पार्टी का उम्मीदवार बनाया है। मौजूदा एमएलसी लक्ष्मण सावदी अथानी से तीन बार विधायक रह चुके हैं। सावदी, येदियुरप्पा सरकार में 2019 से 2021 तक उपमुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री रह चुके हैं। जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी दोनों ही लिंगायत समुदाय से आते हैं। लिंगायत समुदाय को पिछले तीन दशक से भाजपा का परंपरागत वोट बैंक माना जाता है। हालांकि 2021 में बीएस येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटाकर बसवराज बोम्मई को सीएम बनाने के बाद से ही कहा जा रहा है कि लिंगायत समुदाय के लोग भाजपा से नाराज चल रहे हैं। आरक्षण का भी एक मुद्दा है जिसको लेकर लिंगायत समुदाय के लोग भाजपा से नाराज माने जा रहे हैं। हालांकि चुनाव ऐलान से चंद दिन पहले मुस्लिम कोटे के 4 फीसदी आरक्षण को खत्म कर उसके जरिए वोक्कालिगा और लिंगायतों के समूह में दो-दो फीसदी आरक्षण बढ़ाने का दांव बसवराज बोम्मई सरकार ने चली है, लेकिन ये मुद्दा भी अभी कोर्ट में पहुंच गया है, जिसके बाद से इसके अमल पर रोक लगी हुई है। लिंगायत यहां के काफी प्रभावशाली समुदाय हैं। इनकी आबादी करीब 17 से 18 फीसदी के बीच मानी जाती है और अगर इनकी नाराजगी मतदान में दिख गई तो फिर भाजपा के लिए कर्नाटक की सत्ता में वापसी बेहद कठिन हो जाएगी। अब बात करते हैं कांग्रेस की। कर्नाटक के नतीजे अगर पक्ष में हुए तो कांग्रेस के लिए संजीवनी होगी। पिछले दस साल चुनावी राजनीति के लिहाज से कांग्रेस के लिए बहुत ही बुरा रहा है। इक्के-दुक्के राज्यों को छोड़ दें तो दो लोकसभा चुनाव के साथ ही कई राज्यों में कांग्रेस को बहुत ही बुरी हार का सामना करना पड़ा है। एक तरह से अस्तित्व के संकट से जूझ रही कांग्रेस के लिए कर्नाटक उम्मीद की किरण बन सकती है। ऐसे भी अभी जहां कुल 200 से ज्यादा विधानसभा सीटें हो, उन राज्यों में कहीं भी कांग्रेस की सरकार अपने दम पर नहीं है। कर्नाटक में जीत हासल करने पर कम से कम एक ऐसा राज्य कांग्रेस के पास हो जाएगा। दूसरा फायदा कांग्रेस को 2024 के आम चुनाव के लिए रणनीति बनाने के लिहाज से भी होगा। ये हम सब जानते हैं कि केंद्रीय राजनीति के हिसाब से भाजपा अभी जितनी मजबूत है, बिखरा विपक्ष 2024 में उसका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकती। भाजपा के खिलाफ 'एक के मुकाबले एक' फार्मूले की रणनीति को लेकर विपक्षी एकता बनाने की कोशिश की जा रही है। हालांकि उसमें सबसे बड़ी बाधा ये आ रही है कि उस विपक्षी एकता की अगुवाई कौन सी पार्टी करेगी। कायदे से पैन इंडिया जनाधार होने की वजह से ये सिर्फ़ कांग्रेस ही कर सकती है, लेकिन अभी भी बहुत सारी विपक्षी पार्टियां जैसे ममता बनर्जी की टीएमसी, केसीआर की बीआरएस, नवीन पटनायक की बीजेडी, अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी और केजरीवाल की आम आदमी पार्टी इस पर राजी नहीं दिख रही है या फिर ये लोग चुनाव पूर्व कांग्रेस को नेतृत्व देने के मुद्दे पर संशय में हैं। अगर कांग्रेस अपने दम पर कर्नाटक का चुनाव जीत जाती है, तो कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी एकता की संभावना को ज्यादा बल मिल सकता है।जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी के आने से कांग्रेस को उम्मीद है कि एक बार फिर लिंगायत समुदाय के लोगों का थोड़ा ही सही कांग्रेस पर भरोसा बढ़ेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार तो इससे इतना ज्यादा उत्साहित नज़र आ रहे हैं कि उन्होंने ये तक दावा कर दिया है कि पार्टी अब 150 सीटें आसानी से जीत लेगी।

कुदरत के नियमों से खिलवाड़ की कोशिश

सुप्रीम कोर्ट में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने के साथ ही लैंगिक सूचक पति-पत्नी शब्द की बजाय जीवनसाथी कहे जाने के प्रावधान की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई चल रही है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा जा रहा है कि वे किसी सार्वजनिक स्थल पर जाएं तो उन्हें लांछन या कलंक से बचाने के लिये इसे विवाह घोषित किया जाए। पुरुष और महिला के स्थान पर व्यक्ति शब्द का उपयोग करने की गुजारिश भी की गयी है। सर्वोच्च अदालत के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने समलैंगिक शादी को कानूनी-सामाजिक मान्यता देने और 'स्पेशल मैरिज एक्ट' में संशोधन करने पर एक नई बहस शुरू की है। संविधान पीठ शादी की नई व्याख्या भी कर सकती है। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता तो इस बात पर अड़े हैं कि सर्वोच्च न्यायालय को इसकी सुनवाई ही नहीं करनी चाहिए क्योंकि कानून बनाने का अधिकार उसका नहीं बल्कि संसद का है। इसे लेकर श्री चंद्रचूड से उनकी नोकझोक भी हुई। मुख्य न्यायाधीश डी.वाय चंद्रचूड के अलावा चार अन्य न्यायाधीशों की संवैधानिक बेंच इस याचिका पर सुनवाई कर रही है। बहस से पहले यह सबसे अहम है कि क्या समलैंगिक यौन संबंध नैसर्गिक और प्राकृतिक हैं? क्या उन्हें 'अनैतिक' और 'गलत' करार नहीं दिया जाना चाहिए?

सर्वोच्च अदालत ने 2018 में धारा 377 के तहत समलैंगिकता को 'अपराध' की श्रेणी से मुक्त किया था, लिहाजा उसे कुछ स्वीकृति मिली थी, लेकिन उसके मायने ये नहीं हैं कि प्रकृति की संरचनाओं से खिलवाड़ किया जाए। हमारे वेद, पुराण, उपनिषद आदि प्राचीन महाग्रंथों में जीव, प्राणी की संरचना, आत्मा और ब्रह्मांड के निरंतर निर्माण के संदर्भ में उल्लेख हैं और व्याख्याएं भी की गई हैं। कोई संविधान, कानून और व्यक्तिपरक बौद्धिकता ऐसी नैसर्गिक और प्राकृतिक संरचनाओं की समीक्षा नहीं कर सकते। यह व्यक्ति की क्षमताओं से बहुत परे है। उनके खिलाफ कानूनी प्रावधान स्थापित नहीं कर सकते। भारतीय सभ्यता और संस्कृति में 'विवाह' को एक पवित्र संस्कार माना गया है। यह एक सामाजिक संस्थान भी है। विवाह के जरिए वंश-वृद्धि को सामाजिक मान्यता और स्वीकृति मिली है। समाज और दुनिया ऐसे ब्याहता जोड़े को सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। जीव और मानवीय लैंगिकता उनके 'जननांग' से ही परिभाषित होती है। वैचारिक लैंगिकता उसके बाद ही आती है। अदालत कोई नई परिभाषा तय करना चाहती है, तो हम उसका भी आकलन करेंगे और फिर व्याख्या भी करेंगे। यह आधुनिक मतिभ्रम हो सकता है कि समलैंगिक होना भी 'प्रगतिशील' लगे। किन देशों में, किन स्थितियों में इसे कानूनी-सामाजिक-मानसिक मान्यता मिली है, उससे हमें ज्यादा सरोकार नहीं है। समलैंगिक भी भारत देश के नागरिक हैं, लिहाजा उनके मौलिक और संवैधानिक अधिकार भी सुरक्षित हैं। मामला सर्वोच्च न्यायालय के विचाराधीन होने के बावजूद इतना जरूर कहा जा सकता है कि विवाह के जिस स्वरूप को याचिकाकर्ता गढना चाहते हैं वह न तो प्राकृतिक दृष्टि से उचित कहा जायेगा और न ही व्यवहारिक तौर पर। दो पुरुष या दो स्त्रियां मित्र के तौर पर साथ रहें तो वह स्वाभाविक है। उस दौरान उनके बीच आपसी सहमति से यौन संबंध विकसित हों तो उसे 2018 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए निर्णय ने कानूनी मान्यता दे दी। उसी के बाद से समलैंगिक विवाह की मांग शुरू हुई और बात सर्वोच्च न्यायालय तक आ पहुंची। समलैंगिक यौन संबंधों को वैधानिक मानने के लिए देश भर में आंदोलन भी हुए जिसमें तमाम चर्चित हस्तियां भी शामिल हुईं थीं। लेकिन यथार्थ ये है कि भले ही उसके बाद से बहुत से समलैंगिक युगल एक साथ पति-पत्नी के रूप में रहने लगे हों लेकिन आज भी समलैंगिकता के प्रति समाज में अच्छी धारणा नहीं है। अभी हाल ही में एक न्यायाधीश की नियुक्ति हेतु कालेजियम की अनुशंसा के बाद भी केवल इस वजह से केंद्र सरकार ने रोके रखी क्योंकि संबंधित व्यक्ति समलैंगिक है। इस पर श्री चंद्रचूड़ ने टिप्पणी भी की थी कि इससे बौद्धिक क्षमता और पेशेवर योग्यता का कोई संबंध नहीं है। नर-नर और मादा-मादा का विवाह न तो मौलिक अधिकार है, अलबत्ता उन्हें भी शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, आजीविका आदि के अधिकार प्राप्त होने चाहिए। उनकी मनोविकृति शारीरिक स्तर पर है, उसका निदान किया जाना चाहिए। समलैंगिक संबंध और शादी के अधिकार और मान्यता का ही सवाल नहीं है। परिवार और संबंध से जुड़े पर्सनल लॉ, बच्चे गोद लेने का अधिकार, उत्तराधिकार एवं संपत्ति के अधिकार भी ऐसे संवेदनशील मुद्दे हैं, जिन पर बड़े विवाद पनपते रहे हैं और संबंधों का ताना-बाना भी बिखर सकता है। जिस स्तर पर समलैंगिकता की समीक्षा की जा रही है, वह स्तर भी देश के लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करता।

लोकतंत्र में यह स्वीकार्य कैसे हो सकता है? यदि चर्चा की जानी है तो सबसे पहले संसद में की जाए। यह उसी के अधिकार-क्षेत्र का विषय है। यह विशुद्ध रूप से कानून और अपराध का मामला नहीं है। संसद में प्रस्ताव पारित हो जाए, तो फिर संविधान पीठ उसकी विवेचना कर सकती है। समलैंगिक विवाह पर एक भी अध्ययन नहीं किया गया है। फिर भी समलैंगिक समाज के बच्चों को छात्रवृत्ति दी जा रही है। हालांकि स्कूल के स्तर पर ऐसे बच्चों का खुल कर सामने आना और सुविधाएं हासिल करना इतना आसान नहीं है। भारत सरकार का नजरिया अभी तक स्पष्ट नहीं है। उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विधायिका और न्यायपालिका के बीच, इस मुद्दे पर, टकराव की नौबत नहीं आनी चाहिए। यह अतिक्रमण देशहित में नहीं है। अब संविधान पीठ में सुनवाई शुरू हो ही गई है, तो विभिन्न वर्गों की सोच और उनके विचार भी सामने आएंगे।

इस बारे में ये कहना गलत नहीं है कि सर्वोच्च न्यायालय का काम मानव और मौलिक अधिकारों की रक्षा करने के साथ-साथ सामाजिक ताने-बाने को भी बनाए रखना है। कल को कुछ लोग पशुओं के साथ शारीरिक संबंध बनाने की अनुमति मांगने खड़े हो जाएं तब क्या उनको भी सुना जायेगा? 2018 के फैसले के बाद यदि कोई समलैंगिक जोड़ा साथ - साथ रहते हुए सहमति से यौन संबंध बनाए तो उसे रोकना कानूनन संभव नहीं है। लेकिन वह ये चाहे कि समाज उनकी इस जीवनशैली को सम्मान प्रदान करे, यह बात निरर्थक लगती है।

आजकल अभिजात्य वर्ग की महिलाओं में किराए की कोख से संतान उत्पन्न करने का चलन है। कुछ अविवाहित नामी गिरामी हस्तियों में भी इसी तरह मां या पिता बनने की औपचारिकता पूरी कर ली जाती है। लेकिन इस सबसे हटकर भारतीय संस्कृति में सामाजिक व्यवस्था जिस परिवार नामक व्यवस्था पर टिकी है वह लिव इन या समलैंगिक विवाह के जरिए कायम नहीं रह सकेगी।

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

पराली के उपलों का दाह-संस्कार में अनूठा प्रयोग

वायु प्रदूषण आज भारत की ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व की एक बहुत बड़ी व ज्वलंत समस्या है। बढ़ती जनसंख्या, औधौगिक धंधों के फलने-फूलने, बढ़ते हरित ग्रह प्रभाव, बदलती जलवायु परिस्थितियों, शहरीकरण के कारण निरंतर हो रहे कंक्रीट के जंगलों का विकास, बढ़ते ट्रैफिक, पेड़-पौधों की अंधाधुंध कटाई, धरती के सीमित संसाधनों का असीमित तरीकों से दोहन(खनन, पहाड़ों की कटाई, टनल आदि का निर्माण) के बीच धरती का संपूर्ण पारिस्थितिकीय तंत्र गड़बड़ा गया है। इसी बीच पर्यावरण को बचाने के लिए नित नये अनुसंधान, प्रयोगों, नवाचारों, नई पहल आदि में भी लगातार इजाफा भी हो रहा है। पिछले दिनों पंजाब के पटियाला में प्रदूषण को लेकर एक नई पहल की गई है। जानकारी देना चाहूंगा कि पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड ने पेड़ों की अंधाधुंध कटाई रोकने व इसे कम करने के उद्देश्य से क्षेत्र में पिछले दिनों एक नई पहल की है। बोर्ड ने मोहाली की एक निजी कंपनी द्वारा सरकार के सहयोग से पराली से बनाए जा रहे उपलों का शमशानघाट में होने वाले संस्कारों में लकड़ी के साथ इस्मेताल करने का ट्रायल किया है। आज संपूर्ण पंजाब, दिल्ली एनसीआर क्षेत्र,नोएडा, हरियाणा व उत्तर प्रदेश जैसे क्षेत्रों में पराली जलाने की समस्या बहुत ही बड़ी व ज्वलंत समस्या है। ऐसे में पराली का प्रबंधन किया जाना आज समय की अहम् आवश्यकता व जरूरत हो गई है। आज बिगड़ रहे वातावरण/पर्यावरण को बचाने के लिए पेड़ों की कटाई को रोकना या कम करना बहुत ज्यादा आवश्यक है। विशेषकर पंजाब, हरियाणा क्षेत्र में आज पराली एक बहुत बड़ी समस्या है और पराली के जलाने से एक और जहाँ धरती की उर्वरा शक्ति का ह्रास होता चला जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इससे बहुत से लाभदायक जीव-जंतु भी मारे जाते हैं और पर्यावरण प्रदूषण तो होता ही है। आज के समय में पराली का इस्तेमाल भट्टों, बॉयलर व थर्मल प्लांट्स में धड़ल्ले से किया जा रहा है, लेकिन अब मोहाली की एक कंपनी ने सूबा सरकार के सहयोग से पराली से उपले(थेपड़ी-जलाने के लिए) तैयार किए हैं। इन उपलों का इस्तेमाल श्मशानघाटों में संस्कारों में लकड़ी के साथ किया जा सकता है। इसका पहला ट्रायल पटियाला,पंजाब में किया गया है। अमूमन एक व्यक्ति के दाह संस्कार में करीब साढ़े 3 क्विंटल लकड़ी का इस्तेमाल होता है। अब पराली से बने उपलों के प्रयोग से जहाँ एक और पेड़ों की कटाई घटेगी, वहीं दूसरी और पर्यावरण संरक्षण में भी इससे बहुत मदद मिलेगी।

सुनील कुमार महला

धरती माता की रक्षा करें और आने वाली पीढ़ी के लिए बेहतर जगह बनाएं

डॉ सत्यवान सौरभ

पृथ्वी दिवस प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को होता है। जलवायु परिवर्तन मानवता के भविष्य और हमारी दुनिया को रहने योग्य बनाने वाली जीवन-समर्थक प्रणालियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती का प्रतिनिधित्व करता है, पृथ्वी दिवस संकट में एक पर्यावरण के लिए एक एकीकृत प्रतिक्रिया थी - तेल रिसाव, धुंध, नदियाँ इतनी प्रदूषित कि उन्होंने सचमुच आग पकड़ ली। 22 अप्रैल, 1970 को, 20 मिलियन अमेरिकी उस समय की अमेरिकी आबादी का 10% - पर्यावरणीय अज्ञानता का विरोध करने और हमारे ग्रह के लिए एक नए तरीके की मांग करने के लिए सड़कों, कॉलेज परिसरों और सैकड़ों शहरों में गए।पहले पृथ्वी दिवस को आधुनिक पर्यावरण आंदोलन शुरू करने का श्रेय दिया जाता है, और अब इसे ग्रह की सबसे बड़ी नागरिक घटना के रूप में मान्यता प्राप्त है, पृथ्वी दिवस प्रमुख अंतरराष्ट्रीय महत्व रखता है, 2016 में, संयुक्त राष्ट्र ने पृथ्वी दिवस को उस दिन के रूप में चुना जब जलवायु परिवर्तन पर ऐतिहासिक पेरिस समझौते को लागू किया गया था।यह हम में से प्रत्येक को यह याद दिलाने के लिए मनाया जाता है कि पृथ्वी और इसके पारिस्थितिक तंत्र हमें जीवन और जीविका प्रदान करते हैं। यह दिन एक सामूहिक जिम्मेदारी को भी पहचानता है, जैसा कि 1992 के रियो घोषणा में कहा गया था, प्रकृति और पृथ्वी के साथ सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए मानवता की वर्तमान और भावी पीढ़ियों की आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय आवश्यकताओं के बीच एक उचित संतुलन हासिल करने के लिए। यह दिन दुनिया भर में ग्रह की भलाई और इसके द्वारा समर्थित सभी जीवन के बारे में चुनौतियों के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। भारत दुनिया भर के कुछ देशों में से एक है, जिसके पास कोयले पर उपकर के रूप में कार्बन टैक्स है। भारत ने न केवल ऐसा उपकर लगाया है बल्कि वह उत्तरोत्तर इसे बढ़ाया भी जा रहा है। राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा कोष जो कोयले पर उपकर द्वारा समर्थित है, स्वच्छ ऊर्जा पहलों को वित्तपोषित करने और बढ़ावा देने, स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अनुसंधान को वित्तपोषित करने और किसी अन्य संबंधित गतिविधियों के लिए बनाया गया था।केंद्र सरकार ने अप्रैल 2015 में देश में पर्यावरण के अनुकूल वाहनों की बिक्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (फेम)-इंडिया स्कीम लॉन्च की। यह इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए राष्ट्रीय मिशन का एक हिस्सा है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना गरीबी रेखा से नीचे के पांच करोड़ लाभार्थियों को एलपीजी कनेक्शन प्रदान करती है। कनेक्शन महिला लाभार्थियों के नाम पर दिए गए हैं ताकि खाना पकाने के लिए जीवाश्म ईंधन और गाय के गोबर जैसे पारंपरिक ईंधन पर उनकी निर्भरता कम की जा सके और इस प्रकार वायु प्रदूषण को कम किया जा सके। उजाला योजना योजना जनवरी 2015 में 77 करोड़ गरमागरम लैंपों को एलईडी बल्बों से बदलने के लक्ष्य के साथ शुरू की गई थी। एलईडी बल्ब के उपयोग से न केवल बिजली के बिल में कमी आएगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। स्वच्छ भारत अभियान (स्वच्छ भारत आंदोलन) एक अभियान है जिसे 2 अक्टूबर 2014 को प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया था। अभियान देश के 4041 वैधानिक शहरों और कस्बों की सड़कों, सड़कों और बुनियादी ढांचे को साफ करना चाहता है।कम करें, पुनः उपयोग करें, रीसायकल की अवधारणाओं का उपयोग करके घर पर, छतों पर, या अपने स्वयं के घर पर पर्यावरण की रक्षा के अन्य तरीकों की जांच करें, एक व्यक्तिगत सफाई परियोजना के लिए एक सप्ताह के अंत में एक सुबह आस-पड़ोस में फेंके गए प्लास्टिक, डिब्बे, और बोतलों की छानबीन करें जिससे पूरे समुदाय को मदद मिलेगी। यदि आप एक तटीय क्षेत्र में रहते हैं, तो यह विशेष रूप से समुद्री वन्य जीवन की रक्षा करने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण है। एक घरेलू ऊर्जा लेखा परीक्षा करें। लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर ध्यान केंद्रित करें जो 24/7 पर बचे हैं (जो प्रति वर्ष आवासीय ऊर्जा उपयोग का 5-10% है) उपयोग में नहीं होने पर इन उपकरणों को बंद कर दें और आप सालाना अपने बिजली के बिल पर औसतन $100 बचा सकते हैं। घर के आसपास, पुराने बल्बों को लंबे समय तक चलने वाले, अधिक ऊर्जा-बचत वाले बल्बों से बदलें। अभी तक सौर ऊर्जा में नहीं उतरे हैं? सौर-संचालित पोर्च या एंट्रीवे रोशनी से शुरू करें, आप आसानी से खुद को स्थापित कर सकते हैं।

भगवान परशुराम की अनंत कथा

राम गोपाल चौधरी

परशुराम जयंती हिन्दू पंचांग के वैशाख माह की शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाई जाती है. इसे "परशुराम द्वादशी" भी कहा जाता है। अक्षय तृतीया को परशुराम जयंती के रूप में भी मनाया जाता है. ऐसा माना जाता है कि इस दिन दिये गए पुण्य का प्रभाव कभी खत्म नहीं होता अक्षय तृतीया से त्रेता युग का आरंभ माना जाता है। इस दिन का विशेष महत्व है। भारत में हिन्दू धर्म को मानने वाले अधिक लोग हैं। मध्य कालीन समय के बाद जब से हिन्दू धर्म का पुनुरोद्धार हुआ है, तब से परशुराम जयंती का महत्व और अधिक बढ़ गया है। इस दिन उपवास के साथ साथ सर्व ब्राह्मण का जुलूस, सत्संग भी सम्पन्न किए जाते हैं। इसी कडी में आज हैदराबाद के जगतगिरिगुट्टा स्थित भगवान परशुराम मंदिर में ब्रम्हर्षि समाज द्वारा विशेष पूजन एवं स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस वर्ष 2023 में परशुराम जयंती 22 अप्रैल को आने वाली है. यह दिन सिंहस्थ के पर्व का भी है. इसलिए इस दिन की मान्यता और भी अधिक बढ़ जाती है. तो आइये हम सब भी इस दिन भगवान परशुराम की पूजा में शामिल हो कर परशुराम भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करें।

परशुराम दो शब्दों से मिलकर बना हुआ है. परशु अर्थात "कुल्हाड़ी" तथा "राम". इन दो शब्दों को मिलाने पर "कुल्हाड़ी के साथ राम" अर्थ निकलता है। जैसे राम, भगवान विष्णु के अवतार हैं, उसी प्रकार परशुराम भी विष्णु के अवतार हैं. इसलिए परशुराम को भी विष्णुजी तथा रामजी के समान शक्तिशाली माना जाता है। परशुराम के अनेक नाम हैं. इन्हें रामभद्र, भार्गव, भृगुपति, भृगुवंशी (ऋषि भृगु के वंशज), जमदग्न्य (जमदग्नि के पुत्र) के नाम से भी जाना जाता है।

कौन थे परशुराम ?

परशुराम ऋषि जमादग्नि तथा रेणुका के पांचवें पुत्र थे. ऋषि जमदग्नि सप्तऋषि में से एक ऋषि थे। परशुराम वीरता के साक्षात उदाहरण थे। हिन्दू धर्म में परशुराम के बारे में यह मान्यता है, कि वे त्रेता युग एवं द्वापर युग से अमर हैं। परशुराम की त्रेता युग के दौरान रामायण में तथा द्वापर युग के दौरान महाभारत में अहम भूमिका है। रामायण में सीता के स्वयंवर में भगवान राम द्वारा शिवजी का पिनाक धनुष तोड़ने पर परशुराम सबसे अधिक क्रोधित हुए थे।ऐसा मान्यता है कि भगवान परशुराम भगवान विष्णु जी के 6वें अवतार के रूप में पृथ्वी पर अवतरित हुए थे।

परशुरामजी के जन्म की मान्यताएँ :

परशुराम के जन्म एवं जन्मस्थान के पीछे कई मान्यताएँ एवं अनसुलझे सवाल है. सभी की अलग अलग राय एवं अलग अलग विश्वास हैं। भार्गव परशुराम को हैहय राज्य, जो कि अब मध्य प्रदेश के महेश्वर नर्मदा नदी के किनारे बसा है, वहीं पर जानापाव कुटी को परशुराम का जन्म भी माना जाता है।

एक और मान्यता के अनुसार रेणुका तीर्थ पर परशुराम के जन्म के पूर्व जमदग्नि एवं उनकी पत्नी रेणुका ने शिवजी की तपस्या की।उनकी तपस्या से प्रसन्न हो कर शिवजी ने वरदान दिया और स्वयं विष्णु ने रेणुका के गर्भ से जमदग्नि के पांचवें पुत्र के रूप में इस धरती पर जन्म लिया। उन्होनें अपने इस पुत्र का नाम "रामभद्र" रखा। परशुराम के अगले जन्म के पीछे बहुत सी दिलचस्प मान्यता है। माना जाता है, कि वे भगवान विष्णु के दसवें अवतार में कल्कि के रूप में फिर एक बार पृथ्वी पर अवतरित होंगे। हिंदुओं के अनुसार यह भगवान विष्णु का धरती पर अंतिम अवतार होगा। इसी के साथ कलियुग की समाप्ति होगी।

परशुराम सप्तऋषि जमदग्नि और रेणुका के सबसे छोटे पुत्र थे। ऋषि जमदग्नि के पिता का नाम ऋषि ऋचिका था जो प्रख्यात संत भृगु के पुत्र थे। ऋषि भृगु के पिता का नाम च्यावणा था. ऋचिका ऋषि धनुर्वेद तथा युद्धकला में अत्यंत निपुण थे। अपने पूर्वजों कि तरह ऋषि जमदग्नि भी युद्ध में कुशल योद्धा थे। जमदग्नि के पांचों पुत्रों वासू, विस्वा वासू, ब्रिहुध्यनु, बृत्वकन्व तथा परशुराम में परशुराम ही सबसे कुशल एवं निपुण योद्धा एवं सभी प्रकार से युद्धकला में दक्ष थे। परशुराम भारद्वाज एवं कश्यप गोत्र के कुलगुरु भी माने जाते हैं। भगवान विष्णु जी भगवान शिव को अपना भगवान मानते हैं इसलिए परशुराम जी भी शिव भक्त थे अतः भगवान परशुराम जी के गुरु भगवान शिव शंकर जी थे।

परशुराम जी के शिष्य कौन कौन थे

भगवान परशुराम जी ने महाभारत के समय में भीष्म पितामाह, गुरु द्रोणाचार्य एवं कर्ण आदि को शस्त्र एवं अस्त्र की शिक्षा प्रदान की थी। इसलिए वे इन सभी महानुभाव के गुरु कहे जाते हैं. और उनके ये सभी शिष्य उन्हें अपना गुरु यानि भगवान मानते थे।

परशुराम का मुख्य अस्त्र "कुल्हाड़ी" माना जाता है. इसे फारसा, परशु भी कहा जाता है। परशुराम ब्राह्मण कुल में जन्मे तो थे, परंतु उनमे युद्ध आदि में अधिक रुचि थी। इसीलिए उनके पूर्वज च्यावणा, भृगु ने उन्हें भगवान शिव की तपस्या करने की आज्ञा दी। अपने पूर्वजों कि आज्ञा से परशुराम ने शिवजी की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न किया. शिवजी ने उन्हें वरदान मांगने को कहा. तब परशुराम ने हाथ जोड़कर शिवजी की वंदना करते हुए शिवजी से दिव्य अस्त्र तथा युद्ध में निपुण होने कि कला का वर मांगा। शिवजी ने परशुराम को युद्धकला में निपुणता के लिए उन्हें तीर्थ यात्रा की आज्ञा दी।

तब परशुराम ने उड़ीसा के महेन्द्रगिरी के महेंद्र पर्वत पर शिवजी की कठिन एवं घोर तपस्या की। उनकी इस तपस्या से एक बार फिर शिवजी प्रसन्न हुए. उन्होनें परशुराम को वरदान देते हुए कहा कि परशुराम का जन्म धरती के राक्षसों का नाश करने के लिए हुआ है। इसीलिए भगवान शिवजी ने परशुराम को, देवताओं के सभी शत्रु, दैत्य, राक्षस तथा दानवों को मारने में सक्षमता का वरदान दिया। परशुराम युद्धकला में निपुण थे। हिन्दू धर्म में विश्वास रखने वाले ज्ञानी, पंडित कहते हैं कि धरती पर रहने वालों में परशुराम और रावण के पुत्र इंद्रजीत को ही सबसे खतरनाक, अद्वितीय और शक्तिशाली अस्त्र – ब्रह्मांड अस्त्र, वैष्णव अस्त्र तथा पशुपत अस्त्र प्राप्त थे। परशुराम शिवजी के उपासक थे. उन्होनें सबसे कठिन युद्धकला "कलारिपायट्टू" की शिक्षा शिवजी से ही प्राप्त की। शिवजी की कृपा से उन्हें कई देवताओं के दिव्य अस्त्र-शस्त्र भी प्राप्त हुए थे। "विजया" उनका धनुष कमान था, जो उन्हें शिवजी ने प्रदान किया था।

परशुराम जयंती का महत्व

इस दिन बड़े बड़े जुलूस, शोभायात्रा निकाले जाते हैं. इस शोभायात्रा में भगवान परशुराम को मानने वाले सभी हिन्दू, ब्राह्मण वर्ग के लोग भारी से भारी संख्या में शामिल होते हैं। परशुराम भगवान के नाम पर उनके मंदिरों में हवन – पूजन का आयोजन किया जाता है. इस दिन अक्षय तृतीया भी मनाई जाती है. सभी लोग पूजन में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हैं और दान आदि करते हैं। भगवान परशुराम के नाम पर भक्तगण जगह जगह भंडारे का आयोजन करते है और सभी श्रद्धालु इस भोजन प्रसादी का लाभ उठाते हैं। कुछ लोग इस दिन उपवास रख कर वीर एवं निडर ब्राह्मण रूप भगवान परशुराम की तरह पुत्र की कामना करते हैं. वे मानते हैं कि परशुरामजी के आशीर्वाद से उनका पुत्र पराक्रमी होगा। वराह पुराण के अनुसार, इस दिन उपवास रखने एवं परशुराम को पूजने से अगले जन्म में राजा बनने का योग प्राप्त होता है।

परशुराम मंदिर

भारत में कई जगह परशुराम के मंदिर स्थित है. उनमें प्रमुख मंदिर हैं।

परशुराम मंदिर, अट्टिराला, जिला कुड्डापह ,आंध्रा प्रदेश। परशुराम मंदिर, सोहनाग, सलेमपुर, उत्तर प्रदेश।अखनूर, जम्मू और कश्मीर। कुंभलगढ़, राजस्थान। महुगढ़, महाराष्ट्र। परशुराम मंदिर, पीतमबरा, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश। जानापाव पहाडी , इंदौर मध्य प्रदेश (इसे भी कई लोग परशुराम का जन्म स्थान मानते हैं)।

परशुराम कुंड लोहित जिला, अरुणाचल प्रदेश – एसी मान्यता है, कि इस कुंड में अपनी माता का वध करने के बाद परशुराम ने यहाँ स्नान कर अपने पाप का प्रायश्चित किया था।

परशुराम वीरता के साक्षात उदाहरण थे. वे अपने माता–पिता के प्रति पूरी तरह से समर्पित थे। एक बार परशुराम के पिता ऋषि जमदग्नि अपनी पत्नी रेणुका पर क्रोधित हुए. रेणुका एक बार मिट्टी के घड़े को लेकर पानी भरने नदी किनारे गयी, किन्तु नदी किनारे कुछ देवताओं के आने से उन्हें आश्रम लौटने में देरी हो गयी। ऋषि जमदग्नि ने अपनी शक्ति से रेणुका के देर से आने का कारण जान लिया और वे उन पर अधिक क्रोधित हुए। उन्होने क्रोध में आ कर अपने सभी पुत्रों को बुला कर अपनी माता का वध करने की आज्ञा दी। किन्तु ऋषि के चारों पुत्र वासु, विस्वा वासु, बृहुध्यणु, ब्रूत्वकन्व ने अपनी माता के प्रति प्रेम भाव व्यक्त करते हुए, अपने पिता की आज्ञा को मानने से इंकार कर दिया। इससे ऋषि जमदग्नि ने क्रोधवश अपने सभी पुत्रों को पत्थर बनने का श्राप दे दिया। इसके बाद ऋषि जमदग्नि ने परशुराम को अपनी माता का वध करने की आज्ञा दी। परशुराम ने अपने पिता की आज्ञा का पालन करते हुए अपना अस्त्र फरसा उठाया, और उनके चरणों में सिर नवाकर तुरंत ही अपनी माता रेणुका का वध कर दिया। इस पर जमदग्नि अपने पुत्र से संतुष्ट हुए एवं उन्होने परशुराम से मनचाहा वरदान मांगने को कहा. परशुराम ने बड़ी ही चतुराई एवं विवेक से अपनी माता रेणुका तथा अपने भाइयों के प्रेमवश हो कर सभी को पुनः जीवित करने का वरदान मांग लिया। उनके पिता ने उनके वरदान को पूर्ण करते हुए पत्नी रेणुका तथा चारों पुत्रों को फिर से नवजीवन प्रदान किया। ऋषि जमदग्नि अपने पुत्र परशुराम से बहुत प्रसन्न हुए। परशुराम ने अपने माता – पिता के प्रति अपने प्रेम एवं समर्पण की मिसाल कायम की।

क्षत्रियों को खत्म करने की सौगंध :

एक बार पृथ्वी पर क्षत्रियों के राजा कार्तवीर्य सहस्त्रार्जुन ने परशुराम के पिता ऋषि जमदग्नि तथा उनकी कामधेनु गाय का वध कर दिया. इससे परशुराम को बहुत क्रोध आया एवं परशुराम ने क्रोध में सभी क्षत्रियों को मारने एवं पूरी पृथ्वी को क्षत्रिय राजाओं की तानाशाही से मुक्त करने की शपथ ले ली। जब पृथ्वी पर सभी क्षत्रियों ने यह कसम सुनी, तब वे पृथ्वी छोड़ – छोड़ कर भागने लगे। पृथ्वी की रक्षा के लिए कोई भी क्षत्रिय नहीं बचा। इसलिए कश्यप मुनि ने परशुराम को पृथ्वी छोड़ने का आदेश दे दिया। मुनि कश्यप की आज्ञा का पालन करते हुए परशुराम महेन्द्रगिरी के महेंद्र पर्वत पर रहने चले गए।वहाँ उन्होने कई वर्ष तक तपस्या की। तब से ले कर आजतक महेन्द्रगिरी को परशुराम का निवास स्थान माना जाता है। महेन्द्रगिरी, उड़ीसा के गजपति जिले में स्थित है।

वैदिक काल के अंत के दौरान परशुराम योद्धा से संन्यासी बन गए थे। उन्होने कई जगह अपनी तपस्या प्रारम्भ की।उड़ीसा के महेन्द्रगिरी में तो आज भी उनकी उपस्थिती मानी जाती है. पुराणों में प्रसिद्ध संत व्यास, कृपा, अश्वस्थामा के साथ साथ परशुराम को भी कलियुग में ऋषि के रूप में पूजा जाता है। उन्हें आंठवें मानवतारा के रूप में सप्तऋषि के रूप में गिना जाता है. वे अमर हैं उनकी मुत्यु कभी नहीं हुई।

एक सुमेरु का अमृत से अभिषेक

निर्मला बैद

हर देश की संस्कृति में कुछ पर्व, त्यौहार और विशिष्ट उत्सवों का समायोजन किया गया है। ताकि जीव जगत को नई रोशनी मिल सके। चारो ओर उल्लास और उमंग का वातावरण बन सके और वह जीवन में खुशियों के गुलाब बिखेर सके। अक्षय तृतीया एक ऐसा ही पर्व है। जिसके साथ जुडा है- एक इतिहास एक संस्कृति एक सभ्यता और एक परंपरा। अक्षय का अर्थ ही होता है जिसका कभी क्षय न हो यानि सदा सर्वदा के लिए जीवित। इतिहास बताता है कि सतयुग का प्रारंभ आज के दिन हुआ था। 'दैहिक दैविक, भौतिक तापा, राम राज नहिं काहुहि व्यापा । सब नर करहि परस्पर प्रीति, चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीति। नहिं दरिद्र कोई दुखी न दीना, नहिं कोउ अबुद्ध न लच्छन हीना । सब निर्दभ धर्मरतपुनी नर अरुनारी चतुर सब गुनी।

श्रीकृष्ण कहते हैं- यह तिथि पुण्यदायिनी एवं धार्मिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से गौरवशाली पापामोचिनी एवं स्वर्ग-पद गामिनी है। वैदिक परंपरा में आज के दिन गंगा स्नान तथा पितृ- तर्पण का विशेष महत्व माना गया है। जैन परंपरा मानती है कि यह पर्व भगवान ऋषभ के जीवन से संबंधित है। आज के दिन भगवान ऋषभ के वर्षीतप का पारणा उन्हीं के प्रपौत्र श्रेयांस के हाथों से इक्षुरस से हुआ था जो इतिहास का एक दुर्लभ दस्तावेज है।

देश का प्रसिद्ध नगर हस्तिनापुर बाहुबलि के पुत्र राजा सोमप्रभ राज्य सभा में बैंठे हुए थे। सहसा सोमप्रभ का पुत्र युवराज श्रेयांस राज्य सभा में आया। राजकुमार ने राजा को प्रणाम कर आशीर्वाद प्राप्त किया। जिज्ञासा भरी आंखों से सोमप्रभ की ओर देखकर वह बोला, पिताजी आज प्रातः जिस समय मेरी नींद टूटी मैं एक स्वप्न देख रहा था। स्वप्न दर्शन के बाद मेरा मन अज्ञात पुलकन से भर रहा है।

स्वप्न में देखा मैं अपने हाथों में अमृत से भरा हुआ कुंभ लेकर मेरु पर्वत का अभिषेक कर रहा हूं। मेरा यह स्वप्न किस बात का सूचक है मैं नहीं जानता।स्वप्न कंपन के सिलसिले में नगर का सम्मानित श्रेष्ठी सुबुद्धि खडा हुआ। वह बोला आज प्रातः मैने भी एक स्वप्ना देखा था। मैंने अनुभव किया कि आकाश में सूर्य पूरे तेज के साथ दमक रहा है। सहसा हजारों किरणें उससे टूटकर इधर-उधर दिखने लगी। उसी समय श्रेयांस पहुंचे और उन्होंने एक-एक किरण को सहेज कर सूर्य के साथ संयोजित कर दिया। इसके बाद वह सूर्य उज्ज्वल होकर और अधिक चमकने लगा। सुबुद्धि भी अपने स्वप्न को शब्दों के परिधान में प्रस्तुत करते हुए उसने कहा- 'एक व्यक्ति चारों ओर से शत्रुओं से घिर रहा है। उसके लिए बचाव का कोई मार्ग नहीं है। ऐसी विकट स्थित में वहां श्रेयांस पहुंचते हैं और इनके सहयोग से वह अपने दुर्जन शत्रुओं पर विजय प्राप्त करते हैं। तीनों स्वप्न विचित्र थे और तीनों का संबंध युवराज श्रेयांस से था। महाराज सोमप्रभू ने स्वप्न पाठकों को यादकिया । स्वप्न पाठक कुछ भी नहीं बता पाये।

कर्मयोगी व धर्मयोगी भगवान ऋषभ

मुनि चैतन्य कुमार

जनमानस पर भगवान ऋषभदेव का सर्वाधिक प्रभाव रहा है। वे एक अवतारी पुरुष थे। एतिहासिक पुरुष के रूप में माना जाता है। वह युग काल चक्र के अनुसार सतयुग का समय था। उस समय के पुरुष ऋजुप्राज्ञ होते थे। कषाय भी उनका बहुत मन्द था। उनमें माया-छलना-कपट जनित प्रवृतियां नहीं के बराबर थी। प्राय प्रेम की भाषा में समझ लेते थे। उनका जीवन गंगोत्री के प्रवाह के समान निर्मल और पवित्रता लिए हुए था। भगवान ऋषभ एक महापुरुष थे जिन्होंने भोग भूमि के मानवों को कर्म भूमि व धर्म भूमि में जीने लायक सिखाया। असि मसि कृषि की शिक्षा से शिक्षित कर जन जीवन में सुख-शांति की स्थापना की।

उन्होंने गृहस्थ जीवन में रहते हुए प्रथम राजा बने। समाज व राज्य को सुचारु रखने के लिए कई प्रकार के नियम बनाए। हा 'कार मा कार व धिक्कार जैसी दंड नितियां स्थापित की। समाज सृष्टा व नीति निर्धारण वेता होने के कारण वे आदम बाबा कहलाए। जैन परम्परा के अतिरिक्त वैदिक बौद्ध व इस्लाम परम्परा में उनका प्रभाव आज परिलक्षित हो रहा है। जीवन के उत्तरार्द्ध भाग में उन्होंने सन्यास मार्ग पर प्रस्थित होकर मुनित्त्व को स्वीकार किया। चैत्र कृष्णा अष्टमी को गृही जीवन का त्याग कर साधुबन गए। परमात्म तत्व की प्राप्ति उनका ध्येय बना। साधना के क्षेत्र में उपस्थित होकर उन्होंने संकल्प किया। सव्वं सावज्ज जोगं पच्चकखामि – आज से सब प्रकार के पापकारी कार्य मेरे लिए अकरणीय है।

इस प्रकार वे आत्म लक्षी बनकर दीक्षा स्वीकार करके पारीवारिक सामाजिक और राष्ट्रीय कर्तव्यों से ऊपर उठ गए! उनका जीवन विश्वमैत्री की विराट भावना का आधार बन गया। अब ऋषब का जीवन मौन ध्यान व साधना के महापथ पर आरूढ़ हो गया यद्यपि समय पर भिक्षा के लिए जाते किन्तु भोली जनता भिक्षा विधी से अज्ञात होने के कारण एक राजऋषि को रोटी जैसी चीज तुच्छ मानकर अपनी भक्ति भावना से हीरे – पन्ने- माणक- मोती-रथ-सिंहासन – हाथी-घोड़े आदि के लिए मनुहार करते। पर एक अकिंचन साधु के लिए इन सबका कोई भी महत्त्व नहीं था।

भगवान ऋषभ साम्ययोगी थे। समत्व की साधना में तल्लीन हो गए। समता का अर्थ है – आत्मा की अनुभूति। जो व्यक्ति आत्मा की अनुभूति कर लेता है, आत्मा का साक्षात्कार कर लेता है उसके लिए अनुकूल प्रतिकूल संयोग वियोग सुख दुख बाहरी निमितो का कोई प्रभाव नहीं होता । इस प्रकार भगवान ऋषभ की तप साधना चल रही थी भगवान भिक्षा के लिए अम्लान चित अव्यथित मन से ग्राम नगर में भ्रमण करते रहे लगभग एक वर्ष का समय व्यतीत हो चुका था तब का क्रम निरंतर वर्धमान था।

एक बार भगवान ऋषभ का पड़पौत्र श्रेयांस ने रात्रि में स्वप्न में दर्शन कर रहा था स्वप्न में उसे मेरू पर्वत को अमृत से स्वयं को सिंचन करते हुए देखते हैं प्रातःकाल महल के गवाक्ष में बैठा हुआ स्वप्न के बारे में चिंतन कर रहा था कि उसकी दृष्टि सामने से आते हुई बगवान ऋषभ पर दृष्टि पड़ी और स्वप्न के अनुसार मेरे हाथों से जो महान कार्य होने वाला है वह यही है और तत्काल महल से नीचे उतर बस ऋषभ के चरणों में उपस्थित होकर बद्धांजलि वंदन करते हुए निवेदन किया भिक्षा ग्रहण करने के लिए

भगवान भिक्षा ग्रहण करने के लिए महल में पधारे उस समय राज्यव्यवस्था के अनुसार किसानों द्वारा भेंट स्वरूप इच्छू रस घड़े में भरे हुए आए थे राजकुमार श्रेयांश ने अहोभाव से वह दान लिए तैयार था।

पासुक जानकर कर पात्र से ईक्षु रस से पारणा किय। देवताओं द्वारा पात्र दान की महत्ता को उजागर करते हुए अहोदानं-अहोदानं की दिव्य ध्वनि करते हुए रत्नों की वृष्टि की। गगन मंडल में इस ध्वनि को सुन कर इस दान की महत्ता को जाना वह दिन था बैसाख शुक्ला तृतीया का जो अक्षय तीज बनकर अक्षय तृतीया के रूप में प्रतिष्ठित हो गया।

आज जैन परंपरा में उस तृतीया के दिन की चिरस्मृति के लिए उनके साधु साध्विया एवं श्रावक श्राविकाएं वर्षभर के लिए एक दिन उपवास तथा एक दिन पारणा करते हुए एकांतर तप करते हैं क्योंकि निरंतर एक वर्ष तक भूखा रहकर तपस्या करना असंभव है तृतीया के दिन समापन के रूप में पारणा करते हैं वर्तमान में सूरत महानगर में आचार्यश्री महाश्रमण जी कि सन्निधि में 1111 भाई और बहनें अपने वर्षीतप का पारणा करने के लिए पहुँच रहे हैं।

अन्य परम्पराओं में तृतीया के दिन परशुराम जयंती के रूप में मनाया जाता है इस दिन को अबुझ मुहुर्त के रूप में जाना जाता है कोई भी शुभकार्य इस दिन किया जा सकता है यह मंगल दिन मानव जाति के लिए क्षेष्ठता लिए हुए है जो सुख शांति एवं आनंद प्रदान करने वाले हैं।

अक्षय तृतीया, राशि अनुसार करें दान, चमक जाएगी किस्मत

हिंदू कलेंडर के अनुसार अक्षय तृतीया का त्योहार हर साल वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस साल यह तिथि 22 अप्रैल ,शनिवार को पड़ रही है। धार्मिक दृष्टि से सभी मासों में श्रेष्ठ वैशाख मास को पुराणों में जप, तप, दान का महीना कहा गया है इसलिए इस माह विशेष में विशेष तौर से वरुण देवता की पूजा का विशेष महत्त्व होता है। मान्यता है कि अक्षय तृतीया सभी पापों का नाश करने वाली एवं सभी सुखों को प्रदान करने वाली अक्षय तिथि है।

इस दिन शास्त्रों में दान का विशेष महत्व बताया गया है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि आप अपनी राशि के अनुसार अक्षय तृतीया पर दान-पुण्य करेंगे तो आपके पुण्यों में वृद्धि होकर आपको सुख-सौभाग्य प्राप्त होगा।

मेष और वृश्चिक राशि-

इन दोनों राशियों के स्वामी मंगल हैं। इन राशि के जातकों को अक्षय तृतीया के दिन आटा, चीनी, गुड़, सत्तू,फल या मीठे व्यंजनों का दान करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से अक्षय पुण्य प्राप्त होता है एवं धन-सम्पत्ति का लाभ होता है।इसके अलावा भूमि-भवन से जुडी समस्याएं भी दूर होती हैं।

वृषभ और तुला राशि

इन दोनों राशियों के स्वामी शुक्र हैं। इन राशि के जातकों को अक्षय तृतीया पर कलश में जल भरकर दान करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक को धन लाभ और शुक्र दोष का प्रभाव कम किया जा सकता है। इन राशि के लोगों को अक्षय तृतीया के दिन सफेद वस्त्रों, दूध, दही, चावल, खांड आदि का दान करना भी बहुत फलदाई होगा।

मिथुन और कन्या राशि

इन राशियों के स्वामी बुध होते हैं। मिथुन राशि के जातकों को अक्षय तृतीया पर मूंग की दाल, हरी सब्जियां और गाय को चारा दान करना चाहिए। मान्यता है कि इससे सुख समृद्धि और धन का लाभ मिलेगा एवं मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी।

कर्क राशि

कर्क राशि का स्वामी चंद्रमा हैं। इस राशि से संबंधित लोगों को अक्षय तृतीया के दिन चांदी,मोती,खीर,चावल,चीनी,घी और जल का दान करना चाहिए। ऐसा करने से धन लाभ होता है,घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होकर सुख-समृद्धि आती है।

सिंह राशि

इस राशि के स्वामी सूर्य है। इस राशि के जातक को अक्षय तृतीया के दिन सूर्य को जल देना चाहिए तथा गुड,गेहूं,सत्तू,तांबा आदि का दान करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान सूर्य नारायण की कृपा आप पर बनी रहेगी एवं घर के सभी सदस्य स्वस्थ्य और समृद्धि रहेंगे।

धनु और मीन राशि

इन दोनों राशियों के स्वामी बृहस्पति हैं। बृहस्पति देव की कृपा पाने के लिए इन राशियों के जातकों को इस दिन पीले कपड़े, हल्दी,पपीता,चना,चने की दाल,केसर,पीली मिठाईयां व जल का दान करना श्रेष्ठ रहता है। मान्यता है कि ऐसा करने से दांपत्य जीवन सुखमय रहता है एवं मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

मकर और कुंभ राशि

इन राशि के स्वामी सूर्यपुत्र शनिदेव हैं। जन्म कुंडली में शनि के अशुभ प्रभाव में कमी तथा शुभ प्रभाव में वृद्धि के लिए इन राशि के जातकों को अक्षय तृतीया के दिन किसी बर्तन में तिल का तेल रखकर घर के पूर्वी किनारे पर रखें, धन लाभ होगा। इस दिन तिल, नारियल,चने का सत्तू,गरीब और असहाय लोगों के लिए वस्त्र और दवाइयों का दान करने से समय अनुकूल रहेगा एवं आपके जीवन की परेशानियां दूर होंगी।

वक्त नहीं 'जश्न' मनाने का : कियारा

कियारा अडवानी हाल के सालों में 'जुग जुग जियो', 'भूल भुलैयां-2', 'शेरशाह', 'कबीर सिंह और 'गुड न्यूज' जैसी सफल फिल्मों की बदौलत बॉलीवुड की नम्बर वन अभिनेत्री की दावेदार बन चुकी है। जब उससे पूछा गया कि नम्बर वन कहे जाने पर वह कैसा महसूस करती है, तो उसने जवाब दिया, '"मैं खुद को नंबर वन अभिनेत्री नहीं मानती। मेरा साफ मानना है कि मेरा सफर अभी-अभी शुरू हुआ है। मेरी फिल्मों की सफलता मेरी है लेकिन उनमें निर्माता-निर्देशक, लेखक, को-स्टार्स सभी का बड़ा योगदान है और सभी इस सफलता के हकदार हैं। ऐसे में सफलता का सेहरा मैं अकेली कैसे बांधूं? कम्युनिकेशन में स्नातक करने के बाद मैं अपनी मां के स्कूल के साथ लंबे अर्से तक जुड़ी रही लेकिन अभिनय में सफलता मिलने के बाद मैं फिल्मों से बिजी हो गई।

अपने संघर्ष के बारे में उसने कहा, "मुझे दुख इस बात का है कि मेरी डेब्यू फिल्म 'फगली' असफल हो गई लेकिन मुझे अधिक संघर्ष इसलिए नहीं करना पड़ा क्योंकि आगे चलकर मेरी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल हो गईं।' धर्मा प्रोडक्शंस' ने मुझ पर हमेशा भरोसा किया। मैं अपने सारे मेकर्स का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, जिन्होंने मेरी पहली फिल्म फ्लॉप होने पर भी मुझ पर विश्वास किया और अपनी फिल्मों में मुझे मौका दिया। मेरे पिताजी जगदीप अडवानी बिजनैसमैन और मेरी मां छोटे बच्चों का स्कूल चलाती हैं।

फिल्मों की सफलता के बाद क्या वह परिवार के साथ जश्न मना पाती है, पूछने पर उसने कहा, काहे का जश्न ? मुझे फिल्मों की सफलता मनाने के लिए एक दिन का भी वक्त नहीं मिला। परिवार को मैं अपना वक्त न दूं, उनके साथ खुशियों के पल न गुजारूं तो मुझे चैन नहीं मिलता। मास मीडिया एंड स्टारडम मिलने के बाद कितनी बदली स्टार बनने के बाद उसकी जिंदगी कितनी बदली है, पूछने पर उसने कहा, "अगर सफलता इंसान को दुनिया से दूर ले जाए, लोगों के बीच दूरियां बढ़ा दे, फासले पैदा कर दे तो फिर स्टारडम का क्या फायदा? सफलता मुझे लोगों से मिलने न दे, मेरे इर्दगिर्द सिक्योरिटी का पहरा खड़ा कर दे तो मुझे ऐसे स्टारडम से नफरत है। सफलता मिलने से मुझमें कोई बदलाव नहीं आया।"मैं तो आज भी अपने परिवार के साथ मॉल जाती हूं, कोई मेरे साथ सैल्फी लेना चाहता है तो मैं खुशी से सैल्फी क्लिक करती हूं। मेरे साथ एक सैल्फी लेने से उसके जीवन में खुशियां आ सकती हैं तो क्यों नहीं मैं उसे खुशियां दूं? मुझे लगता है मेरा प्रशंसक मेरे साथ ली गई सैल्फी जिंदगी भर संभालकर रखेगा।'

सलमान खान के 'मूव ऑन' कमेंट पर शहनाज ने दी प्रतिक्रिया

शहनाज गिल इंडस्ट्री की चर्चित एक्ट्रेस में शुमार हैं। अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ शहनाज गिल अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं। बता दें कि बिग बॉस के दौरान शहनाज गिल की नजदीकी दिवंगत एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला से बढ़ी थीं। दोनों की जोड़ी फैंस को खूब पसंद थी। सिद्धार्थ के निधन के बाद शहनाज बुरी तरह टूट गई हैं। करियर के मामले में भले ही शहनाज आगे बढ़ रही हैं, मगर पर्सनल फ्रंट पर वह अभी तक सिद्धार्थ की यादों से नहीं उबर पाई हैं। बीते दिनों 'किसी का भाई किसी की जान' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर सलमान ने उन्हें मूव ऑन करने की सलाह दी थी। इस मामले में अब शहनाज ने चुप्पी तोड़ी है।

बोलीं- हार्ड वर्क करूंगी

हाल ही में एक बातचीत के दौरान शहनाज गिल से सलमान खान के मूव ऑन कमेंट के बारे में पूछा गया। इस पर वह बोलीं, 'सलमान सर हमेशा कहते हैं कि तुम्हारे अंदर बहुत क्षमता हैं। तुम्हें कभी ठहरना नहीं चाहिए और दुखी नहीं होना चाहिए। बस काम पर ध्यान दो और तुम अपने करियर में बहुत आगे जाओगी।' शहनाज ने आगे कहा, 'मैं हमेशा हार्ड वर्क करती रहूंगी।'

शहनाज ने जताई थी सहमति?

बता दें कि फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान शहनाज से सलमान के साथ डेब्यू करने के सपने के बारे में पूछा गया था। इस पर शहनाज कुछ बोलना शुरू करतीं उससे पहले सलमान खान ने कह दिया, 'मैं तो कह रहा हूं, मूव ऑन कर जाओ...मूव ऑन!' इसके बाद शहनाज गिल ने एक्टर की बात से सहमति जताई और कहा, 'हो गई।'

शुरू हुई शहनाज की बॉलीवुड पारी

हालांकि, शहनाज को दी गई सलमान खान की सलाह पर फैंस काफी कंफ्यूज हो गए थे। कुछ को लगा कि वह शहनाज को प्रोफेशनल लाइफ में मूव ऑन करने की सलाह दे रहे हैं तो वहीं कुछ ने कयास लगाए कि सलमान खान ने शहनाज को सिद्धार्थ शुक्ला की यादों से उबरने की सलाह दी है। बात करें किसी का भाई किसी की जान की तो यह आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म से शहनाज ने अपनी बॉलीवुड पारी शुरू की है।

सलमान खान के लग्जरी कलेक्शन में शामिल हुई 47 लाख रुपए की नई घड़ी : डायल में जड़े हैं गोल्ड और डायमंड

सलमान खान के कलेक्शन में अब एक और लग्जरी आइटम शामिल हो गया है, जो कि एक रिस्ट वॉच है। उनकी कलाई में बंधी गोल्डन कलर की चमचमाती रोलेक्स घड़ी की कीमत लाखों में है, इतने पैसों में कोई भी व्यक्ति लग्जरी कार तक खरीद सकता है।

खबरों की मानें तो भाईजान की यह घड़ी करीब 57,200 डॉलर की है। भारतीय करेंसी के मुताबिक इसकी कीमत 47 लाख रुपए है।

वॉच में गोल्ड और डायमंड का इस्तेमाल किया गया है

एक रिपोर्ट्स के मुताबिक रोलेक्स कंपनी की ये लग्जरी वॉच हाई क्लास मटेरियल से बनाई गई है। यह एक ओयस्टर परपेचुअल डे-डेट 36 डायल वॉच है। इसे तैयार करने में करीब 18 कैरेट येलो और व्हाइट गोल्ड से बनाया गया है, साथ ही इसमें डायमंड्स भी लगे हुए हैं।

कई मौकों पर सलमान ये वॉच पहने नजर आए

खबरों की मानें तो सलमान ने दिसंबर 2022 में अपने जन्मदिन के मौके पर भी ये घड़ी पहनी थी। बीते दिनों में भाईजान कई मौकों पर यह गोल्डन रिस्ट वॉच पहने नजर आए हैं। वहीं कुछ दिनों पहले भाईजान ने अपनी फोटो पोस्ट की थी, जिसमें उनके हाथ में यह वॉच नजर आई। इसके अलावा सलमान ने फिल्म फेयर अवॉर्ड की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भी यह वॉच पहनी थी। कई मौकों पर इस वॉच के साथ नजर आने के बाद फैंस ये कयास लगा रहे हैं कि सलमान के ब्रेसलेट की तरह यह घड़ी भी उनके लिए लकी चार्म है।

सालों से सलमान के साथ है उनका लकी ब्रेसलेट

बता दें कि सलमान खान कई सालों से अपना फिरोजी कलर का ब्रेसलेट पहनते आ रहे हैं। वो इस ब्रेसलेट को अपने लिए बेहद लकी मानते हैं, यही वजह है कि बीते समय में उन्होंने इसे कभी नहीं उतारा। यहां तक की फोटोशूट या मूवी के लिए भी नहीं।

बता दें कि सलमान के पिता और लेखक सलीम खान ने उन्हें अपना बेशकीमती ब्रेसलेट दिया था। जब सलमान छोटे थे, तो उन्हें सलीम के इस ब्रेसलेट के साथ खेलना बेहद पसंद था। इसलिए सलीम ने उन्हें यह ब्रेसलेट हमेशा के लिए दे दिया, यही वजह है कि भाईजान के लिए वह ब्रेसलेट बेहद अजीज है।

मेरी शादी हो चुकी है : तमन्ना

पिछले कुछ समय से तमा भाटिया और विजय वर्मा के अफेयर की चर्चा हो रही है लेकिन अब तम ने इन चर्चाओं पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा है, हम साथ में एक वैब सीरीज में काम कर रहे हैं, तो ऐसी अफवाहें चलती रहती हैं। उन सभी पर सफाई देना जरूरी नहीं है। मेरे पास इस बारे में कहने के लिए और कुछ नहीं है।

पहली बार किया किस सीन !

उसने अपनी शादी को लेकर लगने वाली अटकलों पर भी बात की और कहा, "मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों होता है, लेकिन हमारी असली शादी से पहले कई बार शादी हो जाती है। हम हर शुक्रवार को सुनते हैं कि अरे तुम्हारी अभी तक शादी नहीं हुई जबकि कुछ लोग लगातार हर तरह के लोगों से मेरी शादी करवा रहे हैं- डॉक्टर से लेकर बिजनैसमैन तक! मुझे लगता है मेरी कई बार पहले ही शादी हो चुकी है। मुझे नहीं पता कि मैं सच में शादी करूंगी तो क्या होगा? क्या लोग और एक्साइटेड होंगे या वे सोचेंगे कि 11 यह भी अफवाह है।

तमन्ना और विजय के अफेयर की चर्चा उस समय से हो रही है, जब न्यू ईयर पार्टी के दौरान दोनों का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें दोनों काफी क्लोज नजर आ रहे थे। इसके अलावा इवेंट्स से लेकर एयरपोर्ट तक दोनों को साथ देखा जाने लगा है। सोशल मीडिया पर दोनों की पोस्ट को देखकर भी फैन्स उनके रिलेशनशिप को लेकर कयास लगा रहे हैं।

तमन्ना और विजय जल्द ही एक वैब सीरीज में नजर आने वाले हैं और अब उन दोनों के कथित चुम्बन की धुंधली तस्वीरें भी वायरल हुई हैं। पहली बार उन्हें ऑनस्क्रीन देखने को लेकर फैन्स की उत्सुकता सीरीज ' लस्ट स्टोरीज 2' में अभिनय कर और बढ़ गई है। सूत्रों के अनुसार वे वैब स्टोरीज' की सीक्वेल है। रहे हैं। यह लोकप्रिय एंथोलॉजी ड्रामा' लस्ट वे दोनों इसमें सजॉय घोष द्वारा निर्देशित किए जाने वाले हिस्से में दिखाई देंगे।

यह वेब सीरीज अपने बोल्ड कंटेट के लिए जानी जाती है और तमन्ना व विजय के बीच फिल्माए इंटीमेट सीन काफी मसालेदार बताए जा रहे हैं। जाहिर है कि अब तक की फिल्मों में बोल्ड सीन्स से परहेज करने वाली तमन्ना को इस अवतार में देखकर उसके फैन्स जरूर हैरान हो सकते हैं। उसने पहले कभी स्क्रीन पर ऐसा कुछ नहीं किया और कहा जा रहा है कि इसमें उसने कथित तौर पर पहली बार एक चुंबन सीन किया है। अगर यह सच है तो इसका मतलब है कि तमन्ना ने 'नो- किस पॉलिसी' को खत्म कर दिया है।

अदा खान बनना चाहती थी 'एयर होस्टेस' बन गई 'एक्ट्रेस'

'बालवीर' के तीसरे सीजन में नैगेटिव भूमिका निभाने वाली अदा खान ने छोटे पर्दे पर खासा नाम कमाया है। अक्सर चर्चा में रहने वाली अदा खान से हुई एक बातचीत के कुछ अंश पेश हैं :

* जैसा नाम वैसा ही आपका काम पर्दे पर दिखता है लेकिन क्या आप पहले से ही एक्ट्रैस बनाना चाहती थीं? अभिनय में आने का विचार कैसे आया?

- - मैं तो एयर होस्टैस बनना चाहती थी लेकिन मुझे एक्ट्रैस बनने के लिए ज्यादा स्ट्रगल नहीं करना पड़ा। दरअसल, सालों पहले मेरी एक सहेली किसी टी.वी. शो के लिए ऑडिशन देने गई थी और मैं भी उसके साथ गई। तब मैं बहुत छोटी थी, करने को कुछ नहीं था और शहर में भी मैं नई थी। कुछ दिनों बाद मेरी सहेली को फोन आया कि तुम्हारे साथ जो लड़की थी क्या उसे एक्टिंग आती है? इस तरह मेरा अभिनय सफर शुरू हुआ। मेरा पहला टी. वी. शो 'पिक्चर फॉर क्लास 9' था जिसमें प्रेम चोपड़ा जी के अलावा अन्य बहुत से जाने-माने से कलाकार थे।

* अभिनय के क्षेत्र में आने के बाद महिला के तौर पर आपने किन चुनौतियों का सामना किया और खुद में क्या बदलाव देखे हैं?

- चुनौतियां तो हर जगह होती हैं और महिला के तौर पर इंडस्ट्री में बहुत-सी चीजों का सामना करना पड़ता है लेकिन मेरा मानना है कि अगर आप सीधे हैं तो पूरी दुनिया सीधी है। मेरे साथ भी कुछ ऐसी चीजें हुई हैं। तब मैं छोटी थी, किसी ने कुछ गलत कहने की कोशिश की लेकिन मैंने उसके गाल पर चांटा जमा दिया था। दूसरी ओर से देखें तो यह एक तरह का भ्रम है कि लड़कियों के साथ इस इंडस्ट्री में गलत ही होता है। बहुत से अच्छे लोग भी यहां मौजूद हैं जो अच्छा काम कर रहे हैं।

* ओ.टी.टी. पर आप कैसे किरदार की हैं ?

फिल्म 'ब्लैक' में रानी मुखर्जी का जिस तरह का किरदार था, वैसा ही किरदार मैं ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म पर निभाना चाहती हूं। उन्होंने इस फिल्म में कमाल का किरदार निभाया था। इसके अलावा पुलिस और वकील जैसे किरदारों में भी आपको परफॉर्मेंस दिखाने का मौका मिलता है। ऐसे ही किरदार करना चाहती हूं जिनमें कुछ कर दिखाने का मुझे अवसर मिले। ये किरदार कुछ ऐसे हों जिनसे मैं अपने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन भी कर सकूं।

* कम समय में आपने काफी लोकप्रियता और सफलता हासिल की है। क्या आप खुद को एक सफल अभिनेत्री मानती हैं?

सुष्मिता सेन ने बहुत अच्छी बात कही थी कि 'काम मेरी जिंदगी का हिस्सा है, मेरी जिंदगी नहीं।' मैं इसी फलसफे को फॉलो करती हूं। मेरी जो सफलता है, वह केवल काम पर निर्भर नहीं करती है। बाकी आने वाला समय बताएगा कि मैं कितनी सफल हूं। मुझे दर्शकों का बहुत प्यार मिल रहा है और लोग मेरे काम को पसंद करते हैं, इससे बड़ी सफलता मेरे लिए और कुछ नहीं हो सकती।

इस सीजन आग उगल रहा है विराट का बल्ला, यहां है आंकड़े

आईपीएल 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने पंजाब किंग्स को 24 रनों से हरा दिया. वहीं, दिल्ली कैपिटल्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 4 विकेट से हरा दिया. बहरहाल, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और पंजाब किंग्स के बीच खेले गए मैच की बात करें तो पंजाब किंग्स के सामने 175 रनों का लक्ष्य ता, लेकिन 18.2 ओवर में 150 रनों पर सिमट गई. पहले बल्लेबाजी करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 174 रन बनाए. रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए विराट कोहली ने 47 गेंदों पर 59 रनों की पारी खेली. उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके और 1 छक्का लगाया. इसके अलावा रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान फॉफ डु प्लेसी ने 56 गेंदों पर 84 रनों का योगदान दिया. उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके और 5 छक्के जड़े.

आईपीएल 2023 में आग उगल रहा है विराट कोहली का बल्ला

बहरहाल, आंकड़े बताते हैं कि आईपीएल 2023 में विराट कोहली का बल्ला आग उगल रहा है. अब तक आईपीएल 2023 में विराट कोहली सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं. इस खिलाड़ी ने 6 मैचों में 279 रन बनाए हैं. इस दौरान रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पूर्व कप्तान का एवरेज 55.80 रहा है. वहीं, इस खिलाड़ी की स्ट्राइक रेट 142.34 की रही है. इसके अलावा अब तक आईपीएल 2023 सीजन में विराट कोहली 4 बार पचास रनों का आंकड़ा पार कर चुके हैं. जबकि इस सीजन में 11 छक्के जड़े चुके हैं.

इस फेहरिस्त में कौन-कौन हैं शामिल?

वहीं, आईपीएल 2023 सीजन में विराट कोहली तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. इस फेहरिस्त में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान फॉफ डु प्लेसी टॉप पर हैं. फॉफ डु प्लेसी ने 6 मैचों में 343 रन बनाए हैं. जबकि दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान डेविड वार्नर दूसरे नंबर पर हैं. डेविड वार्नर के नाम 6 मैचों में 285 रन दर्ज हैं. इसके बाद तीसरे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के पूर्व कप्तान विराट कोहली काबिज हैं. राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर फेहरिस्त में चौथे नंहर पर हैं. अब तक जोस बटलर 6 मैचौं में 244 रन बना चुके हैं. इसके अलावा पांचवें नंबर पर कोलकाता नाइट राइडर्स के वेंकटेश अय्यर हैं. वेंकटेश अय्यर के नाम 6 मैचों में 234 रन दर्ज हैं.

रहाणे जैसे खिलाड़ियों की आईपीएल सैलरी से भी ज्यादा है एलईडी स्टम्प्स की कीमत

आईपीएल में इस्तेमाल हो रहे एलईडी स्टम्प्स काफी महंगे हैं. यह कई खिलाड़ियों की आईपीएल सैलरी से तो महंगे हैं ही, इसके साथ ही 'प्लेयर ऑफ दी मैच' की प्राइजमनी से भी इनके दाम 50 से 70 गुना ज्यादा हैं.

एलईडी स्टम्प्स का एक सेट करीब 25 से 35 लाख के बीच आता है. यानी एक मैच में इस्तेमाल होने वाले दोनों सेटों को जोड़ा जाए तो इनकी कीमत 50 से 70 लाख के बीच होती है. अलग-अलग देशों में इनकी कीमत में थोड़ा अंतर होता है. आईपीएल में भी यही एलईडी स्टम्प्स इस्तेमाल किए जाते हैं. आईपीएल में कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनकी आईपीएल सैलरी 50 लाख से कम हैं. इनमें अजिंक्य

रहाणे जैसे दिग्गज भी शामिल हैं. ऐसे में यह चौंकाने वाली ही बात है कि स्टम्प की कीमत एक खिलाड़ी की एक साल की आईपीएल सैलरी से भी ज्यादा है.

आईपीएल में मिलने वाले 'प्लेयर ऑफ दी मैच' प्राइजमनी से अगर एलईडी स्टम्प्स की तुलना की जाए तो यह स्टम्प्स इस रेस में 50 से 70 गुना तक महंगे साबित होते हैं. क्रिकेट में पहले लकड़ी से बने हुए स्टम्प्स ही इस्तेमाल किए जाते थे. धीरे-धीरे टेक्नोलॉजी के विकास के बाद पहले इनकी बेल्स एलईडी फॉर्म में आने लगीं और फिर पूरे स्टम्प्स को ही एलईडी रूप दे दिया गया. यह एलईडी स्टम्प्स आकर्षक तो होते ही हैं, साथ ही करीबी रन आउट और स्टम्पिंग जैसे फैसलों में थर्ड अंपायर की बहुत मदद भी करते हैं. दरअसल, जैसे ही इन स्टम्प्स से बॉल या हाथ टच होता है तो इनकी एलईडी चमकने लगती है, जिससे थर्ड अंपायर को फैसला देने में आसानी होती है.

एलईडी स्टंप का आविष्कार ऑस्ट्रेलिया के ब्रॉन्टे एकरमैन द्वारा किया गया. इसके बाद उन्होंने डेविड लेगिटवुड के साथ मिलकर जिंग इंटरनेशनल कंपनी बनाई और अब यह कंपनी बड़ी संख्या में इस तरह के स्टम्प्स बना रही है.

सबसे तेज 100 वनडे विकेट लेने वाले गेंदबाज बने संदीप लामिछाने

स्टार्क और राशिद जैसे दिग्गजों को छोड़ा पीछे

नेपाल के स्पिनर संदीप लामिछाने ने वनडे क्रिकेट का एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया है. वह अब वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 100 विकेट चटकाने वाले गेंदबाज बन गए हैं. एसीसी मेन्स प्रीमियर कप में ओमान के खिलाफ मुकाबले में लामिछाने ने यह रिकॉर्ड अपने नाम किया. उन्होंने अपने करियर के 42वें मुकाबले में विकटों का यह खास आंकड़ा छुआ. सबसे तेज 100 वनडे विकेट लेने के मामले में इस गेंदबाज ने अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान और ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क जैसे दिग्गजों को पछाड़ा है।

लामिछाने से पहले यह रिकॉर्ड राशिद खान के नाम दर्ज था. राशिद खान ने 44 वनडे मैच में अपने 100 शिकार पूरे किए थे. अब राशिद दूसरे स्थान पर फिसल गए हैं. इस मामले में तीसरे पायदान पर मिचेल स्टार्क हैं. स्टार्क ने 100 विकेट लेने के लिए 52 वनडे मैच खेले. यहां चौथे पायदान पर पूर्व पाक स्पिनर सकलैन मुश्ताक (53) और पांचवें पायदान पर न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड (54) व बांग्लादेश के मुस्ताफिजूर रहमान (54) का नाम आता है।

इसी साल हुई इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी

संदीप लामिछाने की इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी इसी साल हुई है. एक यौन शोषण के आरोप में इस स्पिनर के क्रिकेट खेलने पर बैन लगा दिया गया था. इन्हें जेल तक जाना पड़ा था. इस साल फरवरी में उन पर से निलंबन हटाया गया. फिलहाल, उन पर यौन शोषण का केस चल रहा है.

आईपीएल खेल चुके हैं लामिछाने

संदीप लामिछाने अभी महज 22 साल के हैं. अब तक इस खिलाड़ी ने 42 वनडे मैचों में जहां 100+ विकेट चटकाए हैं, वहीं टी20 इंटरनेशनल में इस स्पिनर के हिस्से 44 मुकाबलों में 85 विकेट आए हैं. यौन शोषण के आरोप लगने से पहले वह नेपाल टीम की कप्तानी भी कर चुके हैं. लामिछाने IPL का भी हिस्सा रहे हैं. वह दिल्ली कैपिटल्स की स्क्वाड में शामिल थे.

460 दिन बाद फिर बने कप्तान तो दोबारा दिखा विराट कोहली का पुराना रूप

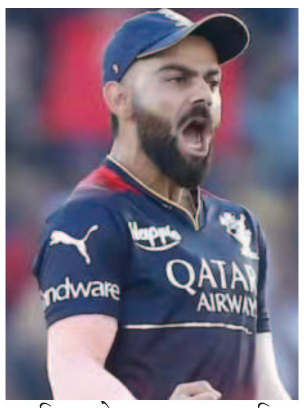

विराट ने आज एक बार फिर आरसीबी की कप्तानी की और अपनी टीम को जीत भी दिलवाई. विराट ने फिर से कप्तानी करते हुए अपने पुराने तेवर दिखाए और उनकी सेलिब्रेशन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं. विराट कोहली को दोबारा कप्तानी करते हुए देखना सिर्फ उनके फैन्स ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के क्रिकेट फैन्स भी चाहते हैं. आईपीएल में आज पंजाब किंग्स के खिलाफ ऐसा ही देखने को मिला. विराट कोहली ने आज एक बार फिर आरसीबी की कप्तानी की क्योंकि उनके रेगुलर कप्तान फाफ डु-प्लेसिस पूरी तरह से फिट न होने की वजह से फिल्डिंग नहीं कर पाए. 460 दिनों के बाद विराट ने दोबारा कप्तानी संभाली और अपनी टीम को 24 रनों से मैच जिता दिया. दोबारा कप्तानी करते हुए विराट कोहली का पुरानी रूप दिखा है और उनके सेलिब्रेशन की तस्वीरें वायरल हो रही हैं.

आईपीएल 2023 में आरसीबी का छठां मैच पंजाब किंग्स के खिलाफ था. इस मैच में आरसीबी की ओर से टॉस के लिए विराट कोहली मैदान पर आए.

विराट को मैदान पर टॉस के लिए आते देख फैन्स हैरान हो गए. उसके बाद पता चला कि रेगुलर कैप्टन फाफ आज एक इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर सिर्फ बल्लेबाजी करेंगे, इसलिए कप्तानी की जिम्मेदारी विराट कोहली ने संभाली. पंजाब ने टॉस जीतकर आरसीबी को बल्लेबाजी का न्यौता दिया. आरसीबी ने 20 ओवर में 174 रन बना दिए. उसके बाद विराट की कप्तानी में आज आरसीबी के गेंदबाजों ने भी काफी शानदार गेंदबाजी की. मोहम्मद सिराज ने 4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट हासिल किए. पंजाब की पूरी टीम 18.2 ओवर में सिर्फ 150 रन बनाकर ऑलराउट हो गई और आरसीबी 24 रनों से मैच जीत गई. इस मैच में कप्तान विराट को पुराने अंदाज सेलिब्रेशन करते हुए पाया गया और उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई.

क्या सौरव गांगुली से गुस्सा थे विराट कोहली? शेन वाटसन का चौंकाने वाला खुलासा

इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन में पिछले हफ्ते सौरव गांगुली और विराट कोहली के बीच का विवाद एक बार फिर से उभर आया था. हालांकि अब इस विवाद की असल वजह सामने आ गई है. दिल्ली कैपिटल्स के कोचिंग पैनल के सदस्य और पूर्व क्रिकेटर शेन वाटसन ने विवाद की असल वजह को बयां किया. इतना ही नहीं नए विवाद के लिए वाटसन ने विराट कोहली को जिम्मेदार ठहराया है.

दरअसल, पिछले हफ्ते दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी के बीच टक्कर हुई थी. इस मुकाबले में आरसीबी बाजी मारने में कामयाब रही. मैच के बाद जब खिलाड़ी और स्टाफ आपस में हाथ मिला रहे थे तो सौरव गांगुली विराट कोहली को अनदेखा करके आगे बढ़ गए थे. दोनों पूर्व कप्तानों के बीच हाथ नहीं मिलाने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ.

शेन वाटसन ने इस विवाद पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा, "बहुत सारी अफवाहें हैं जिनके बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता. लेकिन यह बात साफ है कि विराट कोहली गुस्सा थे. विरोधी के तौर पर शायद आपको इस बात की जरूरत भी होती है. विराट कोहली जब गुस्सा होते हैं तो अपना बेस्ट देते हैं. इसकी वजह कुछ भी हो सकती है."

पुराना है विवाद

विराट कोहली और सौरव गांगुली के बीच झगड़े का विवाद पुराना है. 2021 में हुए टी20 वर्ल्ड कप से पहले विराट कोहली ने सबसे छोटे फॉर्मेट से कप्तानी छोड़ने का एलान कर दिया था. हालांकि सौरव गांगुली ने दावा किया कि उन्होंने विराट कोहली से कप्तान बने रहने की अपील की थी.

विराट कोहली ने हालांकि सौरव गांगुली की बात को झूठ ठहराया. इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच विवाद उस वक्त और गहरा हो गया जब विराट कोहली को वनडे में कप्तानी से हटा दिया गया. जनवरी 2022 में विराट कोहली ने टेस्ट से भी कप्तानी छोड़ने का एलान कर दिया. विराट कोहली के स्थान पर रोहित शर्मा तीनों फॉर्मेट में टीम इंडिया की कमान संभाल रहे हैं.

ईशांत शर्मा का दिल्ली कैपिटल्स के लिए 'घातक' कमबैक, कप्तान डेविड वॉर्नर ने दिया जीत का क्रेडिट

दिल्ली कैपिटल्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को आईपीएल 2023 के 28वें मुकाबले में हरा दिया. टीम ने इस सीजन की पहली जीत दर्ज की. उसने लगातार पांच मैचों में हार का सामना किया. दिल्ली की जीत में तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा की अहम भूमिका रही. उन्होंने 4 ओवरों में महज 19 रन देकर 2 विकेट झटके. ईशांत को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया. मैच के बाद कप्तान डेविड वॉर्नर ने ईशांत की जमकर तारीफ की. उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक दिलचस्प पोस्ट भी शेयर की.

कोलकाता ने पहले बैटिंग करते हुए ऑल आउट होने तक 127 रन बनाए. इसके जवाब में दिल्ली ने 6 विकेट के नुकसान के साथ 19.2 ओवरों में लक्ष्य हासिल लिया. ईशांत ने कोलकाता की बैटिंग के दौरान दो अहम विकेट लिए. उन्होंने नीतीश राणा और सुनील नरेन को आउट किया. मैच के बाद वॉर्नर ने ईशांत की तारीफ करते हुए कहा, ईशांत ने बीमारी से ठीक होने के बाद शानदार वापसी की है. उनका प्रदर्शन अद्भुत रहा. उन्होंने दिल्ली की इस सीजन की पहली जीत के बाद कहा, "हमें बॉलिंग यूनिट पर गर्व है. हमने पॉवर-प्ले में विकेट लेने के लिए अच्छा प्रदर्शन किया. हम एक-दूसरे के प्रति बहुत ईमानदार हैं. हम जिन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत होती है, उस पर खुलकर बात करते हैं."

गौरतलब है कि दिल्ली पॉइंट्स टेबल में सबसे निचले स्थान पर है. उसे पहले मैच में लखनऊ ने 50 रनों से हराया था. इसके बाद दिल्ली को गुजरात टाइटंस ने 6 विकेट से हराया. राजस्थान ने 57 रनों से मात दी. मुंबई ने 6 विकेट से जीत दर्ज की. उसे बैंगलोर ने भी 23 रनों से हराया. दिल्ली ने लगातार पांच मैच हारने के बाद बमुश्किल जीत हासिल की. कोलकाता के खिलाफ उसने कड़ी मेहनत के बाद जीत दर्ज की है.

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों का चोरी हुआ सामान बरामद, डेविड वॉर्नर ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

दिल्ली कैपिटल्स की टीम जब रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ बैंगलोर में मुकाबला खेलने के बाद दिल्ली वापस लौटी तो टीम को खिलाड़ियों के क्रिकेट किट से लेकर बैट और पैड सहित कई अन्य सामना चोरी हो गए थे. इसके बाद अब दिल्ली टीम के कप्तान डेविड वॉर्नर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी है कि पुलिस ने चोरी किया हुआ अधिकतर सामान बरामद कर लिया है. वॉर्नर ने जो फोटो पोस्ट की है उसमें बल्ले, पैड, ग्लव्स और अन्य सामान साफतौर पर देखे जा सकते हैं.

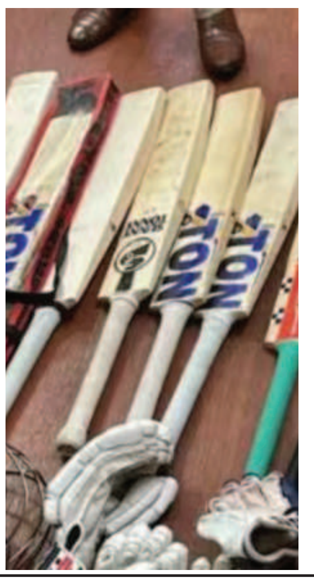

इन चोरी हुए सामान को लेकर बात की जाए तो उसमें डेविड वॉर्नर और फिल सॉल्ट के 3-3 अहम बैट के अलावा मिचेल मार्श के भी 2 बैट चोरी हो गए थे. इसके अलावा टीम में शामिल युवा खिलाड़ी यश ढुल के 5 बैट चोरी हुए. दिल्ली की टीम के खिलाड़ियों को इस बात की जानकारी उस समय हुई जब उनका सामान दिल्ली में उनके होटल के कमरों में पहुंचा.

दिल्ली के खिलाड़ियों ने सामान चोरी होने के बाद इसकी सूचना पुलिस को दी जिसके बाद अब चोरों को पकड़ने के साथ अधिकतर सामान को बरामद कर लिया गया है. डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श के चोरी हुए 1-1 बैट की कीमत लगभग 1 लाख रुपए के आसपास है.

इस सीजन में दिल्ली कैपिटल्स के लिए शुरुआत बिल्कुल भी अच्छी नहीं रही जिसमें टीम को अपने शुरुआती 5 मुकाबलों में लगातार हार का सामना करना पड़ा था. इसके बाद टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले गए अपने 6वें लीग मुकाबले में 4 विकेट से जीत दर्ज करने के साथ इस सीजन प्वाइंट्स टेबल में अपने अंकों का खाता खोलने में कामयाबी हासिल की.

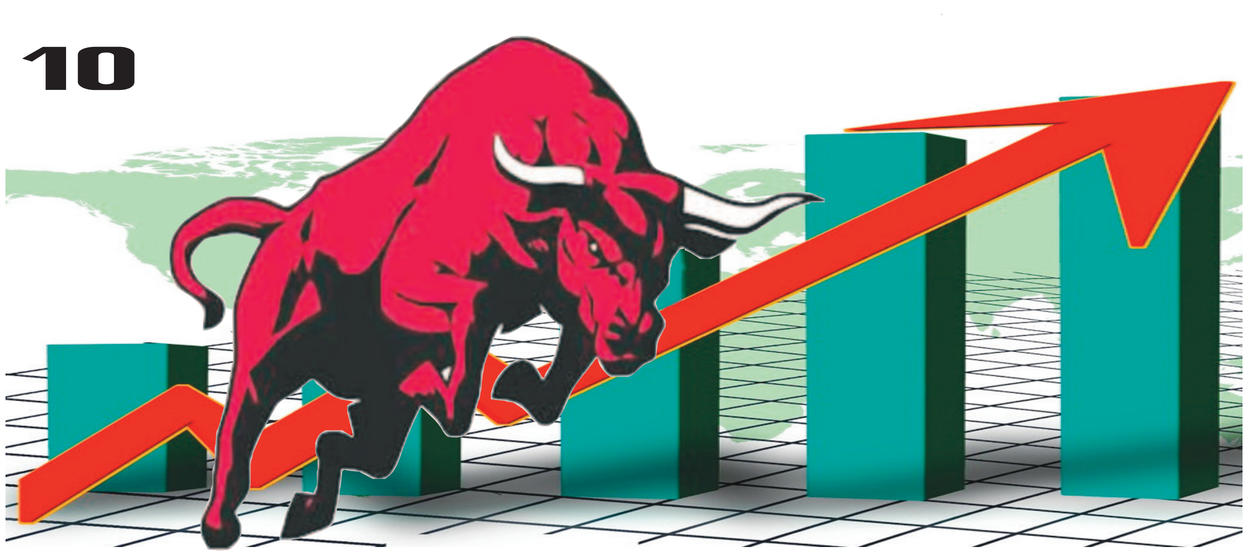

धूप में पेंशन के लिए नंगे पैर बैंक जाती दिखी वृद्धा

मंत्री ने की खिंचाई तो मिला ये जवाब

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। 70 साल की एक महिला को अपने पेंशन लेने के लिए नंगे पैर कुर्सी के सहारे कई किलोमीटर पैदल चलने के लिए मजबूर होना पड़ा। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में चिलचिलाती गर्मी में एक वृद्ध महिला को टूटी कुर्सी के सहारे चलते हुए देखा जा सकता है। अब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वीडियो शेयर करते हुए महिला की परेशानी को देखते हुए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की खिंचाई की है। बैंक ने भी अपनी ओर से वित्त मंत्री को जवाब दिया है। वीडियो में दिख रही बुजुर्ग महिला की पहचान सूर्या हरिजन के रूप में हुई है। उनका बड़ा बेटा दूसरे राज्य में प्रवासी मजदूर है। वह अपने छोटे बेटे के साथ रहती हैं जो अन्य लोगों के मवेशियों को चराने का काम करता है। परिवार के पास कोई जमीन नहीं है और वे झोपड़ी में रहते हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ट्विटर पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के प्रबंधक ने इस मामले में जवाब दिया है, लेकिन फिर भी वे वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) और एसबीआई से ऐसे मामलों में त्वरित संज्ञान लेने और मानवीय रूप से कार्य करने की उम्मीद करती हैं। उन्होंने पूछा है कि क्या उस क्षेत्र में बैंक मित्र नहीं हैं? यह घटना 17 अप्रैल को ओडिशा के नबरंगपुर जिले की है।मामले में वित्त मंत्री की प्रतिक्रिया के बाद एसबीआई ने ट्वीट किया, हम भी वीडियो को देखकर बहुत दुखी हैं। श्रीमती सूर्या हरिजन हर महीने अपने गांव में सीएसपी से अपना पेंशन निकालती थीं। बुढ़ापे के कारण उनके फिंगर प्रिंट मेल नहीं खा रहे थे। हमने इसके बाद डोरस्टेप पेंशन डिलीवरी की सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया है। हम जल्द ही उन्हें व्हीलचेयर भी सौंप देंगे। वह अपने रिश्तेदार के साथ हमारी झरीगांव शाखा गई।

हमारे शाखा प्रबंधक ने तुरंत अपने खाते को मैन्युअल रूप से डेबिट करके राशि का भुगतान कर दिया है। हमारे ब्रांच मैनेजर ने यह भी बताया है कि उनका पेंशन अगले महीने से उनके घर पहुंचा दी जाएगी।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर एयर इंडिया का बड़ा एलान, अर्थ डे से पहले बयान जारी कर कही ये बात

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। एयर इंडिया ने शुक्रवार को घोषणा की है कि वह अपने वैश्विक नेटवर्क पर सभी उड़ानों में एक बार इस्तेमाल होने वाले (सिंगल यूज) प्लास्टिक के इस्तेमाल में करीब 80 प्रतिशत कटौती करेगा। एयर इंडिया ने यह घोषणा पृथ्वी दिवस से एक दिन पहले की गई है जो शनिवार (22 मई) को दुनिया भर में मनाया जाएगा। टाटा समूह के नेतृत्व वाली विमानन कंपनी ने एक बयान में कहा, "एयर इंडिया के निजीकरण के बाद से सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल में कमी इन-हाउस विशेषज्ञों की एक टीम के नेतृत्व में चल रहे प्रयासों से की गई है। कैटरिंग वेंडर्स और कई विक्रेताओं ने इसका समर्थन किया है। इसका उद्देश्य वातावरण पर सिंगल यूज प्लास्टिक का दुष्प्रभाव कम करने का है। इस दिशा में एयर इंडिया के प्रयासों में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन करने वाले वाइडबॉडी विमानों पर सभी इकोनॉमी क्लास सीट से 500 मिलीलीटर प्लास्टिक की पानी की बोतलों को 100 प्रतिशत हटाने जैसी कई पहल शामिल हैं। बयान के अनुसार अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों में 200 मिलीलीटर पानी की बोतलों में भी कमी की जाएगी। अब इन्हें केवल पूर्व-निर्धारित भोजन ट्रे पर परोसा जाता है। उड़ान के दौरान एक लीटर पानी की बोतल सर्व करने की शुरुआत की गई है। साथ ही कटलरी के प्लास्टिक जिप लॉक बैग का पैकेजिंग को पेपर पैकेजिंग से रिप्लेस कर दिया गया है। प्लास्टिक के स्ट्रा को कागज के स्ट्रा से बदल दिया गया है।

मंहगे कर्ज से मिलेगा छुटकारा, जून में आरबीआई रेपो रेट को होल्ड करेगा!

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक एक बार फिर लोगों को राहत दे सकता है। जून में मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक के दौरान आरबीआई रेपो रेट में बढ़ोतरी को रोक कर होल्ड पर रख सकता है। भारत के रेपो रेट तय करने वाले पैनल के सदस्यों का कहना है कि महंगाई से निपटने के लिए पिछले मई से हुई बढ़ोतरी पर्याप्त है। ऐसे में अभी केंद्रीय बैंक अपनी दरों में कोई बदलाव नहीं करते हुए स्थिर रख सकता है। हालांकि जून में होने वाले द्विमासिक समीक्षा के तहत रेपो रेट नहीं बढ़े इसके लिए दो मुख्य बातों को लेकर अलर्ट भी किया है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पैनल का कहा है कि अगर अधूरे मानसून से फार्म-गेट की कीमतों में महंगाई बढ़ती है और कच्चे तेल में तेजी आती है तो रेपो रेट में एक बार फिर इजाफा देखने को मिल सकता है। यानी कि ऐसा कहा जा सकता है कि रेपो रेट स्थिर रहने में मानसून और कच्चा तेल एक अहम रोल में हैं। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई के छह सदस्यीय एमपीसी का मानना है कि कम मानसून के संभावित नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए महंगाई की गति अनिश्चित हैं। फिर भी उम्मीद जताई जा रही है कि अगर अगली फसल का उत्पादन कम नहीं होता है या खाद्य पदार्थों की कीमत में बढ़ोतरी नहीं होती है महंगाई कंट्रोल में रहेगी। गवर्नर शक्तिकांत दास ने एमपीसी बैठक में कहा कि एक साल पहले वैश्विक कमोडिटी की कीमतों में नरमी उनके चरम स्तर से विनिर्मित वस्तुओं और सेवाओं के लिए कम इनपुट लागत दबाव में तब्दील हो रही है। ये महंगाई को कंट्रोल करने के लिए काफी है। बता दें कि आरबीआई गर्वनर शक्तिकांत दास ने 6 अप्रैल को एमपीसी बैठक के दौरान रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करके सभी को हैरान कर दिया था। जबकि बड़े—बड़े एक्सपर्टस ने बढ़ोतरी की आशंका जताई थी। हालांकि अभी कुछ लोगों का मानना है कि ये दर फिर कभी बढ़ सकती है। पिछले साल मई से ही आरबीआई एमपीसी की 8वीं बैठक हो चुकी है, जिसमें 6 बार रेपो रेट में इजाफा किया गया है। मई से लेकर अभी तक रेपो रेट में 2.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

चंद्र २ शुक्र, सूर्य राहु १ बुध, १२ गुरु, ३ मंगल, ११ शनि, ४, १०, केतु ७, ५, ९, ६, ८

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मेष	में
चंद्र-	वृष	में
मंगल	मिथुन	में
बुध-	मेष	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	वृष	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
मेष--	05-34	बजे
वृष--	07-20	बजे
मिथुन..	09-20	बजे
कर्क...	11-32	बजे
सिंह...	13-44	बजे
कन्या..	15-52	बजे
तुला...	17-57	बजे
वृश्चिक.	20-06	बजे
धनु.....	22-20	बजे
मकर..	00-26	बजे
कुंभ...	02-17	बजे
मीन ..	03-56	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय- 05-59
सूर्य अस्त- 18-30
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - 07 -49 तक उपरान्त तृतीया
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष , शनिवार April 22
नक्षत्र - कृत्तिका - 23- 23 - तक उपरान्त रोहिणी
योग - आयुष्मान - 09 - 24 - तक उप - सौभाग्य
करण- कौलव - 07 - 49 - तक उप- तैतिल
विशेष:- अक्षय तृतीया,आखातीज
व्रत -त्योहार - श्री परशुराम जं.,श्री शिवाजी जं.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:06 से 10:40 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	05:59 - 07:31	अशुभ	लाभ.	18:30 - 19:58	शुभ
शुभ.	07:31 - 09:06	शुभ	उत्पात	19:58 - 21:24	अशुभ
रोग	09:06 - 10:40	अशुभ	शुभ	21:24 - 22:49	शुभ
उत्पात	10:40 - 12:15	अशुभ	अमृत	22:49 - 00:14	शुभ
चंचल	12:15 - 13:49	शुभ	चंचल	00:14 - 01:40	शुभ
लाभ	13:49 - 15:24	शुभ	रोग	01:40 - 03:05	अशुभ
अमृत	15:24 - 16:58	शुभ	काल	03:05 - 04:31	अशुभ
काल	16:58 - 18:30	अशुभ	लाभ	04:31 - 05:59	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,) — आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,) — आज का दिन आपके लिए विशेष है क्योंकि आज आप किसी दूसरे शहर में रहने वाले से या विदेश में किसी से संपर्क स्थापित करेंगे । यह आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा । अपने मेल देख लें क्योंकि मेलबॉक्स में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। विदेश में रह रहा कोई मित्र आपको साथ काम करने के लिए आमंत्रित कर सकता है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे । यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे । इसके बारे में अच्छे से सोच लें क्योंकि अब यह व्यक्ति आपके साथ लम्बे समय तक रहेगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ,लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों । ऐसा सोचना प्राक्रतिक है ,लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी । यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,) — आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेष्ण करें । यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,) — भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं।अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें । अब फिजूलखर्ची से बचना होगा । आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी ।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे) — आप हंसी-मजाक के मूड में हैं । अपनी इस विशेषता को बनाएं रखें जो आपको मुश्किल समय में भी चिंतामुक्त रखती है । आप अपनी सक्रिय प्रवृति के कारण एक बिजनेस डील हासिल करने में कामयाब होंगे । कोई आपसे प्रोत्साहन चाहता है.उसके मेंटर बन जाएँ । अपने करीबियों के साथ अच्छा वक़्त गुजरेगा ।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी) — पुरानी और बेकार चीजों को जीवन से हटा देने का समय है । आप किसी पिछली स्थिति से महज किसी अहसान की भावना या मजबूरी के चलते चिपके हुए हैं जो अब आपको कतई पसंद नही है । आपको इसमें से बाहर आ पाना मुश्किल लग रहा था ,लेकिन आज आप इस स्थिति से बाहर आने के लायक मानसिक शक्ति जुटा पायेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,) — आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे कुछ समय से लगातार लम्बी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांछित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे । आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं । इस टकराव से नए अवसरे भी आयेंगे । अंतिम परिणाम अच्छा ही होगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

आसमान छूती कीमतो के चलते अक्षय तृतीया पर सोने के ज्वेलरी के सेल्स में आ सकती है बड़ी गिरावट

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में तेज उछाल का असर अक्षय तृतीया पर सोने के ज्वेलरी की बिक्री पर देखने को मिल सकता है। सोने के दामों में तेज उछाल के चलते इस साल अक्षय तृतीया पर सोने की ज्वेलरी की बिक्री में 20 फीसदी की कमी आने का अनुमान है। गुरुवार को सोना एमसीएक्स पर 60,529 रुपये प्रति 10 ग्राम पर क्लोज हुआ है। यानि देश में ज्यादातर जगहों पर सोना 60 से 61000 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर मिल रहा है। पिछले साल 2022 में अक्षय तृतीया से लेकर इस वर्ष के अक्षय तृतीया पर सोने के दामों में 20 फीसदी का उछाल आ चुका है। बीते साल अक्षय तृतीया पर सोना 50,808 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। सोने के दाम आसमान छू रहे हैं इसके चलते अक्षय तृतीया पर सोने के ज्वेलरी आभूषणों की होने वाली परंपरागत खरीद पर पड़ने का अनुमान है। अक्षय तृतीया को सोने के गहनों एवं सिक्कों की खरीद के लिए शुभ माना जाता है। इस दिन लोग अपने हैसियत के अनुसार सोने की खरीदारी करते हैं। ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक काउंसिल के चेयरमैन संयम मेहरा ने कहा कि सोने के दामों के 60,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचने से ग्राहकों का बड़ा तबका चिंतित है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन से दाम थोड़े गिरे हैं लेकिन ये अब भी काफी ऊपर बना हुआ है और इसका असर अक्षय तृतीया पर होने वाली सेल्स पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारा अनुमान है कि सोने की बिक्री 2022 की तुलना में 20 फीसदी कम रह सकती है। जीजेसी के पूर्व चेयरमैन एवं एनएसी ज्वेलर्स के एमडी अनंत पद्मनाभन ने भी कुछ इसी तरह की आशंका जताते हुए कहा कि महंगे सोने की मार अक्षय तृतीया पर मांग को कम कर सकती है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के इंडिया सीईओ सोमसुंदरम पी आर ने कहा कि सोने की खरीद अक्षय तृतीया के अवसर पर करोड़ों भारतीयों के लिए जरुरी हिस्सा माना जाता है।

इसे समृद्धि से जोड़ा जाता है और इसी के साथ सोने की खरीदारी की शुरुआत होती है।

टीसीएस और इंफोसिस के बाद एचसीएल टेक के हायरिंग में भी बड़ी गिरावट

2022-23 में 57.3 फीसदी कम हुई हायरिंग

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी एचसीएल टेक्नलॉजीज ने वित्त वर्ष 2022-23 के चौथी तिमाही के नतीजों का एलान किया है। एचसीएल टेक के मुताबिक कंपनी ने बीते वित्त वर्ष में 17,067 कर्मचारियों की हायरिंग की है जो 2021-22 के मुकाबले 57.3 फीसदी कम है। 2021-22 में कंपनी ने 39,900 कर्मचारियों की हायरिंग की थी। संकेत साफ है बीते वर्ष आईटी सेक्टर की कंपनियों ने हायरिंग में बड़ी कमी की है। एचसीएल टेक ने 30,000 फ्रेशर्स के हायरिंग का लक्ष्य रखा था लेकिन कंपनी ने 2022-23 में कुल 26,734 फ्रेशर्स की हायरिंग की है जो लक्ष्य से कम है। मौजूदा समय में एचसीएल टेक में 225944 कर्मचारी हैं। आईटी कंपनियों के हायरिंग में गिरावट अब चिंता का कारण बनता जा रहा है। पिछले हफ्ते टीसीएस और इंफोसिस ने भी चौथी तिमाही के नतीजों का एलान किया था। और दोनों ही कंपनियों ने ये जानकारी दी है कि वित्त वर्ष 2022-23 में उन्होंने 2021-22 के मुकाबले एम्प्लॉयज की हायरिंग में कटौती की है। टीसीएस ने 2022-23 में कंपनी ने केवल 22,600 नए एम्पलॉयज की हायरिंग की है जबकि 2021-22 में कंपनी ने 1.03 लाख कर्मचारियों की हायरिंग की थी। यानि टीसीएस की हायरिंग में 78 फीसदी की कमी आई है। टीसीएस में काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या अब 6,14,795 हो गई है। इंफोसिस ने बताया कि 2022-23 में कंपनी ने कुल 29,219 एम्पलॉयज की हायरिंग की है। जबकि 2021-22 में कंपनी ने कुल 54,396 एम्पलॉयज की हायरिंग की थी। यानि इंफोसिस के हायरिंग में 46 फीसदी की गिरावट आई है। 31 मार्च 2023 तक इंफोसिस के कुल कर्मचारियों की संख्या 3,43,234 है। इन तीन दिग्गज आईटी कंपनियों के हायरिंग के डाटा को देखकर कहा जा सकता है कि वैश्विक संकट का असर आईटी सेक्टर पर पड़ा है। 2023-24 में बीते साल के मुकाबले हायरिंग में बड़ी गिरावट देखने की संभावना जताई जा रही है। मिल सकती है। टीमलीज का अनुमान है कि इस वर्ष नए हायरिंग में 40 फीसदी तक की गिरावट आ सकती है। कंपनियों के हायरिंग में कमी और वित्तीय गाइडेस के घटाने के चलते इस हफ्ते निफ्टी के आईटी में बड़ी गिरावट देखने को मिली है।

ब्लू टिक हटाकर एलन मस्क ने कर दी गलती?

ट्विटर को डुबा सकता है ये फैसला!

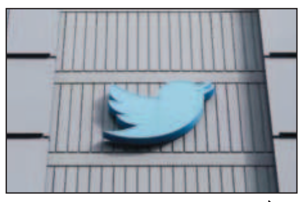

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। सोशल मीडिया कंपनी ट्विटर फिर से सुर्खियों में है। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में शुमार एलन मस्क ने जब से इस सोशल मीडिया कंपनी को खरीदा है, तभी से कंपनी लगातार बदलावों से गुजर रही है।

इस कड़ी में अब ट्विटर के वैसे अकाउंट्स से ब्लू टिक को हटा दिया गया है, जिन्होंने ट्विटर ब्लू का पेड सब्सक्रिप्शन नहीं लिया है। यह बदलाव अब प्रभावी हो चुका है और इसके चलते कई नामी-गिरामी लोगों के ट्विटर अकाउंट से ब्लू टिक हट गया है। ट्विटर अकाउंट्स से ब्लू टिक हटाए जाने के बाद इसके प्रभावों को लेकर बहस छिड़ी हुई है। एलन मस्क समेत कई लोगों का कहना है कि इससे ट्विटर प्लेटफॉर्म पर समानता को बढ़ावा मिलेगा। ट्विटर के इस कदम को मुनाफा कमाने के प्रयासों से भी जोड़ा जा रहा है।

कंपनी लगातार घाटे में चल रही है और एलन मस्क अधिग्रहण के बाद इसे फायदे में लाने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए बड़े पैमाने पर लोगों को काम से निकाला गया है। विज्ञापनदाताओं को जोड़ने के लिए कस्टमाइज ऑफर दिए जा रहे हैं। हालांकि ट्विटर के इस कदम से कई नुकसान भी होने वाले हैं। बीते 24 घंटे के दौरान एलन मस्क की नेटवर्थ करीब 13 बिलियन डॉलर कम हुई है और इसमें ब्लू टिक से जुड़े फैसले को भी जिम्मेदार माना जा रहा है। आइए जानते हैं कि ट्विटर के लाखों अकाउंट्स से ब्लू टिक हटाने के क्या बुरे परिणाम हो सकते हैं।।एलन मस्क खुद भी कई मौकों पर दोहरा चुके हैं कि ट्विटर महज एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म न होकर रियलटाइम में खबरें जानने का माध्यम है। यह बात काफी हद तक सही भी है। दुनिया भर के मीडिया प्लेटफॉर्म अपनी रपटें तैयार करने में ट्विटर पर मौजूद लोगों का हवाला देते आए हैं। अर्थजगत हो या राजनीति, खेल की दुनिया हो या नई टेक्नोलॉजी। हर फील्ड के जाने-माने लोग ट्विटर पर सक्रिय हैं और लगातार अपडेट देते रहते हैं। अब ब्लू टिक हटाए जाने से यह भ्रम पैदा होगा कि ट्वीट करने वाला व्यक्ति ऑथेंटिक है या नहीं। अभी तक वेरिफाइड ट्विटर अकाउंट्स पर भरोसा करना आसान था, लेकिन अब तो कोई भी पैसे देकर ब्लू टिक हासिल कर सकता है।

प्राइवेट पार्टियां भी कर पाएंगी इन कामों में आधार का इस्तेमाल

नियमों में हो रहा बदलाव

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। किसी भी सरकारी योजना का लाभ उठाने के लिए आधार कार्ड की आवश्यकता पड़ती है। मगर अब आधार को सरकारी कार्यालय के अलावा प्राइवेट संस्थानों के द्वारा प्रमाणीकरण के लिए इस्तेमाल करने के लिए नियम बनाने पर काम कर चल रहा है। इस मामले पर इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने लोगों से 5 मई, 2023 तक सुझाव मांगे हैं। फिलहाल आधार प्रमाणीकरण केवल केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा ही इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन नियमों के बदलाव के बाद प्राइवेट संस्थान भी आधार का इस्तेमाल ऑथेंटिकेशन के लिए कर पाएंगे। इस फैसले के पीछे केंद्र सरकार का यह मकसद है कि इससे लोगों के जीवन को आसान बनाया जा सके और सर्विसेज की पहुंच हर व्यक्ति तक हो, जिससे उसका जीवन बेहतर बन सकेगा। केंद्र सरकार ने उन सभी गैर सरकारी संस्थानों को यह ड्राफ्ट भेज दिया है जो आधार प्रमाणीकरण का इस्तेमाल करना चाहते हैं। इस पर उनसे सुझाव मांगे गए हैं, जिसे दोबारा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के पास भेजा जाएगा।

धोखाधड़ी मामले में चीन के कारोबारी गुओ वेनगुई को नहीं मिली जमानत, कोर्ट ने बताया कारण

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क के एक संघीय न्यायाधीश ने धोखाधड़ी और धनशोधन के आरोपों में चीनी अरबपति गुओ वेनगुई को गुरुवार को जमानत देने से इनकार कर दिया। निर्वासित व्यवसायी और बीजिंग के मुखर आलोचक को पिछले महीने अमेरिका की ओर से धोखाधड़ी का आरोप लगाए जाने के बाद जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। गुओ ने 2014 में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के तहत भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई के दौरान चीन छोड़ दिया था।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मैनहट्टन पेंटहाउस से बीजिंग पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर लोगों का ध्यान आकर्षित करने वाले गुओ को पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था और उन पर एक अरब डॉलर की धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। गुओ और उनके वित्तीय सलाहकार किन मिंग जे पर हजारों पीड़ितों को धोखा देने की साजिश रचने का आरोप है। अभियोग के अनुसार, दोनों ने कथित तौर पर 30 करोड़ डॉलर से अधिक की राशि का इस्तेमाल खुद को और अपने परिवार को लाभ पहुंचाने के लिए किया।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार में रहा मिलाजुला कारोबार, एफएमसीजी-आईटी स्टॉक्स तेजी के साथ बंद

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन निराशाजनक रहा है। सेंसेक्स मामूली तेजी के साथ निफ्टी लाल निशान में बंद हुआ है। बैंकिंग और ऑटो स्टॉक्स में गिरावट के चलते बाजार में ये गिरावट देखने को मिली है। हाल का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 22.71 अंकों की तेजी के साथ 59,655 अंकों पर बंद हुआ है। जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 0.40 अंकों की गिरावट बेहद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ है।

आज के ट्रेड में आईटी, एफएमसीजी, फार्मा, मीडिया, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस के सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुए। जबकि बैंकिंग, ऑटो, मेटल्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में गिरावट रही। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी गिरकर बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 14 शेयर तेजी के साथ तो 16 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 24 शेयर तेजी के साथ और 26 गिरकर बंद हुए। आज के कारोबारी सत्र में भी निवेशकों की संपत्ति में गिरावट देखने को मिली है।

बीएसई पर लिस्टेड कंपनी का मार्केट कैपिटलाईजेशन घटकर 264.97 लाख करोड़ रुपये पर आ गया जो गुरुवार को 265.40 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 43000 करोड़ रुपये की गिरावट आई है।

गर्भनिरोधक से पुरुष क्यों करें परहेज ?

महिला करे डिमांड तो झेले घरेलू हिंसा, भुगते प्रेग्नेंसी, बढ़ते अबॉर्शन और चरित्र पर सवाल

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)) ओडिशा की जानकी को हाल ही में 10वां बच्चा हुआ। उन्होंने पति से बिना पूछे नसबंदी करवा ली। जब वह घर लौटीं तो उनके पति ने उन्हें अपवित्र बताकर घर में नहीं घुसने दिया। जानकी को 3 दिन घर के बाहर नवजात शिशु और बाकी बच्चों के साथ गुजारने पड़े। इस खबर ने राष्ट्रीय अखबारों में जगह बनाई। कुछ इसी तरह का दर्द निर्मला (बदला हुआ नाम) का है, जिनकी 6 बेटियां हैं। पति बेटे की चाहत में कभी कंडोम इस्तेमाल नहीं करता और न उन्हें गर्भनिरोधक गोली खाने देता। इस बीच उनके 2 मिसकैरेज भी हुए। लेकिन वह पति को चाहकर भी नहीं कह पातीं कि वह सुरक्षित संबंध बनाए। इन दो मामलों के बीच 19 अप्रैल 2023 को भारत ने जनसंख्या के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है। इस साल की शुरुआत में ही ग्लोबल एक्सपर्ट्स ने अनुमान लगा लिया था कि इस साल भारत सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश बन जाएगा।

भारत में महिलाएं गर्भनिरोधक अपनाने में जहां नहीं हिचकिचातीं, वहीं पुरुष गर्भनिरोधक उपाय अपनाने से क्यों कतराते हैं? यह सोच कहीं रिश्तों में आड़े आती है तो कहीं न कहीं समाज पर भी भारी पड़ती है।

गायनोकॉलोजिस्ट डॉ. मीरा पाठक कहती हैं कि इस तरह की तकलीफों से हमारे देश की कई औरतें गुजरती हैं। अपने शरीर पर उनका कोई हक नहीं होता। वे पुरुषों के हाथों की कठपुतली होती हैं। पुरुष ही फैसला लेते हैं कि उन्हें संबंध सुरक्षा के साथ बनाने हैं या नहीं, पत्नी को गर्भनिरोधक गोली खानी चाहिए या नहीं, महिला को नसबंदी या कॉपर टी (इन्ट्रयूटरिन डिवाइज, आईयूडी) लगवानी है या नहीं।

वहीं, अगर महिला प्रेग्नेंट हो जाए तो उन्हें सुनसान रास्ते की तरह अकेला छोड़ दिया जाता है और अनचाहे गर्भ की पीड़ा स्त्री को अकेले झेलनी पड़ती है। अगर वह पति को बिना सुरक्षा के संबंध बनाने से नहीं रोकती तो भी पति को शक होता है कि कहीं वो चुपचाप गर्भनिरोधक का कोई तरीका तो इस्तेमाल नहीं कर रही।

मई 1950 में कॉन्ट्रासेप्टिव पिल्स बनाई गई जो 1960 तक बाजार में पहुंची। इसके बिकते ही अमेरिका में महिलाओं को प्रेग्नेंसी पर काबू पाने की पावर मिली। वे प्रेग्नेंसी को कंट्रोल करने और अपने हिसाब से फैमिली प्लान करने की आजादी महसूस करने लगीं। लेकिन यह आजादी देखते ही देखते उनकी जिम्मेदारी बन गई।

आज भी महिलाओं को ही प्रेग्नेंसी से बचने के लिए गर्भनिरोधक गोलियां खानी पड़ती हैं। कुछ कॉपर टी लगवाती हैं, ताकि 5 साल तक वे अनचाहे गर्भ से बची रहें। कुछ 3 महीने की प्रोटेक्शन के लिए कॉन्ट्रासेप्टिव इंजेक्शन लगवाती हैं। वहीं, कुछ महिलाएं ऐसी भी हैं जो इस समस्या से जिंदगी भर निजात पाने के लिए नसबंदी तक करवा लेती हैं।

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे एनएफएचएस-5 (2019-21) में 35.1% पुरुषों ने माना कि गर्भनिरोधक अपनाना महिलाओं का काम है, जबकि 97.9% मर्द सेक्शुअली एक्टिव हैं। इसी सर्वे में पुरुषों की छोटी सोच भी दिखी। 19.6% पुरुषों ने कहा कि कॉन्ट्रासेप्शन का यूज करने वाली महिलाएं खुले विचारों की हो सकती हैं। वे एक तरफ पार्टनर की हेल्थ को लेकर लापरवाह हो जाते हैं और दूसरी तरफ इसे उसके कैरेक्टर से भी जोड़कर देखते हैं। यानी महिलाएं अपने शरीर के लिए खुलकर फैसला भी नहीं ले सकती और अगर लेती हैं तो पुरुषों की भौंहें चढ़ जाती हैं।

गायनोकॉलोजिस्ट डा. मीरा पाठक के अनुसार जिस तरह घर के कामों का जिम्मा महिलाओं को सौंप दिया गया है, उसी तरह कॉन्ट्रासेप्शन का जिम्मा भी उन पर ही थोपा गया है। बाजार भी महिलाओं पर फोकस कर रहा है। उनके लिए कॉन्ट्रासेप्शन के प्रोडक्ट्स की भरमार है लेकिन पुरुषों के लिए कंडोम और नसबंदी ही ऑप्शन है। उसमें भी वे पीछे दिखाई देते हैं। अभी तक मेल कॉन्ट्रासेप्शन पिल्स पर खास फोकस नहीं किया गया। इसी साल खबर आई कि अमेरिका में पुरुषों के लिए कॉन्ट्रासेप्शन पिल बनी है, जिसका प्रयोग चूहों पर सफल रहा है। महिलाओं के ज्यादा कॉन्ट्रासेप्शन प्रोडक्ट होने से पुरुष गैर जिम्मेदार हो जाते हैं।

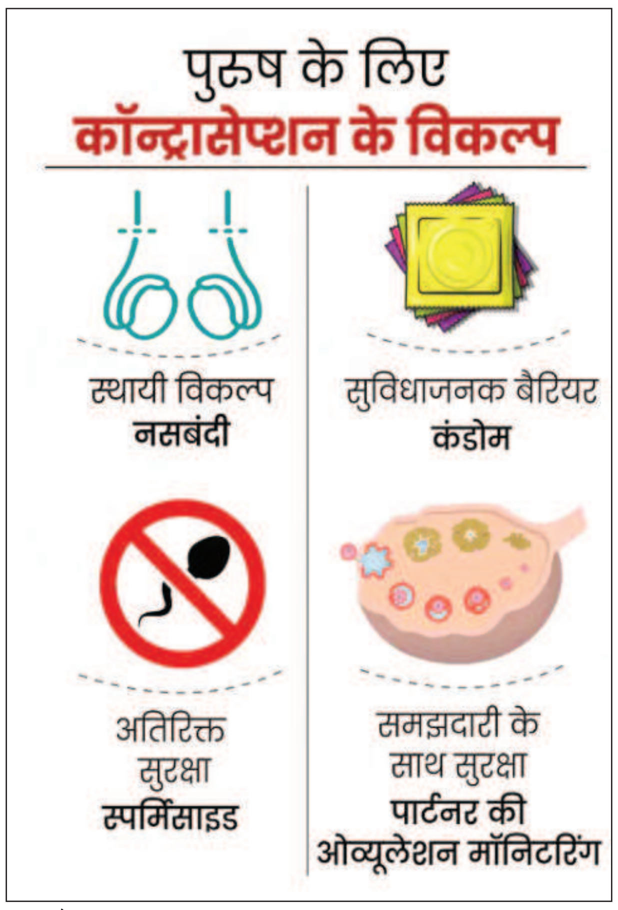

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार भारत में 36% महिलाएं नसबंदी करवाती हैं जबकि 0.3% पुरुष ही ऐसा कदम उठाते हैं। इस पर डॉ. मीरा पाठक कहती हैं कि समाज में पुरुषों के बीच इस गलतफहमी ने जगह बना रखी है कि पुरुषों की नसबंदी उनकी सेक्स पावर घटा देगी।

कुछ के दिमाग में चलता है कि अगर महिला कॉन्ट्रासेप्शन पिल्स या दूसरे प्रोडक्ट यूज कर रही हैं तो उन्हें किसी किस्म के परहेज की जरूरत नहीं। कुछ पुरुष कंडोम का इसलिए इस्तेमाल नहीं करते कि इन्हें फेकेंगे कहां? खुशहाल जिंदगी के लिए संबंध बनाना स्त्री और पुरुष दोनों के लिए जरूरी है। इसका सुख दोनों को सुखी रखता है। लेकिन कंडोम का जिक्र करते ही पुरुष इसे अहम का मुद्दा बना देते हैं। इसका खामियाजा स्त्री के शरीर को ही भुगतना पड़ता है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 5 के अनुसार 10 में से 1 पुरुष ही कंडोम का इस्तेमाल करता है।

सुरक्षित संबंध बनाने की जिम्मेदारी महिला की मानते हैं पुरुष

हमारा सामाजिक ढर्रा ऐसा है, जिसमें स्त्री के शरीर पर पुरुष हक तो जमाता है, लेकिन स्त्री शरीर की सुरक्षा की जिम्मेदारी सिर्फ स्त्री की ही समझी जाती है। पुरुष कंडोम का इस्तेमाल करने से बचते हैं क्योंकि इसे वे बोझ मानते हैं। वे कंडोम को स्त्री की सेहत और सुरक्षा से जोड़कर नहीं देखते। उनके दिमाग में यह बात रच-बस गई है कि कंडोम पहनने से उनके सुख में कमी आएगी। पुरुषों का बस चले तो वो महिला का अबॉर्शन तक भी न करवाएं लेकिन वे अपनी इज्जत की खातिर ऐसा करवा लेते हैं क्योंकि इसमें भी उनका स्वार्थ होता है। इस समय भी वे महिला के स्वास्थ्य के बारे में नहीं सोचते। यह सोच समाज में इसलिए फैली हुई है क्योंकि सेक्स एजुकेशन का अभाव है। अस्पताल में अगर दिन में 20 महिलाएं एमटीपी यानी 'मेडिकल टर्मिनेशन प्रोसिजर' के लिए पहुंचती हैं तो केवल 1 के साथ ही पुरुष दिखता है।

अधिकतर प्रेग्नेंट महिला, किसी दूसरी महिला को साथ में लाती है। यानी एक पुरुष का गैर जिम्मेदाराना कदम स्त्री की समस्या और उसके शारीरिक कष्ट का कारण बनता है। इसके बावजूद पुरुष सहज रहता है। महिला भुगते तो भुगते, लेकिन वे नहीं बदलेंगे और न ही अपनी पार्टनर के सपोर्ट में आगे आएंगे।

गायनोकॉलोजिस्ट एक सुर में कहती हैं कि हम जिस समाज में रहते हैं, वहां पुरुष सेक्स पावर बढ़ाने की गोलियां या टॉनिक तो बेझिझक खरीद लेते हैं। महिलाओं के लिए गर्भनिरोधक गोलियां भी खरीद लेते हैं लेकिन कंडोम खरीदने में शर्माते हैं। समाज की मर्दाना सोच कंडोम से दूरी बनाए रखने को ज्यादा बेहतर मानती है और ये सोच खत्म होने का नाम ही नहीं लेती। कंडोम शब्द गाली जैसा लगता है।

दूसरा तर्क दिया गया कि जो महिलाएं छुपकर कॉन्ट्रासेप्शन के तरीके इस्तेमाल करती हैं, उन्हें भेद खुलने पर पति की हिंसा का सामना करना पड़ता है। अगर वे पति से सेफ सेक्स की डिमांड करती हैं, तब भी मार खानी पड़ती है।

पुरुषों के लिए कॉन्ट्रासेप्शन पिल्स पर हो रही रिसर्च

अमेरिका की वेल कॉर्नेल मेडिसिन ने पुरुषों के लिए कॉन्ट्रासेप्शन ड्रग बनाई है। इसे अभी चूहों पर इस्तेमाल किया गया। इस टीडी-11861 नाम की दवा की सिंगल डोज से स्पर्म ढाई से 3 घंटे के लिए गतिहीन हो जाते हैं।

चीन के वैज्ञानिकों ने भी पुरुषों के लिए गर्भनिरोधक का तरीका खोजा है। यह दवा 30 दिन तक गर्भनिरोधक का काम करती है। इसकी टेस्टिंग भी अभी चूहों पर की गई है।

हमारा समाज दोहरी सोच रखता है। सेक्स शब्द सुनते ही जिस समाज में हाय-तौबा मच जाती है, वही समाज स्त्री को अनसेफ सेक्स झेलने को मजबूर करता है और अनचाही प्रेग्नेंसी की तरफ धकेलता है। स्त्री के खुद अपने शरीर का ध्यान रखने और संभालने की जिम्मेदारी को भी शक की निगाह से देखता है। लेकिन कॉन्ट्रासेप्शन की बात उसके गले नहीं उतरती। पत्नी की सेहत उसके लिए न सवाल है और न समस्या।

मार्केट अगर मर्दों के कॉन्ट्रासेप्शन में पिछड़ा है तो शुक्र है कि कम से कम बाजार इसे स्त्री की जरूरत तो समझता है। क्योंकि स्त्री अपने लिए सुरक्षित रास्ते तलाश कर अनचाही प्रेग्नेंसी से खुद को बचा तो सकती है।

अगर पुरुष को स्त्री के इस दर्द का एहसास हो जाए तो यह सही मायने में पार्टनर को सम्मान देने की बात होगी। वक्त है कि इस बारे में सोचा जाए और घिसीपिटी सोच को बदला जाए।

झारखंड एचसी का सरकार को निर्देश

रांची, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में साल 2018 में डॉक्टरों की हड़ताल के दौरान मरीजों की मौत की जांच के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश दिया है। बता दें, इस कमेटी की अध्यक्षता रिटायर्ड प्रधान जिला जज करेंगे। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को जांच कमेटी गठित कर जवाब दाखिल करने का भी निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस संजय मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस मामले को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया।

एक मरीज की जान जाने के बाद हंगामा

झारखंड हाईकोर्ट में याचिका झारखंड छात्र संघ की ओर से दायर की गई है। इसमें कहा गया है कि 1 जून 2018 को रिम्स में एक मरीज की कथित रूप से गलत इलाज करने की वजह से जान चली गई थी। इसे लेकर जूनियर डॉक्टरों और मृतक के परिजनों के बीच झड़प हुई थी। इसके बाद रिम्स में 2 जून 2018 से जूनियर डॉक्टरों और नर्सों ने हड़ताल कर दी थी। इस दौरान रिम्स में संपूर्ण चिकित्सा व्यवस्था ध्वस्त हो गई थी। इस दौरान इलाज के बिना 28 मरीजों की भी मौत भी हुई थी। हंगामे के बाद कोतवाली थाना में जिम्मेदार जूनियर डॉक्टरों और नर्स के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी, लेकिन नोटिस दिए जाने के अलावा कोई कार्रवाई नहीं हुई। याचिका में इस पूरे मामले की जांच कमेटी बनाकर करने और इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई थी। उच्च न्यायालय ने इससे पहले मामले की सुनवाई करते हुए हड़ताल बुलाने के लिए जिम्मेदार डॉक्टरों और नर्सों के रवैये पर नाराजगी जताई थी।

कहा था कि मरीजों की जान जोखिम में डालकर आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को रोका नहीं जा सकता है।

पिछले 24 घंटे में 46 नये कोरोना संक्रमित

रांची, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में कोरोना संक्रमण एक बार फिर तेजी से अपने पैर पसार रहा है। पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 46 नये मामले सामने आये हैं। सबसे ज्यादा 12 मामले लातेहार जिले से आय़े हैं। इन नये आंकड़ों के साथ राज्य में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 264 हो गयी है। राज्य में संक्रमण का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। 20 दिनों में राज्य में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या में 8 गुना से ज्यादा की बढ़ गयी है। 31 मार्च को राज्य में महज 27 कोरोना संक्रमित मरीज थे। 20 अप्रैल तक यह आंकड़ा 264 हो हया है। नए मरीजों के मिलने की रफ्तार भी बढ़ रही है। इन आंकड़ों से जाहिर है कि राज्य में एक बार फिर संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है। राजधानी रांची में संक्रमित मरीजों की संख्या सबसे ज्यादा है। रांची में 83 संक्रमित मरीज हैं जबकि दूसरा सबसे ज्यादा मामला पूर्वी सिंहभूम में है जहां 54 कोरोना संक्रमित मरीज हैं।

तांत्रिक ने कहा- आसमान से बरसेगा पैसा

ग्रामीण ने ढाई लाख रुपए दिए और पैसा बरसने का करने लगा इंतजार, फिर हुआ ठगी का अहसास

बलौदाबाजार, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बलौदाबाजार के पलारी थाना क्षेत्र में जादू-टोने से पैसा दोगुना करने का लालच देकर ढाई लाख रुपए ठगने वाले तांत्रिक बाप-बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने आसमान से पैसा बरसाकर राशि को दोगुना करने का झांसा देकर पीड़ित से ठगी की थी। गुरुवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पलारी थाना प्रभारी पुरुषोत्तम कुर्रे ने बताया कि ग्राम बलोदी में रामगोपाल साहू (55 वर्ष) के पास पिछले साल दिवाली से पहले तांत्रिक दीनदयाल जांगड़े (64 वर्ष) और पुरुषोत्तम जांगड़े (25 वर्ष) आए। दोनों ठग बाप-बेटों ने रामगोपाल को अपने झांसे में ले लिया और कहा कि वो जितना पैसा देगा, उतना ही पैसा तत्काल आसमान से बरसाकर उसे वे लोग उसे डबल कर देंगे।

पीड़ित दोनों ठगों की बातों में आ गया और आरोपियों को ढाई लाख रुपए दे दिए। रकम लेकर

आरोपी वहां से रफूचक्कर हो गए। जाने से पहले उन्होंने कहा कि नियत समय पर आसमान से पैसा बरसेगा। वे अपनी तांत्रिक शक्तियों से उसका पैसा दोगुना कर देंगे। इधर ठगों के जाने के बाद ग्रामीण काफी समय तक पैसा बरसने का इंतजार करता रहा। जब आसमान से पैसा नहीं बरसा, तो उसने पिता-पुत्र को फोन लगाया, लेकिन दोनों ने अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया। कुछ दिनों बाद जब मोबाइल फोन पर ठगों से पीड़ित की बात हुई और उसने बताया कि आसमान से पैसा नहीं बरसा, इस पर आरोपियों ने अपनी बातों में फंसाकर फिर से थोड़ा इंतजार करने के लिए कहा। इधर जब पीड़ित को अपने ठगे जाने का अहसास हुआ, तो वो अपना पैसा वापस मांगने लगा। जब भी पीड़ित अपना पैसा लौटाने के लिए कहता था, तो वे उसे कोई न कोई बहाना बनाकर टाल देते थे। इसके बाद दोनों ठग ग्रामीण का पैसा लेकर फरार हो गए। इसके बाद रामगोपाल साहू ने मामले की शिकायत बुधवार 19 अप्रैल को पलारी थाने में की। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी धौराभांठा थाना गिधपुरी क्षेत्र के रहने वाले हैं। थाना प्रभारी पुरुषोत्तम कुर्रे ने बताया कि एसएसपी दीपक कुमार झा के निर्देश पर तुरंत टीम बनाई गई और आरोपियों की तलाश शुरू की गई। करीब साढ़े 5 महीने से पीड़ित का पैसा लेकर रफूचक्कर हो गए फर्जी तांत्रिक बाप-बेटों को गुरुवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों दीनदयाल जांगड़े और पुरुषोत्तम जांगड़े को फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार झा ने लोगों से तांत्रिक, बाबा, जादू-मंतर के चक्कर में नहीं पड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि जादू-मंतर से न तो पैसा बनाया जा सकता है और न उसे डबल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गांव के भोले-भाले लोगों को आरोपी आसानी से लालच देकर ठग लेते हैं, इसलिए खुद को तांत्रिक बताने वाले लोगों से बचें और जब भी कोई आपको ऐसा बोलकर पैसा मांगता है, उसकी शिकायत तुरंत पुलिस से कर उन्हें गिरफ्तार कराएं।

बस्तर फाइटर्स की 280 महिला नव आरक्षकों का प्रशिक्षण पूरा

आईजी ने मेडल देकर किया सम्मानित

राजनांदगांव, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। राजनांदगांव जिले के पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय में आज बस्तर फाइटर्स महिलाओं का पुलिस सेवा हेतु बुनियादी प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्थानीय पीटीएस में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया,जिसमें नक्सल ऑपरेशन के आईजी ओपी पाल बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बस्तर फाइटर्स की महिला नव आरक्षकों को उनके उत्कृष्ट ट्रेनिंग के लिए मेडल और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

छत्तीसगढ़ का बस्तर नक्सल मामले को लेकर सुर्खियों में रहता है। वहीं अब पुलिस सेवा में महिला बस्तर फाइटर्स को लेकर भी बस्तर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित होगा। बस्तर में महिला नक्सलियों से मुकाबला करने के लिए पुलिस विभाग ने बस्तर क्षेत्र में ही महिलाओं को तैयार किया है और बस्तर क्षेत्र के 7 जिलों से महिलाओं को पुलिस सेवा में जाने के लिए भर्ती अभियान चलाया। कार्यक्रम के दौरान आईजी ओपी पाल ने कहा कि इन महिला नव आरक्षक की परेड का स्तर इनकी ट्रेनिंग की मेहनत और ऊर्जा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि जब यह फील्ड में जाएंगी तो बेहतरीन काम करके नक्सलवाद का खात्मा करेंगी। बस्तर के 7 जिलों से पुलिस विभाग में अपनी सेवाएं देने राजनांदगांव के पीटीएस में प्रशिक्षण प्राप्त कर 280 महिला नव आरक्षकों यहां से पास आउट किया है। यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिला आरक्षक कुमारी दामिनी उईके ने कहा कि पुलिस विभाग में आना मेरा सपना रहा है, आज ट्रेनिंग पूरी करने पर बेहद खुशी हो रही है।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई जबरदस्त मुठभेड़

कई नक्सली घायल, सर्च अभियान जारी

जगदलपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। नक्सल प्रभावित सुकमा जिले के कोंटा थाना क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह सुरक्षाबल के जवानों और नक्सलियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई है। पुलिस ने इस मुठभेड़ में कुछ नक्सलियों के घायल होने का दावा किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस को मुखबिर से कोंटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बेलपोच्चा, नुलकातोंग और गोमपाड़ के इलाके में नक्सली कमांडर कोसा और मंगडू की मौजूदगी की सूचना मिली थी। जिसके बाद डीआरजी की टीम को मौके पर पहुंची। डीआरजी के जवान इस अभियान के दौरान सुबह के वक्त जैसे ही बंडा कन्हईगुड़ा पहुंचे। तभी अचानक पहले से घात लगाए बैठे नक्सलियों ने जवानों को देखते ही उनपर फायरिंग करना शुरू कर दी। फायरिंग होते देख जवानों ने

भी मोर्चा संभाल। इसके बाद जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली वहां से फरार हो गए। पुलिस ने इस मुठभेड़ में चार से पांच नक्सलियों के घायल होने का दावा किया है।

फिलहाल डीआरजी और सीआरपीएफ एक संयुक्त टीम के द्वारा इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबल के सभी जवान सुरक्षित बताए गए हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले की विस्तृत जानकारी टीम के वापस लौटने के बाद दी जाएगी।

3 दिन में दूसरी बार स्पा सेंटर में रेड

कमरे में जगह-जगह मिले आपत्तिजनक सामान, मसाज के नाम पर चलता था सेक्स रैकेट

भिलाई, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई में सूर्या मॉल में संचालित एक और सेंस स्पा सेंटर पर दुर्ग पुलिस ने छापा मारा है। जहां मौके पर कई आपत्तिजनक सामान मिले हैं। फिलहाल पुलिस ने स्पा सेंटर को सील कर दिया है। शहर में 3 दिन बाद स्पा सेंटर पर दूसरी बार छापा पड़ा है।

20 अप्रैल की रात तकरीबन 8 बजे पुलिस की टीम स्पा सेंटर पहुंची। बंद स्पा सेंटर के मैनेजर को कॉल करके बुलवाया गया और उसकी मौजूदगी में स्पा सेंटर को खुलवाया गया। तलाशी में कई आपत्तिजनक सामान मिले। एसी के ऊपर से लेकर बाथरुम तक में यूज्ड कॉन्डोम पड़े थे। बेड के नीचे और अन्य जगहों से कॉन्डोम बरामद हुए हैं। इस मामले पर पुलिस आज बड़ा खुलासा कर सकती है। 3 दिन पहले भी भिलाई स्थित सूर्या मॉल में चल रहे स्पा

सेंटर में पुलिस ने छापा मारा था। यहां स्पा सेंटर की आड़ में खुलेआम देह व्यापार चल रहा था। भिलाई नगर सीएसपी निखिल रखेचा ने जब छापा मारा, तो यहां से 8 कोलकाता और बांग्लादेशी लड़कियां कुछ लोगों के साथ संदिग्ध हालत में पाई गईं। पुलिस ने स्पा सेंटर से बड़ी मात्रा में कंडोम और अन्य अमानक सामग्री भी जब्त की है। भिलाई के जुनवानी क्षेत्र स्थित सूर्या टीआई मॉल में 3 दिन पहले पुलिस ने छापेमारी करके सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया था। यहां से बांग्लादेश और भूटान सहित अन्य जगहों से आई 8 लड़कियों का रेस्क्यू किया गया। ये सभी लड़कियां मॉल के दूसरे फ्लोर में स्थित एसेंस द स्पा सेंटर में डीप मसाज के नाम पर देह व्यापार करती थीं। एसपी की पूछताछ में कुछ लड़कियों ने तो मसाज की बात कही, लेकिन कुछ ने बताया कि उन्हें बंद कमरे के अंदर कस्टमर के साथ गंदा काम करना पड़ता था। पुलिस ने मसाज सेंटर के अंदर से 8 लोगों को भी गिरफ्तार किया है।

छत्तीसगढ़ के भिलाई स्थित सूर्या मॉल में स्पा सेंटर की आड़ में खुलेआम देह व्यापार चल रहा था। भिलाई नगर सीएसपी निखिल रखेचा ने जब छापा मारा तो यहां से 8 कोलकाता और बांग्लादेशी लड़कियां कुछ लोगों के साथ संदिग्ध हालत में पाई गईं। पुलिस ने संचालक मोहम्मद शारिक खान को भी गिरफ्तार कर लिया है।

नक्सलियों ने ट्रक में लगाई आग

बैनर लगाकर आमदई खदान को रद्द करने को कहा

नारायणपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। नारायणपुर जिले में नक्सलियों का तांडव जारी है। नक्सलियों ने छोटेडोंगर की आमदई माइंस में लगे ट्रक को निशाना बनाया है। जिला मुख्यालय से 12 किमी दूर ग्राम कापसी और फरसगांव के बीच नया पुल के पास नक्सलियों ने आमदई खदान में लगे एक ट्रक को आग के हवाले किया है। जिससे ट्रक पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। नक्सलियों ने नारायणपुर छोटेडोंगर आमदई खदान को रद्द करने और निको कम्पनी से जुड़े लोगों मार भगाने की बात बैनर पर लिखी है। मिली जानकारी के अनुसार, नक्सलियों ने शुक्रवार तगड़े सुबह तीन से चार बजे के बीच आमदई माइंस के ट्रक को पेड़ गिराकर रोका और डीजल टैंक को फोड़कर डीजल पूरी गाड़ी में छिड़काव करते हुए आगजनी की घटना को अंजाम दिया। अभी नारायणपुर ओरछा मार्ग के सड़कों पर आवाजाही रुकी हुई है। नक्सलियों ने जिस वक्त ट्रक पर आग लगाई उस वक्त ट्रक नारायणपुर से छोटेडोंगर लौह अयस्क के लिए जा रहा था।

आईपीएल पर सट्टा लगवाने वाला आरोपी गिरफ्तार

कांकेर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल सीजन के शुरू होते ही सट्टे बाजार भी गर्म होने लगता है। जिसको लेकर ऑफलाइन सट्टा खेला और खिलाया जाता है। कांकेर कोतवाली पुलिस ने आईपीएल में ऑनलाइन सट्टा खिला रहे एक सटोरिए को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। कांकेर नगर के राजापारा निवासी यश जैन एक लाख 32 हजार रुपए का लेनदेन करने का हिसाब भी पाया गया है। सटोरिए के पास से नगद 13 सौ रुपए भी बरामद किए गए हैं। कांकेर कोतवाली प्रभारी शरद दुबे ने बताया कि मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली थी कि सुभाष वार्ड मछली बाजार के पास यश जैन नाम का एक व्यक्ति आईपीएल क्रिकेट मैच में हार जीत का दाव लगाकर ऑनलाइन सट्टा लिख रहा है। आरोपी के कब्जे से 1340 रुपया नकदी रकम एक मोबाईल फोन बरामद हुआ है।

क्वीन एलिजाबेथ की बर्थ एनिवर्सरी

रानी के ताज में जड़ा कोहिनूर ही नहीं, टीपू की अंगूठी, शाहजहां का वाइन कप भी ले गए अंग्रेज

लंदन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। 20वीं सदी और उससे पहले तक ब्रिटेन कई देशों पर राज कर रहा था। इनमें भारत उसकी सबसे बड़ी कॉलोनी थी। भारत को अंग्रेजी हुकूमत के ताज का हीरा कहा जाता था। एक अनुमान के मुताबिक, भारत में राज करने से अंग्रेजों को 45 ट्रिलियन डॉलर यानी 3 हजार 700 लाख करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

पहले ईस्ट इंडिया कंपनी और फिर ब्रिटिश राज के शासन के दौरान अंग्रेज भारत से बहुत कुछ ले गए। इनमें सबसे चर्चित है कोहिनूर हीरा। सितंबर 2022 में क्वीन एलिजाबेथ की डेथ से पहले तक ये उनके ताज की शान था। आज क्वीन एलिजाबेथ की बर्थ एनिवर्सरी पर हम आपको कोहिनूर के साथ उन कीमती हीरे, गहने और सामानों के बारे में बता रहे हैं जिसे अंग्रेज चुरा ले गए थे

कोहिनूर हीरे

कोहिनूर हीरे का इतिहास विवादों से भरा रहा है। कहा जाता है कि साल 1526 में हुमायूं ने आगरा किला पर हमला किया था। इसे जीतने पर बड़े पैमाने में खजाने के साथ-साथ विश्व प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा भी मिला था। बाबरनामा के मुताबिक, कोहिनूर हीरा इतना कीमती था कि इससे पूरी दुनिया को ढाई दिन का भोजन करवाया जा सकता था।

1739 में ईरानी शासक नादिर शाह ने आक्रमण किया। उसने आगरा और दिल्ली में लूटपाट की। वह कोहिनूर और मयूर सिंहासन को भी साथ ले गया। नादिर शाह की हत्या के बाद 1747 में यह हीरा अफगानिस्तान के अहमद शाह के पास पहुंचा। इसके बाद कोहनूर हीरा शुजा शाह के हाथों से होते हुए महाराजा रंजीत सिंह तक पहुंचा। औरंगजेब के शासन के दौरान उसने यह हीरा शाहजहां की देख-रेख में रखा था। शाहजहां आगरा किले में कैद होकर इसी हीरे से ताजमहल को देखते थे।

साल 1849 में जब अंग्रेजों ने पंजाब पर कब्जा किया तो इस हीरे को ब्रिटेन की तब की महारानी विक्टोरिया को सौंप दिया गया था। बाद में इसे और कई हीरों के साथ ब्रिटेन के शाही ताज में लगा दिया गया। महारानी एलिजाबेथ की मौत के बाद से कई बार कोहिनूर को वापस भारत लाने की मांग उठ चुकी है।

किंग चार्ल्स की एमरॉल्ड बेल्ट

5 साल पहले बकिंघम पैलेस ने प्रिंस चार्ल्स के 70वें जन्मदिन पर एक प्रदर्शनी लगाई थी। इसमें प्रिंस के पसंदीदा रॉयल कलेक्शन को शामिल किया गया। कई मूर्तियों, पेंटिंग्स और दूसरे सामानों के साथ इसमें एक 19 एमरॉल्ड (पन्ना रत्न) जड़ा सोने का एक कमरबंद भी शामिल था। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन जाने से पहले ये महाराज शेर सिंह के पास था। वो इसका इस्तेमाल अपने घोड़ों को सजाने के लिए करते थे।

इस कमरबंद को महाराजा रणजीत सिंह के 19 एमरॉल्ड से बनाया गया था। ये 1843 में उनके बेटे शेर सिंह को मिला। ब्रिटेन के रॉयल कलेक्शन के मुताबिक, 1849 में जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने पंजाब जीत लिया तो कमरबंद उनके खजाने में शामिल हो गया। 1851 में ब्रिटेन की तब की महारानी विक्टोरिया के सामने ग्रेट ऐग्जीबिशन लगाई गई। इसमें लाहौर में जीती गई ज्वेलरी को भी शामिल किया गया। यहां से पन्ना जड़ा कमरबंद शाही खजाने में शामिल हो गया।

तैमूर रूबी नेकलेस

द गार्जियन के मुताबिक, इंडियन आर्काइव से जुड़े दस्तावेजों में भारत से गए एक रूबी नेकलेस का भी जिक्र है। ये हार 4 बड़े स्पाइनल रूबी (मणिक) से बनाया गया है। इसमें से सबसे बड़ा रूबी 325.5 कैरेट का है जिसे बाद में तैमूर रूबी के तौर पर पहचाना गया। खास बात ये है कि ये स्पाइनल रूबी है जो दिखने में बाकी मणिक जैसा ही होता है लेकिन इसका केमिकल कॉम्पोजीशन अलग होता है।

तैमूर रूबी भारत से होता हुआ ईरान और अफगानिस्तान के महाराजाओं के पास भी रहा है। इस पर उन 5 राजाओं के नाम उकेरे गए थे जिनके पास ये मौजूद था। इनमें मुगल राजा जहांगीर,

शाहजहां, फरुखसियार, ईरान के नादिर शाह और अफगानिस्तान के राजा अहमद शाह दुरानी शामिल हैं। 1813 में ये अफगानिस्तान से भारत लौटा और महाराजा रणजीत सिंह के शाही खजाने का हिस्सा बन गया।

रॉयल कलेक्शन के मुताबिक, जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने लाहौर पर कब्जा किया तो तैमूर रूबी कोहिनूर के साथ क्वीन विक्टोरिया के पास पहुंचा था। 1853 में रॉयल फैमिली के खास ज्वेलर गैरार्ड ने स्पाइनल रूबी पत्थरों के साथ एक नया सोने और हीरे का हार बनाया था। इसे डिजाइन किया गया था ताकि तैमूर रूबी को नेकलेस से हटाकर उसकी जगह कोहिनूर हीरा लगाया जा सके।

टीपू सुल्तान की अंगूठी और तलवारें

टाइगर ऑफ मैसूर के नाम से पहचाने जाने वाले टीपू सुल्तान 1799 में अंग्रेजों से चौथी एंग्लो-मैसूर जंग श्रीरंगपट्टनम की लड़ाई में हार गए थे। इस युद्ध में ब्रिटिशर्स ने टीपू सुल्तान की हत्या कर दी थी। बीबीसी के मुताबिक, इसके बाद एक ब्रिटिश जनरल उनके शव से सोने की अंगूठी और तलवारें चुराकर ले गया था। इसके बाद अंग्रेजों की सेना ने उनके राज्य और लाइब्रेरी में भी काफी लूटपाट मचाई थी।

टीपू सुल्तान की अंगूठी 41.2 ग्राम की थी। 2014 में इस अंगूठी को करीब 1.50 करोड़ रुपए में नीलाम कर दिया गया था। नीलामी करने वाली क्रिस्टी वेबसाइट के मुताबिक इसे अनुमानित कीमत से 10 गुना ज्यादा कीमत पर बेचा गया था। हालांकि अंगूठी किसने खरीदी इसकी जानकारी नहीं है। इस अंगूठी की सबसे खास बात ये है कि एक मुस्लिम राजा के पास होने के बावजूद इस पर राम लिखा हुआ था।

टीपू सुल्तान की तलवारें विक्टोरिया और एल्बर्ट म्यूजियम में रखी हुई हैं। इस पर उनके राज्य का चिन्ह भी बना है। तलवारों के अलावा अंग्रेज एक टाइगर का शो पीस भी चुराकर ले गए थे। इसे 2009 में करीब 4 करोड़ रुपए में नीलाम कर दिया गया था।

शाहजहां का वाइन कप

1657 में मुगल साम्राज्य के बादशाह शाहजहां के लिए एक सफेद जेड वाइन कप बनाया गया था। इसे 19वीं सदी में कर्नल चार्ल्स सेटन गथरी ने चुरा लिया था। इस कप के नीचे एक कमल बना हुआ है जो एकेंथस की पत्तियों के बीच में खिला नजर आ रहा है। कप के हैंडल पर बकरी का मुंह है जिसमें सींग भी बने हुए हैं। ये कप 1962 से लंदन के विक्टोरिया और अल्बर्ट म्यूजियम में रखा हुआ है।

शाहजहां के इस कप को कुछ इस तरह से डिजाइन किया गया था कि ये कई संस्कृतियों को दर्शाता है। इसका आकार चीन से प्रेरित है। वहीं इसका हैंडल हिन्दू संस्कृति से लिया गया है। इसका बेस यूरोपीय कल्चर से प्रेरित है और 17वीं शताब्दी के मुगल साम्राज्य में इस तरह की कलाकारी देखी जाती थी।

महाराजा रणजीत सिंह का सिंहासन

महाराजा रणजीत सिंह के साम्राज्य में कई कीमती चीजें थीं। इनमें से एक था उनका सोने से बना सिंहासन। ये राजगद्दी 2 कमल के फूलों के आकार में बनाई गई थी। दरअसल, कमल का फूल हिन्दू संस्कृति में पवित्र माना जाता है। कई देवी-देवता भी इसे अपने आसन के तौर पर इस्तेमाल करते थे।

हालांकि, विक्टोरिया और एल्बर्ट की वेबसाइट के मुताबिक, रणजीत सिंह इस सिंहासन पर नहीं बैठते थे। इसकी जगह वो किसी दूसरी कुर्सी या जमीन पर बैठना पसंद करते थे। सिंहासन का इस्तेमाल ज्यादातर शाही समारोह के दौरान ही किया जाता है। 1849 में लाहौर पर कब्जे के बाद दूसरी बेशकीमती चीजों के साथ ही अंग्रेज इस सिंहासन को भी लंदन ले गए थे। वहां 1851 की ग्रेट ऐग्जीबिशन में इसे शामिल किया गया। इसके बाद ये राजगद्दी लंदन के इंडियन म्यूजियम में पहुंची। वहां से बाकी भारतीय कलेक्शन के साथ इसे विक्टोरिया और अल्बर्ट म्यूजियम में रख दिया गया।

नसक हीरा और दिल्ली का पर्पल सैफायर

कोहिनूर के अलावा नसक हीरा और दिल्ली पर्पल सैफायर डायमंड भी उन हीरों में शामिल है, जिसे अंग्रेज चुरा ले गए थे। नसक हीरे को द आई ऑफ द आईडल भी कहा जाता है। ये हीरा नीले रंग का है और इसे तेलंगाना के अमरगिरी खदान से निकाला गया था।

1507 से 1817 तक ये नासिक के त्रिम्बकेश्वर शिव मंदिर में रहा। 1818 में एंग्लो- मराठन जंग के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी इसे चुराकर ले गई। बाद में उन्होंने इस हीरे को एक ब्रिटिश ज्वेलर को बेच दिया। फिलहाल ये हीरा लेबनान के एक प्राइवेट म्यूजियम में रखा हुआ है। दिल्ली का पर्पल सैफायर डायमंड लंदन के नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम में मौजूद है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक, इसे 1857 की क्रांति के वक्त कानपुर के इंद्र मंदिर से चुराया गया था।

ईरान के सीक्रेट ड्रोन जखीरा

खुफिया बेस में मौजूद 200 ड्रोन, रूस-यूक्रेन जंग में इस्तेमाल होने की आशंका

तेहरान, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान की सेना ने अपनी ताकत दिखाने के लिए मिसाइलों से लैस करीब 200 ड्रोन्स की फोटो जारी की है। ईरान के सरकारी टीवी चैनल ने तेहरान के पास दुनिया के सबसे घातक ड्रोन्स होने का दावा भी किया। इसमें कहा गया कि ये ड्रोन्स एक खुफिया बेस में रखे गए हैं। हालांकि, बेस की लोकेशन कहां है, ये किसी को नहीं पता है।

अब इस बात की आशंका जताई जा रही है कि इन ड्रोन्स का इस्तेमाल रूस-यूक्रेन जंग में किया जा सकता है। यूक्रेन कई बार आरोप लगा चुका है कि रूसी सैनिक जंग में ईरानी हथियारों से हमला कर रहे हैं। हालांकि, ईरान इस बात से इनकार करता आ रहा है। वहीं, अमेरिका और यूरोपीय यूमियन ने ईरान के ड्रोन प्रोग्राम पर प्रतिबंध लगा दिया है।

पुतिन ने किया था ईरान का दौरा, यूएस ने कहा था- ईरान, रूस को हथियार बचना चाहता है

19 जुलाई 2022 को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ईरान

पहुंचे थे। ये उनकी पांचवी यात्रा थी। उन्होंने ईरान के सर्वोच्च नेता अली खमनेई से मुलाकात की थी। इसके बाद अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने कहा था कि उनके इंटेलिजेंस नेटवर्क को पता चला है कि ईरान कई हजार ड्रोन रूस को बेचना चाहता है। इनमें कई हथियार लगे होंगे, जिनका इस्तेमाल यूक्रेन की लड़ाई में किया जा सका है।

17 अक्टूबर 2022 को रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर कामीकाजे ड्रोन से हमला किया था। ये ईरान में बने थे। हमले में इस्तेमाल किए गए कामीकाजे ड्रोन का नाम शाहीद-136 था। इस ड्रोन को ईरान का सबसे खतरनाक हथियार माना जाता है।

यूक्रेन जंग में अपनी पकड़ मजबूत बनाने के मकसद से रूसी सेना ईरानी ड्रोन से हमले कर रही है। इस ईरानी ड्रोन को सुसाइड ड्रोन भी कहा जाता है। इसका वजन 200 किलोग्राम है। इस ड्रोन की रेंज 2500 किलोमीटर है। ईरानी ड्रोन शाहीद-136 का निशाना अचूक है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरानी ड्रोन के जरिए रूस, यूक्रेनी रडार सिस्टम को निशाना बना रहा है।

17 अक्टूबर 2022 को हुए हमले को लेकर अमेरिका का कहना था कि क्रीमिया में ईरानी सैनिक रूस के सैनिकों को जंग लड़ने की ट्रनिंग दे रहे हैं। व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा था- ईरानी सैनिकों को रूसी बलों की मदद के लिए क्रीमिया भेजा गया। वो रूसी सैनिकों को ड्रोन चलाना सिखा रहे हैं। इसके बादे से यूक्रेन पर हमले तेज हुए।

भारतीय मूल की राधा को अमेरिका के रक्षा मंत्रालय में मिला अहम पद

वाशिंगटन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी सीनेट ने राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ राधा अयंगर प्लंब को रक्षा विभाग की खरीद व रखरखाव का काम देखने के लिए उप अवर रक्षा मंत्री नियुक्त करने पुष्टि की है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्लंब को जून 2022 में इस प्रतिष्ठित पद के लिए नामित किया था, वे वर्तमान में उप रक्षा मंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में कार्यरत हैं। अमेरिकी सीनेट आवधिक प्रेस गैलरी ने मंगलवार को ट्वीट किया, "68-30 मतों से सीनेट ने राधा अयंगर प्लंब को उप अवर रक्षा मंत्री के रूप में मंजूरी दे दी। चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में नियुक्ति से पहले वह गूगल में रिसर्च एंड इनसाइट्स फॉर ट्रस्ट एंड सेफ्टी की निदेशक थीं।

क्या चीन वाकई भारत के साथ वार्ता को गंभीरता से ले रहा?

अमेरिका को ड्रैगन की नीयत पर शक

वाशिंगटन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका ने चीन और भारत के बीच बातचीत का सर्मथन किया है। उसका कहना है कि सीमा विवाद को खत्म करने के लिए दोनों देशों के बीच बातचीत होना जरूरी है। हालांकि बाइडन प्रशासन का यह भी कहना है कि बीजिंग इन वार्ताओं को गंभीरता से ले रहा है, लेकिन इसके सबूत बहुत कम मिले हैं।

दक्षिण और मध्य एशिया मामलों के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने कहा कि चीन के साथ भारत के सीमा विवाद पर हमारा रुख पुराना है।

चीन लगातार कर रहा हस्तक्षेप

उन्होंने कहा कि बहुत ही कम सबूत मिले हैं कि चीन सरकार इन वार्ताओं को वास्तविकता में गंभीरता से ले रही है। जो दिख रहा है वह इसके उलट है। हम वास्तविकता नियंत्रण रेखा पर होने वाले हस्तक्षेप को नियमित देख सकते हैं।

लू ने कहा कि चीन-भारत का कैसा भी संबंध हो, लेकिन अमेरिका भारत के साथ हमेशा खड़ा है। भारत हम पर पूरा भरोसा रख सकता है। उन्होंने कहा कि हमने गलवान संकट के दौरान 2020 में अपनी दोस्ती का सबूत दिया था। हम भारत के साथ आने वाले वर्षों में और अवसर तलाशेंगे और रिश्ते को आगे बढ़ाएंगे।

एक शीर्ष अमेरिकी थिंक-टैंक सेंटर फॉर ए न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी ने पिछले महीने एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत-चीन की बढ़ती दुश्मनी का संयुक्त राज्य अमेरिका और इसकी हिंद-प्रशांत रणनीति पर प्रभाव पड़ेगा।

लिसा कर्टिस ने एक रिपोर्ट जारी की थी उसमें कहा गया कि अमेरिका उस भूमिका पर विचार करता है, जिसमें वह भारत के साथ संबंधों को सुधार सके। साथ ही लिखा की अमेरिका को बारीकी से निगरानी करनी चाहिए और भविष्य में भारत-चीन सीमा संकट पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहना चाहिए। बता दें, लिसा कर्टिस ने साल 2017 से 2021 तक दक्षिण और मध्य एशिया के लिए राष्ट्रपति और एनएससी के वरिष्ठ निदेशक के उप सहायक के रूप में काम किया है।

अमेरिका में भारतीय छात्र की हत्या

वॉशिंगटन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के ओहायो में एक भारतीय छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। फिलहाल हमले की वजह सामने नहीं आई है। पुलिस का कहना है कि यो मामला चोरी से जुड़ा हो सकता है। आंध्रप्रदेश के इलुरु का रहने वाले 24 साल का साईश वीरा पढ़ाई के साथ गैस स्टेशन पर काम भी करता था। यहीं उसे गोली मार दी गई। साईश नवंबर 2021 में अमेरिका आया था। 10 दिन बाद उसका पोस्ट-ग्रेजुएशन पूरा होने वाला था। पुलिस ने बताया कि घटना 20 अप्रैल को ओहायो के कोलंबस शहर में हुई। एक अधिकारी ने कहा- हमें होपहर 12:50 बजे (लोकल समय के मुताबिक) खबर मिली की एक गैस स्टेशन पर गोलीबारी हुई है। मौके पर पहुंचे तो देखा की एक 24 साल का एक भारतीय जमीन पर गिरा था। वो गंभीर रूप से घायल था। उसके शरीर पर गोली के निशान थे। उसे फौरन अस्पताल ले जाया गया। लेकिन आधे घंटे बाद करीब 1:27 बजे उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि हमलावर गोली मार कर वहां से भाग गया। पुलिस अधिकारी ने कहा- हम आरोपी की तलाश कर रहे हैं। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के आधार पर हम उसे ढूंढ रहे हैं। फिलहाल हमारे पास उसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन हमें लगता है कि वो हाल ही में हुई एक चोरी की घटना का संदिग्ध हो सकता है। या फिर हो सकता है कि आपसी विवाद के चलते ये हमला हुआ हो। हम कुछ कह नहीं सकते। पूरे मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी की एक तस्वीर भी जारी की है।

एच-1बी वीजा मिलने पर अमेरिका गया था साईश वीरा

साईश वीरा आईटी की पढ़ाई करने अमेरिका गया था। सरकार ने उसे एच-1बी वीजा जारी किया था। ये आमतौर पर उन लोगों के लिए जारी किया जाता है, जो किसी खास पेशे (जैसे-आईटी प्रोफेशनल, आर्किट्रेक्टचर, हेल्थ प्रोफेशनल आदि) से जुड़े होते हैं।

ऐसे प्रोफेशनल्स जिन्हें जॉब ऑफर होती है या उन्हें अमेरिका में पढ़ाई के लिए चुना जाता है तब ही उन्हें ये वीजा दिया जाता है।

अमेरिका ने भारत को सराहा

कहा- यूक्रेन मसले पर हम एकमत नहीं, फिर भी हमारे रिश्ते मजबूत हुए

वाशिंगटन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। एक साल से चल रहा रूस यूक्रेन युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में अमेरिका ने रूस से युद्ध को रोकने की अपील की है। साथ ही भारत से भी आग्रह किया कि वह रूसी राष्ट्रपति को युद्ध से पीछे हटने को कहें। हालांकि बाइडन प्रशासन ने यह भी साफ कर दिया है कि इस युद्ध का अमेरिका-भारत के संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ा है। दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के सहायक सचिव डोनाल्ड लू ने गुरुवार को कहा कि रूस-युक्रेन युद्ध ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों को तोड़ने के बजाय वास्तव में मजबूत किया है। उन्होंने आगे कहा कि यह सच है कि हमने हमेशा यूक्रेन में रूस के युद्ध के लिए समान दृष्टिकोण साझा नहीं किया है। लेकिन हम इस बात को साझा करते हैं कि यह युद्ध जल्द से जल्द समाप्त होना चाहिए।

डोनाल्ड लू ने कहा कि रूस के साथ भारत के लंबे समय से संबंध हैं। इसलिए भारत से आग्रह है कि वह व्लादिमीर पुतिन से अपने युद्ध को समाप्त करने और यूक्रेनी क्षेत्र से हटने पर बात करें। उन्होंने आगे कहा कि हम भारत से सहमत हैं कि रूस-यूक्रेन युद्ध का समाधान बातचीत से निकाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ने यूक्रेन में मानवीय सहायता प्रदान की है। इसका हम स्वागत करते हैं। साथ ही बाली में जी-20 शिखर सम्मेलन में वार्ता और कूटनीति के आह्वान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणियों का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध के पहले दिनों से भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच निरंतर बातचीत हुई है।

प्रिंस विलियम ने भारतीय रेस्त्रां में फोन पर की ग्राहक से बात

उनके लिए टेबल की बुकिंग भी की

बर्मिंघम, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रिंस विलियम ने गुरुवार को शाही यात्रा के दौरान एक अनजान ग्राहक से फोन पर बात की। वाकया बर्मिंघम के एक भारतीय रेस्त्रां का है। यहां उन्होंने एक अनजान ग्राहक का फोन रिसीव किया और टेबल बुकिंग के लिए बात की। यह रेस्त्रां एक परिवार के लोग मिलकर चलाते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भविष्य के ब्रिटेन के राजा, उनकी पत्नी केट मध्य इंग्लैंड में बर्मिंघम की अपनी यात्रा के दौरान एक परिवार की ओर संचालित भारतीय स्ट्रीटरी पहुंचे थे। इस दौरान रेस्त्रां में एक फोन आया। फोन करने वाले ग्राहक को दो लोगों के लिए टेबल बुक करनी थी। बताया जा रहा है कि फोन पर बात करने के बाद प्रिंस विलियम ने रेस्त्रों मालिकों से बात की और बुकिंग की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने टेबल खाली होने की स्थिति को लेकर भी चर्चा की। ग्राहक को एक ट्रेन भी पकड़नी थी, ऐसे में उनके समय के मुताबिक बुकिंग की व्यवस्था के लिए प्रिंस ने रेस्त्रां की बुकिंग लिस्ट को चेक किया। प्रिंस ने बातचीत समाप्त करते हुए पूछा कि बुकिंग किसके नाम पर करनी है? सवा दो बजे मिलते हैं। रोचक यह भी रहा कि ग्राहक को पता ही नहीं चला कि फोन पर उनकी प्रिंस विलियम से बात हो रही है। उन्होंने फोन करने वाले को अपना नाम तक नहीं बताया। विलियम के कार्यालय ने ट्विटर पर कहा कि उम्मीद है कि हमने इस ग्राहक को सही जगह पर आने पहुंचने में मदद की! बताया जा रहा है कि प्रिंस ने रेस्त्रां की रसोई में व्यंजन तैयार करने में भी स्टाफ की मदद की।

6 साल की बच्ची पर फायरिंग

वाशिंगटन, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में एक आदमी ने 6 साल की बच्ची और उसके परिजनों पर गोली चला दी। दरअसल, गुरुवार को बच्ची अपने घर के बाहर बास्केटबॉल खेल रही थी। तभी उसकी बॉल लुढ़ककर पड़ोसी के यार्ड में चली गई। इस पर आरोपी ने बच्ची पर चिल्ला दिया। इस पर बच्ची के पिता से उसकी बहस हो गई और उसने फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान एक गोली पिता की पीठ पर लगी और एक बच्ची के चेहरे को छूकर निकली। उनकी मां को भी हाथ पर चोट आई है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची के पिता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नॉर्थ कैरोलिना की गैस्टन काउंटी में एक 6 साल की बच्ची अपने घर के बाहर बास्केटबॉल खेल रही थी।

एयरपोर्ट से 121 करोड़ का सोना चोरी

ओट्टावा, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कनाडा के सबसे बड़े टोरेंटो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 17 अप्रैल देर शाम एक स्पेशल कंटेनर पहुंचा। इसमें 14.8 मिलियन डॉलर यानी 121 करोड़ रुपए का सोना और दूसरा कीमती सामान था। इसे सुरक्षित तरीके से कार्गो फैसिलिटी में शिफ्ट कर दिया गया।

जांच कर इंस्पेक्टर डूइविस्टन ने इस मामले को अनोखा बताया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वे जांच पूरी होने तक यह नहीं बता सकते कि कार्गो किस कंपनी का था और कौन सी एयरलाइन से लाया गया था और इसका वेट कितना था। इस मामले में अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस को इसके पीछे किसी बड़ी गैंग का हाथ होने का शक है। यह गैंग कनाडा में है या नहीं, यह भी पता नहीं चल पाया है, न कोई बड़ा सुराग हाथ लगा है।

बात 1952 की है। टोरेंटो से एक प्लेन कनाडा के मॉन्ट्रियल इलाके में पहुंचा था। लैंडिंग की तो पता चला की सोने के 10 डिब्बों में से 4 चोरी हो गए हैं। तब चोरी हुए सोने की कीमत 14 करोड़ रुपए थी। इस मामले में कनाडा और अमेरिका के लोगों ने काफी दिलचस्पी ली थी। अमेरिका की दिलचस्पी की वजह यह थी कि सोना चोरी होने के बाद वहां के ब्लैक मार्केट में पहुंच गया था। पुलिस उड़ते प्लेन में हुई इस चोरी की जांच कभी पूरी नहीं कर पाई। चोरी कैसे हुई यह अब तक रहस्य है। इसे लेकर कई तरह की थ्योरी सामने आई थीं। इनमें से एक ये थी कि एयरपोर्ट पर वजन करने के दौरान ही 4 डिब्बे गायब हो गए थे।

मंत्री खाचरियावास बोले–मैंने अब उड़ते तीर लेने छोड़ दिए

बीजेपी ने मुझे हेलीकॉप्टर से धक्का दिया,तब सोनिया गांधी ने मुझे पार्लियामेंट टिकट दिया था

जयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने सचिन पायलट मुद्दे से लेकर पार्टी के भीतर चल रह खींचतान से खुद को अलग बताते हुए कांग्रेस के साथ होने की बात कही है। पायलट और दूसरे नेताओं के बयानों पर खाचरियावास ने कहा-मैं सब के बयान का सम्मान करता हूं। मेरी किसी मंत्री से, किसी विधायक से, किसी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष से,पायलट साहब से कोई लड़ाई नहीं है। कान खोल कर सुन लीजिए, मैंने उड़ते तीतर लेना छोड़ दिया है, कोई किसी को गलतफहमी है तो निकाल देना। खाचरियावास ने कहा-मैं कांग्रेस पार्टी के साथ हूं, हम कांग्रेस को सम्मान देंगे। क्योंकि सोनिया गांधी ने मुझे पार्लियामेंट का टिकट तब दिया था जब बीजेपी ने मुझे हेलीकॉप्टर से धक्का दे दिया था, इसलिए मैं उस परिवार का बहुत सम्मान करता हूं।

मेरा खून पसीना आपको कहीं चाहिए तो ले लेना

खाचरियावास ने कहा- मैं सोनिया गांधी और राहुल गांधी की आवाज पर कांग्रेस के पंजे को जिताने के लिए जान लड़ा दूंगा। कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए मैं पूरे राजस्थान में जाकर लोगों को जोड़ूंगा। जैसे पहले आंदोलन करता था वैसे ही करूंगा। यूनिवर्सिटी से लेकर आज तक राजनीति कर रहा हूं। पूरा राजस्थान हमारा परिवार है। सरकार बनाने के लिए अपना खून पसीना बहाऊंगा। वही बात मैंने प्रभारी से कही है कि मेरा खून पसीना आपको कहीं चाहिए तो ले लेना, लेकिन कांग्रेस मजबूत होनी चाहिए।

बीजेपी की हवा निकाल देंगे

खाचरियावास ने कहा- मैं आज कह रहा हूं। बीजेपी का बुखार मिटा देंगे। बीजेपी के नेताओं को जो पेट में दर्द है, झूठ के जनरेटर बनकर पूरे राजस्थान में जनाक्रोश के नाम बड़ी-बड़ी फेंक रहे हैं, हम इनके दावों की हवा निकाल देंगे। बीजेपी नेता कांग्रेस के नेताओं पर झूठे आरोप लगा रहे हैं। पेपर लीक को लेकर राजस्थान की सरकार ने जैसी कार्रवाई की और नकल रोकने का जैसा कानून बनाया वैसा आज तक किसी सरकार ने नहीं किया।

बीजेपी वाले रामभक्त होंगे लेकिन हम भक्त के साथ राम के बेटे भी हैं

खाचरियावास ने कहा-बीजेपी वाले रामभक्त होंगे लेकिन हम राम के बेटे हैं और राम के भक्त भी हैं। हमारे में एक ज्यादा है। हम राम के बच्चे भी हैं। बीजेपी का नाटक न राम जी मानेंगे ना ठाकुर जी मानेंगे। राम का आशीर्वाद तो कांग्रेस को मिलेगा।

मर जाएंगे लेकिन पेपर लीक माफिया का अंत करेंगे

खाचरियावास ने कहा- हमने आरपीएससी के मेंबर को बंद किया लेकिन बीजेपी ने कभी बंद किया क्या? बीजेपी ने अपने राज में किसी बड़े अफसर के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। नकल रोकने बीजेपी ने कोई कानून नहीं बनाया। पेपर लीक रोकने के लिए पहला कानून बनाने वाला राज्य राजस्थान बना इसीलिए बीजेपी के पेट में दर्द है। सरकार ने नकल माफिया की गिरफ्तारियां करके राजस्थान में नकल माफिया का अंत की शुरुआत कर दी। पेपर लीक माफिया का अंत करना भी हमारी जिम्मेदारी है, हम मर जाएंगे लेकिन पेपर माफिया से राजस्थान को मुक्ति दिलाएंगे।

रामप्रसाद सुसाइड मामले में कार्रवाई की मांग

रामप्रसाद मीणा सुसाइड पर प्रतापसिंह ने कहा-खुद के पास पट्टा होने के बावजूद मकान बनाने से राम प्रसाद मीणा को रोका गया और उसने सुसाइड कर लिया। पट्टा होने के बावजूद उसे मकान क्यों नहीं बनाने दिया, इसमें जो अफसर दोषी हैं उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।

रेप के आरोपी को 20 साल की जेल

साढ़े तीन साल बाद कोर्ट का फैसला, 25 हजार रुपए का लगाया जुर्माना

चित्तौड़गढ़, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पोक्सो कोर्ट-1 ने नाबालिग के साथ रेप के मामले में आरोपी को 20 साल की सजा सुनाई है। उस पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। मामला साढ़े तीन साल पुराना है। आरोपी ने 13 साल की एक नाबालिग के साथ रेप किया था। पब्लिक प्रोसीक्यूटर शोभा लाल जाट ने बताया कि बेगूं थाना क्षेत्र निवासी और उसकी 13 साल की बेटी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। नाबालिग ने बताया था कि वह बकरियां चराने जंगल की तरफ गई थी और शाम को वापस आ रही थी। इस दौरान जांबू कुड़ी निवासी चंदिया पुत्र रामलाल भील जंगल में आया और रेप किया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में पेश किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चार्ज शीट पेश की। पोक्सो कोर्ट-एक के पीठासीन अधिकारी ने दोनों पक्षों की बहस सुनी। पीड़ित पक्ष की तरफ से कुल 14 गवाह और 28 डाक्यूमेंट्स पेश किए गए। सबको सुनने और जांचने के बाद न्यायधीश ने आरोपी चंदिया भील को 20 साल की सजा सुनाई और 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया।

13 रुपए के सीप से निकला 2 लाख का मोती

इस किसान के मोतियों की जापान-दुबई तक डिमांड, हर साल 15 लाख कमा रहे

सीकर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। 13 रुपए के सीप से 2 लाख रुपए का हार्ट शेप का 68 कैरट का मोती निकलना आम बात नहीं है। सीकर के पर्ल फार्मर विनोद भारती (43) ने साढ़े 3 साल के सब्र के बाद ऐसा नायाब मोती पाया। उनका कहना है कि पर्ल फार्मिंग किसान के सब्र की परीक्षा लेती है। म्हारे देस की खेती में इस बार बात मोतियों वाले बाबा के नाम से पहचान रखने वाले किसान विनोद भारती की।

सीकर जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर खाटू कस्बा है। यहां से 11 किलोमीटर की दूरी पर छोटा सा गांव है बाय। गांव में किसान विनोद भारती का 5 हजार वर्ग मीटर का फार्म हाउस है। यहां 5 अलग-अलग आकार के पॉन्ड और पर्ल फार्मिंग के लिए जरूरी सेटअप है। सीप से मोती उगाकर विनोद भारती सालाना औसतन 15 लाख रुपए की इनकम कर रहे हैं।

मोतियों वाले बाबा के नाम से पहचान

मोती की खेती से जुड़े होने के कारण ही उन्हें मोतियों वाला बाबा कहा जाता है। विनोद का दावा है कि वह राजस्थान के पहले नवाचारी मोती उत्पादक किसान हैं। खेती में नए प्रयोग की वजह से उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और वर्तमान सीएम अशोक गहलोत सम्मानित कर चुके हैं।

कंप्यूटर पढ़ाया फिर की पर्ल फार्मिंग

किसान विनोद ने बताया कि 7 साल पहले 2016 में उन्होंने पर्ल फार्मिंग शुरू की। इससे पहले ग्रेजुएशन कंप्लीट करने के बाद उन्होंने कंप्यूटर में डिप्लोमा किया और कंप्यूटर टीचर बन गए। बच्चों को पढ़ाने लगे। इस दौरान कुछ अलग करने का विचार किया। पर्ल फार्मिंग के बारे में पता किया तो कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी मिली कि मोती समुद्री किनारे वाले एरिया में होता है। राजस्थान में मोती उत्पादन के हालात कठिन हैं। उन्होंने इंटरनेट पर मोती की खेती के वीडियो देखे। एक परिचित कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि माहौल को अनुकूल कर राजस्थान में मोती की खेती की जा सकती है।

2016 में ही विनोद उड़ीसा गए और वहां आईसीएआर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद) के जरिए भुवनेश्वर में केंद्रीय मीठा जलजीव पालन संस्थान (सीआईएफए) में एक महीने तक मोतियों की खेती की ट्रेनिंग ली। ट्रेनिंग लेने के बाद उन्होंने अपने गांव लौटकर 10 बाई 5 फीट की छोटी जगह में पॉन्ड बनाया और उड़ीसा से 500 सीप लाकर काम शुरू किया।

मोडासा के पटाखा गोदाम में लगी भीषण आग, अंदर फंसे चार युवाओं की जलने से मौत

डूंगरपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। डूंगरपुर जिले से सटे गुजरात के मोडासा जिले में हिम्मतनगर मोडासा हाईवे पर लालपुरा क्षेत्र में एक पटाखा गोदाम में लगी आग में चार युवाओं की जलकर मौत हो गई। हादसा गुरुवार दोपहर का है। हादसे में जान गंवाने वाले चारों युवा डूंगरपुर जिले के निवासी हैं। जानकारी के अनुसार में लालपुरा क्षेत्र में के पटाखा गोदाम की भीषण आग में वहां मजदूरी करने गए डूंगरपुर जिले के चार युवाओं की जलने से मौत हो गई। मौके पर मौजूद मृतकों के साथी सचिन के मुताबिक पटाखा गोदाम के ऊपर दूसरी मंजिल के निर्माण का कार्य चल रहा था।

उसके चारों साथी निर्माण कार्य में लगे हुए थे। इस बीच ग्राउंड फ्लोर में बने पटाखों के गोदाम में अचानक आग लग गई। गोदाम में रखे पटाखों में तेज ध्वनि के साथ विस्फोट होने लगा। चारों ने वहां से निकलने का प्रयास किया लेकिन असफल रहे।

हादसे की सूचना पर मौके पर अग्निशमन दल की कई गाड़ियां पहुंची और आग पर काबू करने का प्रयास किया। आग इतनी भीषण थी कि अगले दिन शुक्रवार सुबह तक आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। हादसे की जानकारी मिलने पर जिला कलेक्टर अरवल्ली ने मौके पर पहुंचकर सारी घटना की जानकारी ली। उन्होंने हादसे के पीछे जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

भाजपा ने कांग्रेस सरकार को घेरा

भगवान श्रीराम पर चतराराम के विवादित बयान से हंगामा

चित्तौड़गढ़, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले दिनों चित्तौड़गढ़ के कपासन में एक सार्वजनिक सभा में भगवान श्रीराम पर विवादित बयान देने वाले घुमंतू बोर्ड के उपाध्यक्ष चतराराम देशबंधु का वीडियो वायरल हो रहा है। भगवान श्रीराम पर अपशब्द बोलने वाले चतराराम देशबंधु से जब बातचीत की गई तो उन्होंने कहा कि मैंने जो अपना बयान दिया है मैं उस पर कायम हूं। उन्होंने इसका आधार बताते हुए कहा कि दक्षिण भारत में एक पुस्तक पहले से है, जिसमें इसका उल्लेख किया गया है।

देशबंधु ने कहा पर पीके फिल्म में दिखाया गया है कि किस तरह रॉन्ग नंबर डायल हो रहे हैं। वैसे ही यहां भी रॉन्ग नंबर डायल हो रहे हैं। उन्होंने पीके फिल्म का हवाला देते हुए कहा कि भगवान कुछ नहीं होते तो केवल इंसान में ही भगवान होता है। रांग नंबर डायल हो गया है। न तो कोई भगवान होते हैं और न ही भगवान कुछ है। इंसान के अंदर सब कुछ बसा हुआ है। अगर इंसान अपने आप में विश्ववास करें तो सब कुछ अच्छा होता है।

अपने बयान पर आज भी कायम

उन्होंने कहा कि अपने दिए बयान को लेकर के भी कहा कि मैं भी कायम हूं। मैंने कोई गलत बयान नहीं दिया है। मैंने सोच समझकर बयान दिया है और मैंने उसे पढ़ा है। तभी तो मैंने उसका उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि भारत के लेखक पेरियार रामास्वामी द्वारा कही गई यह बात दूसरी रामायण में भी इसका उल्लेख है, तो मैं गलत कहां हूं। वहीं, आपको बता दें कि देशबंधु का वीडियो वायरल होने के बाद शहर में भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

बीजेपी ने सरकार को घेरा

राजस्थान बीजेपी ने ट्वीट कर कहा- ये हैं गहलोत सरकार के मंत्री चतराराम देशबंधु, जो भगवान श्रीराम को लेकर कितनी घटिया बात कह रहे हैं, कांग्रेस पार्टी जहां भगवान राम के अस्तित्व पर ही सवाल उठाती है, वहीं, उसके नेता श्रीराम को लेकर कैसी घटिया बातें करते हैं।

साधु ने गोशाला में सुसाइड से पहले बनाया वीडियो

कहा-अकाउंटेंट और पति-पत्नी ने मुझे इतना टॉर्चर किया कि अब जान दे रहा हूं

बाड़मेर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। गोशाला में एक साधु ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले साधु ने वीडियो बनाया और इसमें तीन लोगों का नाम लेकर कहा कि इन्होंने इतना टॉर्चर किया कि अब जान दे रहा हूं। घटना बाड़मेर ग्रामीण थाना क्षेत्र के दांता गांव की है। मामला शुक्रवार सुबह 5 बजे का बताया जा रहा है। इधर, वीडियो सामने आने के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

ग्रामीण थानाधिकारी परबतसिंह ने बताया कि गांव दांता गांव में पाबूजी राठौड़ नाम की गोशाला है। यहां साधु दयालपुरी (70) पिछले 7-8 साल से इसका संचालन कर रहे हैं और वे यहीं रहते हैं। कुछ स्टॉफ भी गोशाला में था। रात में दयालपुरी समेत अन्य स्टाफ गोशाला में सो गए थे। उन्होंने बताया कि रात में ही दयालपुरी ने गोशाला में टीनशेड पर रस्सी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सुबह 5 बजे जब स्टाफ उठा तो दयालपुरी फंदे पर लटक रहे थे। उन्होंने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाड़मेर के जिला हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है।

सीएम ने सच से अपने पक्ष में किया माहौल

अंग्रेजी कमजोर है, मुख्य सचिव से कराया अनुवाद

जयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव 2023 मुहाने पर ही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत निरंतर सरकार वापसी की बात कर रहे हैं, परंतु इसके लिए मुख्यमंत्री गहलोत को अफसरशाही और विधायकों का पूर्ण समर्थन चाहिए। विधायकों को साधने के लिए मुख्यमंत्री और पार्टी महामंथन कर रही है और साथ ही टिकट कट जाने का भय भी दिखा रही है, जबकि ब्यूरोक्रेसी को साधने के लिए न कोई मंथन चलेगा और न कोई भय, मुख्यमंत्री गहलोत भी जानते हैं कि अगर अफसरशाही ने पेन डाउन कर दिया तो फिर कोई भी योजना हो उसको सिरे से उतारना असंभव हो जाएगा।

इसी क्रम में सिविल सर्विस-डे को राजस्थान में खास बनने के लिए सिविल सेवा दिवस मनाया गया और साथ ही सिविल सेवा में उत्कर्ष कार्य करने वाले अफसरों को पुरस्कार भी दिए गए। मुख्यमंत्री गहलोत को ब्यूरोक्रेसी के साथ काम का 40 साल का अनुभव है, जिसका परिचय गहलोत ने मंच पर दिया।

दरअसल हुआ यूं कि सिविल सेवा के बड़े अधिकारी एम दामोदरन को विशेष मेहमान के रूप में बुलाया गया। दामोदरन अभी रिटायर्ड हैं और पिछले कई सालों से सिविल सेवा के अधिकारियों को मोटिवेशन देते हैं। दामोदरन का पूरा भाषण अंग्रेजी भाषा में हुआ, भाषण के दौरान कई बार मुख्य सचिव उषा शर्मा मुख्यमंत्री गहलोत को कुछ बताते हुए नजर आईं। 30 मिनट के भाषण में यह कई बार हुआ और सभी कानाफूसी कर रहे थे कि मुख्यमंत्री को अंग्रेजी नहीं आती इसलिए मुख्य सचिव मुख्यमंत्री गहलोत को बता रही हैं कि दामोदरन क्या कह रहे हैं।

जब मुख्यमंत्री गहलोत अपनी बात करने के लिए मंच पर पहुंचे उस समय मुख्यमंत्री गहलोत को पता था कि हॉल में क्या चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री गहलोत ने अपनी कमजोरी को ताकत बनाते हुए अपने भाषण की शुरुआत में ही बताया कि मेरी अंग्रेजी कमजोर है। मैं 40% समझ जाता हूं, 60% के लिए मदद लगती है, जो आज मुख्य सचिव उषा शर्मा कर रही थीं, वो मुझे बता रही थीं कि क्या बोला जा रहा है।

झिझक के साथ मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठीं मुख्य सचिव उषा

मुख्यमंत्री गहलोत यही नहीं रुके वो बोले कि जैसी मेरी अंग्रेजी है, ठीक उसी प्रकार की हिन्दी दामोदरन कि है, इसलिए अब मुख्य सचिव दामोदरन को भी बताए कि मैं क्या बोल रहा हूं। इस बात पर पूरा हॉल हंसी से गूंज गया, मुख्यमंत्री गहलोत ने मुख्य सचिव को अपनी कुर्सी पर बैठाकर दामोदरन को ट्रांसलेट करने के लिए कहा। पहले तो मुख्य सचिव थोड़ी झिझकीं पर मुख्यमंत्री गहलोत के निरंतर अग्राह के आगे उनको मानना पड़ा और मुख्य सचिव के मुख्यमंत्री गहलोत की कुर्सी पर बैठते ही हॉल में तालियां गूंज उठीं।

भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष गोपाल माली पर एफआईआर पुलिस को धमकाने और अपशब्द बोलने पर कार्रवाई

सिरोही, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। बता दें कि नाबालिग लड़की के गुम होने के बाद कई दिन तक उसका सुराग नहीं लगने से नाराज माली समाज ने अनादरा थाने का घेराव किया था। इस दौरान धरना स्थल पर मौजूद धरनार्थियों को संबोधित करते हुए गोपाल माली ने पुलिस की कार्यशैली पर जमकर प्रहार करते हुए धरने को सम्बोधित किया था। उस समय मौके पर पुलिस विभाग के कई अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार रेवदर थाना पुलिस ने थाने के आसूचना अधिकारी बन्नेसिंह की सूचना पर रेवदर वृत अधीक्षक घनश्याम वर्मा ने रेवदर थाने में मामला दर्ज करवाया है।

माली पर आरोप है कि उन्होंने पुलिस को धमकाते हुए राजकार्य में बांधा पहुंचाई और पुलिस के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया। इसी महीने की गत 9 अप्रैल के घनाक्रम को आधार बनाकर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। गौरतलब है सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी खूब वायरल हुआ था, गोपाल माली का जो जिलेभर में खासा चर्चा का विषय भी रहा था। मामला दर्ज होने से भाजपा युवामोर्चा के जिलाध्यक्ष गोपाल माली की मुश्किलें बढ़ सकती है..!

क्योंकि सिरोही पुलिस ने जिन आईपीसी कि गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया, जिसमें ठोस सजा का भी विधिक प्रावधान है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज करके अनुसंधान शुरू कर दिया है।

आगरिया में अपने शावकों की तलाश में घूम रही मादा पैंथर ने पुजारी पर किया हमला, ग्रामीणों में दहशत

राजसमंद, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। आमेट के आगरिया क्षेत्र में रोज की तरह पुजारी वरनिया वेरी मंदिर में सेवा-पूजा के लिए जा रहा था। इसी दौरान पीछे से मादा पैंथर ने उस पर हमला कर दिया। पैंथर पुजारी को करीब दस मीटर तक खींचता रहा। पुजारी के शरीर पर पैंथर ने कई जगह हमला कर लहूलुहान कर दिया।

काफी देर तक पुजारी पैंथर से संघर्ष करता रहा और चिल्लाता रहा। आसपास के लोग वहां पहुंचे। शोर सुनकर पैंथर वहां से भाग निकला। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल पुजारी को आमेट चिकित्सालय लेकर आए, जहां पुजारी का इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि इस क्षेत्र में पैंथर का बड़ा कुनबा विचरण करता है। ऐसे में जिस मादा पैंथर ने पुजारी पर हमला किया उसके दो शावक उससे बिछड़ गए थे। मादा पैंथर उनकी तलाश में इधर से उधर भटक रही थी और इसी दौरान मादा पैंथर ने पुजारी पर हमला कर दिया। पूरे मामले की जानकारी वन विभाग को देने के बाद भी वन विभाग के अधिकारी काफी देर तक नहीं पहुंचे। वहीं, मादा पैंथर के शावक घटना के बाद दिखाई दिए, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

पायलट समर्थक मंत्री का तंज : मानेसर भूले नहीं क्या?

महेश जोशी पर भी साधा निशाना, कहा- सुसाइड केस ने सब कामों पर पानी फेर दिया

जयपुर, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस में चार दिनों से चल रहे फीडबैक में एक बार फिर गुटबाजी और मानसेर वाले घटनाक्रम को जिंदा कर दिया है। फीडबैक में प्रदेशाध्यक्ष की ओर से मानेसर वाले मुद्दे का जिक्र करने के बाद अब पायलट समर्थक मंत्री भी एक बार फिर खुलकर सामने आ चुके हैं।

अब मंत्री मुरारीलाल मीणा ने मानेसर वाले तंज और राम प्रसाद मीणा सुसाइड केस में डोटासरा और मंत्री महेश जोशी दोनों पर निशाना साधा है। दरअसल, 17 से 20 अप्रैल तक जयपुर में प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटसरा और सीएम अशोक गहलोत द्वारा सभी संभाग को लेकर विधायकों से वन टू वन किया जा रहा था। 20 अप्रैल गुरुवार को अंतिम चरण में जयपुर संभाग का फीडबैक था।

फीडबैक खत्म होने के बाद मंत्री मुरारीलाल मीणा वॉर रूम पहुंचे और मीडिया से बातचीत करते हुए बोले- अभी मानेसर भूले नहीं क्या? मानेसर जाकर हमने क्या कर दिया। हाईकमान से मिलने गए थे, मिलकर अपनी बात रख आए। इसके बाद तो हम मंत्री बन गए भाई। अब कहां बीच में है मानेसर।

दरअसल, कांग्रेस फीडबैक बैठक के पहले दिन प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पायलट समर्थक विधायक हरीश मीणा के बारे में उनके सामने प्रभारी सुखजिंदर रंधावा से यह जिक्र किया था कि ये मानेसर जाने वालों में हैं। इस पर हरीश मीणा ने भी डोटासरा पर पलटवार करते हुए इसे गलत बताया था। अब मुरारी मीणा ने खुलकर मानेसर पर बयान देकर उस विवाद को फिर ताजा कर दिया।

रामप्रसाद सुसाइड से आदिवासी-मीणा वोटों का नुकसान

मंत्री महेश जोशी सहित आठ लोगों पर परेशान करने का आरोप लगाकर आत्महत्या करने वाले रामप्रसाद मीणा पर कांग्रेस के भीतर ही अब सवाल उठने लगे हैं। मुरारीलाल मीणा ने खुलकर कहा है कि रामप्रसाद की आत्महत्या से कांग्रेस को एसटी वोटों का नुकसान होगा और एक घटना सब कामों और योजनाओं पर पानी फेर देती है। मरते वक्त आदमी झूठ नहीं बोलता है। लोग हमें कह रहे हैं एक एसटी के व्यक्ति को इस तरह मार दिया तुम सरकार में बैठे क्या कर रहे हो? वे बोले-अभी हाल ही में जो रामप्रसाद वाली घटना हुई है, वह आदिवासी समाज से ताल्लुक रखता है। आदिवासी वोट कांग्रेस के हैं। एक आदिवासी व्यक्ति की जिस तरह से मौत हुई है, तीन दिन से लाश पड़ी है।

अकेले विकास से नहीं जीत पाएंगे और चीजों को भी बैलेंस करना पड़ेगा

मुरारीलाल मीणा ने कहा कि जातीय समीकरण बहुत हावी हैं। विकास के फायदे होते हैं, लेकिन मेरा जहां तक व्यक्तिगत आइडिया है और 10 चीजें ऐसी होती है जिनका सामंजस्य बैठाना पड़ता है। तब जाकर चुनाव जीतने का सौ फीसदी चांस बनता है। विकास के साथ हमें और चीजों को भी बैलेंस करना पड़ेगा। जातीय समीकरण होते हैं। व्यक्तिगत व्यवहार के वोट होते हैं, पार्टी के वोट होते हैं। टिकट के समीकरण के और एक दूसरे को हराने के वोट होते हैं। चुनाव में इन 10 तरह के फैक्टर्स में जो जितनों को बैलेंस कर लेता है वह चुनाव जीत जाता है।

सिखवाल समाज द्वारा तीन दिवसीय नानीबाई का मायरा आयोजित

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। फीलखाना स्थित श्रृंग ऋषि भवन में सिखवाल समाज, हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय नानी बाई का मायरा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कथा की महत्ता बताते हुए कथावाचक सूर्यप्रकाशजी पांडिया (सिखवाल) ने कहा कि हमें अहंकार त्याग कर निःस्वार्थ भाव से प्रभु की सेवा करते हुए अपना जीवन बिताना चाहिए।

प्रभु सच्ची भक्ति करने वालों की सदैव रक्षा करते हैं। ईष्ट देवताओं और गोमाता की सेवा करने से भी कल्याण होता है। महाराज ने कहा कि मीरा ने कृष्ण के प्यार में विष का प्याला तक पी लिया था। उसके लिए जहर का प्याला अमृत का प्याला बना। सुदामा और कृष्ण का प्रेम तो जग जाहिर है। सुदामा ने अपनी सच्ची मित्रता निभाई और कृष्ण से कुछ नहीं मांगा। वहीं कृष्ण ने सुदामा के सारे कष्टों को दूर किया। यह बताता है कि प्रभु भक्ति ही सच्चा धन है, जो किसी अभिलाषा या इच्छापूर्ति तक के लिए नहीं की जाती है। भगवान भक्त के अधीन है। नरसीजी तो नानीबाई घर मायरा करने सत्संग साथी को लेकर गए। धन की मायरा की चिंता तो प्रभु पर छोड दी। नानीबाई के ससुरालवालों से उन्हें कटु वचन सुनने पडे कि झोली लेकर सत्संग करने वाले क्या मायरा भरेगा।

भगवान भी भक्तों की परीक्षा लेते हैं और उनकी सुरक्षा करते हैं। नरसीजी विष्णु भक्त थे। उनकी मनोकामना पूरी हुई। कार्यक्रम पर उदघाटनकर्ता हरीकिशन-पार्वती देवी व्यास, मुख्य यजमान नन्दकिशोर-उमादेवी व्यास बिलाल, भण्डारे के यजमान रिकमचन्द-संध्या तडबा तिवाडी (जोशी) के अलावा कार्यक्रम संयोजक मण्डल के सभी सदस्य व महिलाएं, स्वाजति बन्धु व धर्मप्रेमी भाईयों का समूह ने इस धार्मिक अनुष्ठान का लाभ उठाया। आरती के पश्चात सैकडों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम संयोजक मण्डल ने ऋषिश्रृंग भवन के प्रबंधन कमेटी कार्यक्रम के सभी यजमान, पधारे भक्तगणों का आभार प्रकाट किया।

हैदराबाद तेरापंथ महिला मंडल द्वारा वर्षीतप तपस्वियों का सम्मान

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में एवं साध्वी श्री डॉक्टर मंगल प्रज्ञा जी आदि ठाणा-6 के सान्निध्य में आज श्रीमती सुमन विमल दुगड के हिमायत नगर स्थित निवास स्थान पर वर्षीतप करने वाले तपस्वियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। आज यहां राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार साध्वी श्री जी ने अपने संबोधन में कहा कि तपस्या करना कर्म निर्जरा का महान उपक्रम है। साध्वी श्री सुदर्शन प्रभाजी, सिद्धि यशाजी, चैतन्य प्रभाजी, राजुल प्रभा जी, शौर्य प्रभा जी ने गीतिका द्वारा सारगर्भित भावाभिव्यक्ति दी। मण्डल की बहनों ने भी आदीश्वर स्तुति की। नगर में नौ श्रावक श्राविकाओं ने एवं साध्वी श्री सुदर्शन प्रभा जी, साध्वी श्री चैतन्य प्रभा जी ने भी वर्षीतप की ज्योत जगाई। बहनो ने शासन माता के एवम तपस्या के गीत प्रस्तुत किए। वर्षीतप करने वालों में श्रीमती इचु देवी बैद, श्रीमती शर्मिला बैद, श्रीमती सुमन श्याम सुखा, श्रीमती सरोज मुसरफ, श्रीमती सीमा पोकरणा, श्रीमान कपूरचंद दिनेश धारीवाल, महेंद्र लुणावत, भीकमचंद नखत शामिल है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अनीता गिडिया, मंत्री श्वेता सेठिया, संरक्षिका सुशीला संचेती, विमलेश सिंघी, परामर्शक संपत सिंघी, सरोज भंडारी, पूर्व अध्यक्ष प्रेम पारख, पुष्पा बरडिया, सहमंत्री शीतल सांखला, कार्यसमिति सदस्य हर्षलता दुधेड़ीया आदि की उपस्थिति रही।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ का स्थापना दिवस मना

हास्य कवि सम्मेलन भी आयोजित

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बनारस हिंदू विश्ववियालय के पूर्व छात्र संघ का स्थापना दिवस और हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन सीएसआईआर-एनजीआरआई हैदराबाद के एस. बी. हॉल में भव्यता के साथ संपन्न हुआ।

संघ के उपाध्यक्ष डॉ. यू. के. पांडेय ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के आरंभ में मदनमोहन मालवीय और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृणन के चित्रों पर पुष्पमालाएँ भेंट कर उनकी सेवाओं पर प्रकाश डाला गया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध वक्ता व इंटरनेशनल एडवान्स रिसर्च सेंटर (आईएआरसी) के निदेशक डॉ. टाटा नरसिंग राव ने आत्मनिर्भर भारत : देशज प्रौद्योगिकियों की ओर विषय पर अपना महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। एनजीआरआई के पूर्व निदेशक डॉ. वीरेंद्र मणि तिवारी ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण गतिविधियों पर अपने धारा प्रवाह भाषण से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस सत्र का संचालन एनजीआरआई के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मदनमोहन दीक्षित ने किया। आईआईसीटी की वरिष्ठ प्रिंसिपल वैज्ञानिक डॉ. सुमना चक्रवर्ती जो संघ की सांस्कृतिक मंत्री भी हैं ने अपनी कविता प्रस्तुत करते हुए सभी कवियों को मंच पर आमंत्रित किया। कवि गोविंद अक्षय के संचालन में कमलाकर दिलेर (निर्मल), रामदासकृष्णा कामत, लतीफ़उद् दीन लतीफ़, मुज़्ज़फर अली आदिम, डॉ. यू. के. पांडये, डॉ. सुमना चक्रवर्ती और गोविंद अक्षय ने सामाजिक, पारिवारिक और देश की समसामयिक परिस्थितियों आदि पर अपनी हास्य कविताओं का पाठ कर श्रोताओं को ख़ूब हँसाया, गुदगुदाया और काफ़ी मनोरंजन किया।

ब्रह्मर्षि समाज का परशुराम जयंती और अक्षय तृतीया का आयोजन आज

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद के तत्वावधान में ब्रह्मर्षि के अपने वंशपुरुष भगवान परशुराम जी की जयंती, परशुराम मंदिर का स्थापना दिवस और अक्षय तृतीया का भव्य आयोजन कल शनिवार 22 अप्रैल को जगतगीरगुट्टा स्थित समाज के अपने परशुराम मंदिर पर प्रातः 8:00 बजे से आयोजन किया जायेगा, जिसमें समाज के बंधुओं एवं भक्तों का विशेष सान्निध्य रहेगा। समाज के महासचिव सुनील सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति दी कि इस संदर्भ में ब्रह्मर्षि समाज की कार्यकारिणी ने ऑनलाइन विशेष बैठक की, जिसमें आयोजन से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में समाज के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्र ने पूजा संबंधी तैयारियों का ब्योरा लिया। महासचिव ने कहा कि सारी तैयारियाँ लगभग हो चुकी हैं। मंदिर का रंग रोगन और साज सज्जा का कार्य संपन्न हो चुका है। कॉर्डिनेटर रंजीत कुमार शुक्ला, कार्यकारिणी सदस्य अमर सिंह और मोहन सिंह ने बताया कि समाज के सभी सदस्यों के साथ स्थानीय श्रद्धालु एवं नेता गणों को भी पूजा में शामिल हेतु निमंत्रण दे दिया गया है। सभी की प्रतिक्रियाऐं सकारात्मक रहीं और कम से कम 1000 श्रद्धालुओं के आगमन की अपेक्षा है। कोषाध्यक्ष प्रेमशंकर सिंह ने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद एवं भंडारे की तैयारी संपन्न हो चुकी है। इस बात का ख़याल रखा जा रहा है की कोई चीज की कमी न हो पाये। पूजा की सारी तैयारी हो चुकी है। प्रातः बेला में कम से कम 5 दम्पतियों द्वारा भागवान परशुराम की साज सज्जा और अभिषेक के साथ पूजा शुभारंभ किया जाएगा। तत्पश्चात् हवन और महाआरती होगी। हवन हेतु कई हवन कुण्ड बनाये गये हैं ताकि अधिक से अधिक भक्त गण हवन में बैठ सकें। मध्याह्न भोजन के उपरांत संगीतमय सुंदर कांड का आयोजन संपन्न होगा। तत्पश्चात् सायं आरती, पूजा की पूर्णाहुति, प्रसाद वितरण और रात्रि भोज के साथ यह आयोजन संपन्न होगा। अवसर पर प्रबुद्ध जनों का सम्मान भी किया जाएगा।

जन सेवा संघ की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव सुधीर जायसवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ द्वारा बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इसमें भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, मी सेवा से लेकर हर कार्यालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्यवाई की मांग की गई।

समय सीमा में किसी भी शिकायत या प्रार्थना पत्र का निवारण या निर्णय लिया गया। प्रवासियों के लिए एक प्रवासी आयोग गठन की बात कही गई। दलित बंधु की तरह हर गरीब चाहे जिस जाति का हो या प्रवासी हो दस लाख रुपए का बैंक ऋण दिलाने की मांग रखी गई। इसके अलावा और कई मुद्दों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर सुधीर जायसवाल, परमानंद शर्मा, सुनिल श्रीवास्तव, एल एन चौबे, सीताराम ठाकुर, हरी सिंह, हरेन्दर चौबे आदि उपस्थित हुए।

रेल यात्रियों को पानी और छाछ वितरण किया गया

विजयवाड़ा, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, विजयवाड़ा ने विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों और रेलकर्मियों को पानी और छाछ का वितरण किया। चिलचिलाती गर्मी को मात देने के लिए, डॉ. जया मोहन, अध्यक्ष, एससीआरडब्लूडब्लूओ , विजयवाड़ा के नेतृत्व में उनकी टीम ने भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के साथ आज विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर लगभग 1500 यात्रियों को छाछ के पैकेट वितरित किए। इस अवसर पर बोलते हुए, एससीआरडब्लूडब्लूओ विजयवाड़ा की अध्यक्ष डॉ. जया मोहन ने कहा कि वितरण विशेष रूप से रेल यात्रियों की प्यास बुझाने के लिए किया गया था। संगठन सामाजिक और कल्याणकारी गतिविधियों का समर्थन करने और उनका नेतृत्व करने में हमेशा सबसे आगे रहता है। उन्होंने रेलवे कर्मचारियों से अपील की कि वे नियमित अंतराल पर हाइड्रेटेड रहें, सन स्ट्रोक से बचने के लिए टोपी और अन्य सुरक्षात्मक कपड़े पहनें क्योंकि इस वर्ष तापमान बहुत अधिक बढ़ रहा है। पीबीएन प्रसाद, स्टेशन निदेशक, विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन, संगठन के कार्यकारी सदस्य, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, टिकट चेकिंग स्टाफ ने वितरण कार्यक्रम में भाग लिया।

अग्रवाल समाज मलकपेट द्वारा अन्नप्रसाद का आयोजन

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज मलकपेट के तत्वावधान में मासिक अन्नप्रसाद का आयोजन अग्रसेन हॉल के पास किया गया, जिसमें 650 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। अवसर पर शाखा के मानद मंत्री पंकज कुमार संघी, संयुक्त मंत्री सुरेश गोयल,कोषाध्यक्ष दिनेश गोयल, केंद्रीय समिति सदस्य महावीर प्रसाद अग्रवाल, परामर्शदाता-गोविंद नारायण मोदी, हरिश्चंद्र बजाज, श्याम सुंदर अग्रवाल, अशोक अग्रवाल,सतीश बंसल,प्रदीप बंसल, श्याम लाल गोयल,शैलेश अग्रवाल,गोपाल मोदी तथा युवा मोर्चा के नितिन अग्रवाल,जितेंद्र गोयल, धरवेश, मनीष अग्रवाल ने अपनी सेवा प्रदान की।

अग्रवाल समाज अग्रसेन मार्ग शाखा की वार्षिक साधारण सभा कल

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना अग्रसेन मार्ग शाखा की वार्षिक साधारण सभा रविवार 23 अप्रैल को प्रातः 11 बजे बंजारा हिल्स रोड नम्बर 12 स्थित होटल आला लिबर्टी में आयोजित की जाएगी। एक प्रेस विज्ञप्ति में शाखा के अध्यक्ष महेश कुमार डाकोतिया ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सभा पहले 29 अप्रैल को आयोजित होने वाली थी लेकिन किन्ही अपरिहार्य कारण वश इसको पहले किया जा रहा है। साधारण सभा में शाखा अध्यक्ष द्वारा स्वागत संबोधन, शाखा की वार्षिक रिपोर्ट, आय व्यय का हिसाब, आगामी वर्ष में शाखा द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रम में विचार, वर्ष 2023-25 हेतु शाखा पदाधिकारियों अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मानद मंत्री, सहमंत्री, कोषाध्यक्ष एवं शाखा द्वारा केंद्र में प्रतिनिधित्व करने हेतु दो सदस्यों के चुनाव की घोषणा चुनाव अधिकारी राजेंद्र कुमार अग्रवाल द्वारा की जाएगी।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल ने अनाथालय को आवश्यक सामग्री भेंट की

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा अनाथालय-वृद्धाश्रमों में जीवनयापन कर रहे बन्धुओं की सुविधा हेतु चलाई जा रही अपनी सेवा योजना के अंतर्गत वेंकटेश्वरा कॉलोनी, जगतगिरिगुट्टा स्थित अनाथालय नायाश्री फाउंडेशन में रहने वाले बाल-बालिकाओं को आवश्यक सामान भेंट किए। सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पित्ती ट्रस्ट तथा सेवा दल द्वारा चलाई जा रही सेवा योजनाओं के अंतर्गत कुल 56000 रुपये की लागत से, नायाश्री फाउंडेशन को उसकी आवश्यकता अनुसार डीप फ्रिज, वाशिंग मशीन, चार पंखें आदि प्रदान किये गए! इस अवसर पर सेवा दल के संयोजक श्री रतन गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, कैलाश केडिया तथा नायाश्री फाउंडेशन के प्रबंधक अनिल कुमार उपस्थित थे! पित्ती ट्रस्ट के चेयरमेन तथा सेवा दल के परामर्शदाता श्री शरद ब पित्ती ने बताया कि पित्ती ट्रस्ट तथा सेवा दल द्वारा नियमित रूप से अनाथालयों तथा वृद्धाश्रमों का दौरा कर उनकी जरूरतों का पता लगाने के बाद उन्हें उनकी आवश्यकता अनुसार पंखे, कूलर, फ्रिज, अलमारी, पलंग, टीवी, कंप्यूटर, वाशिंग मशीन आदि प्रदान किये जाते हैं।

डबल बेडरूम को लेकर की गई भूख हड़ताल समाप्त

मदनूर, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष हनमनलू के नेतृत्व में गरीब जनता के लिय डबल बेडरूम निर्माण की मांग को लेकर एक सप्ताह से तहसील कार्यालय मैदान में जारी क्रमिक भूख हड़ताल आज समाप्त कर दी गई। इस हड़ताल को भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष जुक्कल विस क्षेत्र की पूर्व विधायक अरुणा तारा ने समर्थन दिया था। शुक्रवार के दिन तहसीलदार द्वारा भूख हड़ताल करने वाले लोगों को उनकी मांग पर विशेष ध्यान देने की बात कहे जाने के बाद हड़ताल खत्म कर दी गई। इस अवसर पर तहसीलदार ने धरने पर बठे लोगों को नींबू की शरबत पिलाकर हड़ताल समाप्त करवाया।

सरपंच ने किया कंटी वेलगु केन्द्र का शुभारंभ किया

मदनूर , 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल बड़ा टाकली गांव में सरपंच राजाबाई विलास ने दूसरे चरण अंर्तगत कंटी वेलगु अभियान का शुभ आरंभ किया। इस मौके पर सरपंच ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने गरीब जनता के सेवा करने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। गरीब परिवार में प्रत्येक रो 6 किलो चावल, वृद्ध, विकलांग, विधवा को आसरा पेंशन किसानों को रैतु बंधु, रैतू बीमा, 24 घंटे मुफ्त विद्युत वितरण के साथ गरीब परिवार के बेटी के विवाह में भी कल्याण लक्ष्मी, शादी मुबारक के माध्यम से मदद की जा रही है। मिशन भागीरथी योजना द्वारा घर-घर पानी वितरण किया जा रहा है। इस के साथ गर्भवती महिलाओ को आंगनवाड़ी द्वारा पौष्टिक आहार, एम्बुलेंस सेवा है।

12वीं शताब्दी के राजा उदय चोड़ा के चिकित्सा शिलालेख मिला

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान को तेलंगाना के नलगोंडा जिले के वाविकोल गाँव में स्थित 12वीं शताब्दी के कंदुरी चोड़ा वंश के राजा उदय चोड़ा का एक चिकित्सा शिलालेख मिला है। वाविकोल ग्राम पंचायत कार्यालय के परिसर में स्थित चिकित्सा शिलालेख की तस्वीरें और एस्टाम्पेज एकत्र करने के लिए डॉ. जी.पी.प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, पी. मुरली मनोहर, सहायक अनुसंधान अधिकारी (क्यूरेटर), के.श्रीनिवास राव, पुस्तकालयध्यक्ष, जी. रवि बाबू, छायाचित्रकार, बी. राजेश्वरी, कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता, बी. धनराज, एमटीएस की टीम ने वाविकोल गाँव का दौरा किया। इस दौरान वाविकोल गांव के सरपंच डी. दामोदर राव की मदद से टीम ने चिकित्सा शिलालेख पाया है, तत्पश्चात उन्होंने एस्टाम्पेज और शिलालेख की तस्वीरें ली। संस्थान के डॉ.जी.पी.प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक ने चिकित्सा शिलालेख के बारे में अपने विचार साझा किए। इस दौरा कार्यक्रम में ग्राम वाविकोल के सरपंच डी. दामोदर राव एवं पी.चंद्र रेड्डी उपाध्यक्ष, सीएच. हरि, कार्यदर्शी ने शिलालेख खोजने और इसकी एस्टाम्पेज और तस्वीरें लेने में सहायता की।

एल.राजेन्द्र ज्वैलर्स शोरुम का शुभारम्भ सम्पन्न

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। निजामपेट रोड़ स्थित एल.राजेन्द्र ज्वैलर्स शोरुम का पंडित सत्यनारायण पाठक के मंत्रोच्चारण, दीप प्रज्वलन के साथ शुभारम्भ किया गया। प्रबंधक लाबुराम पंवार ने बताया कि कार्यक्रम में बत्तौर मुख्यअतिथि शेरेलिंगमपल्ली विधायक आरिकापुड़ी गांधी, पार्षद एन.श्रीनिवास राव, सीरवी शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, सीरवी समाज सचिव किशनसिंह राठौड़, कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा, आईजी गौशाला पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल मुलैवा, समाज के गणमान्य राजेन्द्र भायल, कालुराम काग चिंतल, चेनाराम परिहार, बाबुलाल मुलैवा, रामलाल परिहारियां, धर्माराम गेहलोत, गोविन्द लखावत, अशोक सीरवी, उम्मेदराम सोयल एवं कार्यक्रम में पधारे शुभचिंतक ग्राहकों का प्रबंधक लाबुराम पंवार, सुरेश, महेन्द्र पंवार द्वारा विशेष सम्मान किया गया। अवसर पर बत्तौर मुख्यअतिथि विधायक ए.गांधी ने अपने एरिये मे भव्य शोरुम के शुभारम्भ की प्रबंधकों को शुभकामनाएँ दी। प्रबंधक लाबुराम पंवार ने पधारे अतिथियों व सम्मानित ग्राहकों का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलाया कि एक ही छत के नीचे उच्च क्वालिटी हॉलमार्क सोने व चांदी के आईटम किफायती दर पर उपलब्ध कराये जाएगे। सीरवी समाज शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, किशनसिंह राठौड़, जसवन्त देवड़ा ने प्रबंधकों को शोरुम के भव्य शुभारम्भ की शुभकामनाएँ दी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चूक हुई तो ...

पीएम ने कहा, जो राजनैतिक दल सत्ता में आया है, उस पर ध्यान रखें, वो टैक्सपेयर्स के पैसे का इस्तेमाल अपने दल के लिए कर रहा है या देशहित के लिए, ये आपको देखना होगा। सरदार पटेल जिस ब्यूरोक्रेसी को स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया कहते थे, उसे पूरा करना है, ब्यूरोक्रेसी से चूक हुई तो देश का धन लुट जाएगा। पहले यह सोच थी कि सरकार सब कुछ करेगी, लेकिन अब सोच यह है कि सरकार सबके लिए करेगी। अब सरकार समय और संसाधन का कुशल उपयोग कर रही है। आज की सरकार का ध्येय है देश और नागरिक पहले। और प्राथमिकता है-वंचितों को वरीयता।

यह पिछले सिस्टम की ही देन थी कि 4 करोड़ से ज्यादा नकली गैस कनेक्शन, नकली राशन कार्ड बने थे। अल्पसंख्यक मंत्रालय 30 लाख फर्जी युवाओं को स्कॉलरशिप का लाभ दे रहा था।

आज हम सभी के प्रयासों से सिस्टम बदला है और देश के करीब 3 लाख करोड़ रुपये गलत हाथों में जाने से बचे हैं। आज ये पैसे गरीबों के काम आ रहे हैं, उनके जीवन को आसान बना रहे हैं। आज चुनौती ये नहीं है कि आप कितने कुशल हैं, चुनौती ये तय करने में है कि जहां जो कमी है वो कैसे दूर होगी। कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारी योजनाएं कितनी महान हैं, चाहे वे कागज पर कितनी भी अच्छी क्यों न हों, अंतिम छोर की डिलीवरी निर्णायक होती है। अगर यह सुनिश्चित नहीं है, तो हमें अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे।

देश को आजादी के अमृतकाल तक लाने के लिए उन अधिकरियों की बड़ी भूमिका रही जो 15-25 साल पहले इस सेवा में आए हैं। और अब उन युवाओं की भूमिका सबसे बड़ी है जो अगले 15-25 साल इस सेवा में रहने वाले हैं।

पदयात्रा के दौरान गज्जला ने जनसमस्याएं सुनीं

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सेरीलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद ने कुक्कटपल्ली डिवीजन पार्ट-2, प्रगति नगर, के प्रगति नगर नंदू शक्ति केंद्र प्रभारी ने साई कुमार के सहयोग से जन मुद्दों पर पदयात्रा के तहत लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनी। इस अवसर पर मेडचल जिलाध्यक्ष हरीश रेड्डी, मंडल अध्यक्ष भूपाल रेड्डी, विजित वर्मा, प्रदेश नेता नरेंद्र रेड्डी, मंडल उपाध्यक्ष इंद्र कुमार रेड्डी, प्रदेश ओबीसी कार्यसमिति सदस्य परवतला यादव, जिला कार्यसमिति सदस्य प्रभाकर यादव, राज्य ओबीसी सह संयोजक गोवर्धन चारी, उपक्षलु रामुलू, बूथ अध्यक्ष मुरली, शक्तिकेन्द्र प्रभारी नरसिंह राव, रंगारेड्डी शहरी ओबीसी मोर्चा के महासचिव श्रीशैलम कुरुमा, महिला मोर्चा अध्यक्षा श्रीलता, बूथ अध्यक्ष संध्या गरू, गंगुला राजा रेड्डी, महिला मोर्चा महासचिव संध्या रानी, सुकन्या, लता, अरुणा, रत्नकुमार, सिद्धू और भाजपा नेताओं, महिलाओं और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

भारतीय रिकर्व टीम नौ वर्ष बाद तीरंदाजी विश्वकप के फाइनल में

चीन से होगी खिताबी टक्कर

अंताल्या, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रिकर्व तीरंदाजी टीम ने नौ वर्ष में पहली बार विश्वकप चरण-1 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जहां उसका सामना चीन से होगा। भारतीय तीरंदाजों ने लगातार तीन जीत हासिल की। अतानु दास, बी धीरज और तरुणदीप राय के पास फाइनल में जीत दर्ज कर भारत को 13 साल बाद स्वर्ण पदक दिलाने का मौका रहेगा।

भारत ने रिकर्व तीरंदाजी में विश्वकप में अपना पिछला स्वर्ण 2010 में शंघाई में जीता था। पिछली बार रिकर्व टीम 2014 में मेडेलिन में स्टेज-2 में फाइनल में पहुंची थी लेकिन कोरिया से टाईब्रेकर में हार के बाद रजत मिला था। जब शंघाई में स्वर्ण जीता था तब सेना के तरुणदीप उस टीम का हिस्सा भी रहे हैं। क्वालिफाइंग दौर में चौथी वरीयता हासिल करने वाली भारतीय टीम को पहले दौर में बाई मिला था। उसके बाद उसने 13वीं वरीयता की जापानी टीम को शूट ऑफ में 29-28 की जीत के साथ 5-4 से हराया। भारतीय तीरंदाजों ने तीन प्रयासों में से दो बार (10, 10, 09) दस अंक पर सटीक निशाना लगाया।

इससे पहले दोनों टीमें 4-4 (49-52, 57-22, 54-51, 52-57) से बराबरी पर थीं। उसके बाद भारत ने 12वीं वरीयता की चीनी ताइपे और नौवीं वरीयता की नीदरलैंड की टीम को एकसमान 6-2 से हराया। भारत फाइनल में दूसरी वरीयता की टीम चीन से और नीदरलैंड कांस्य पदक के मुकाबले के लिए स्लोवेनिया से खेलेगा। चीनी ताइपे को हराने में भारत को ज्यादा परेशानी नहीं हुई और उसने शुरुआत में 4-0 की बढ़त बना ली थी। नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबला आसान नहीं था क्योंकि उन्होंने शीर्ष वरीय मेजबान तुर्किये को 6-0 से हराया था। तुर्किये की टीम में गत ओलंपिक चैंपियन मेते गाजोज भी थे। डच टीम ने शुरुआत में 2-0 की बढ़त बना ली थी लेकिन भारतीय तीरंदाजों ने शानदार वापसी की। संयोग से यह वही जगह है जहां 2008 में जयंत तालुकदार, राहुल बनर्जी और मंगल सिंह चांपिया ने मलयेशिया को 218-215 से हराकर स्वर्ण जिताया था।

ज्योति कपाउंड व्यक्तिगत वर्ग के सेमीफाइनल में

इस बीच कंपाउंड के महिला व्यक्तिगत वर्ग में भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेनम सेमीफाइनल में पहुंच गईं। क्वालिफिकेशन में 713 के स्कोर के साथ विश्वरिकॉर्ड की बराबरी करने वालीं ज्योति ने लगातार चौथी जीत हासिल की। अब उनका सामना दुनिया की नंबर एक इंग्लैंड की इला गिब्सन से होगा।

ज्योति ने लगातार तीन बार 150 में से 145 का स्कोर किया और स्विट्जरलैंड की माइरियाम, अमेरिका की डेनेली और मैक्सिको की एना सोफिया को पराजित किया। क्वार्टर फाइनल में ज्योति ने 12 बार सटीक 10 अंक पर निशाना लगाते हुए 147 स्कोर किया और डेनमार्क की तेजा गेलनथियन को 147-142 से हराया। व ्यक्तिगत वर्ग में भारत की ओर से ज्योति ही पदक की होड़ में हैं। टीम वर्ग में ज्योति, अवनीत कौर और अदिति स्वामी को पहले दौर में अमेरिका से 225-233 से हार मिली। पुरुष कंपाउंड टीम चीनी ताइपे से 234-236 से हार गई। महिला रिकर्व टीम भजन कौर, अंकिता भगत और सिमरनजीत कौर को प्री क्वार्टर में स्पेन से 2-6 से हार मिली।

डेविड वॉर्नर ने रचा इतिहास

रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली की टीम को आईपीएल 2023 में जिस जीत की तलाश थी वो पांच मैचों के बाद अपने घरेलू मैदान पर मिली। डेविड वॉर्नर की कप्तानी में दिल्ली ने केकेआर को हराकर पहली जीत दर्ज की और इसमें टीम के कप्तान की पारी की अहम भूमिका रही। वॉर्नर ने दिल्ली के लिए 57 रन की तेज पारी खेली और इस इनिंग के दौरान वो आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने और रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन डेविड वॉर्नर के नाम

आईपीएल इतिहास में किसी एक टीम के खिलाफ अब सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड डेविड वॉर्नर के नाम पर दर्ज हो गया है। वॉर्नर से पहले ये रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम पर दर्ज था जिन्होंने केकेआर के खिलाफ ही 1040 रन बनाए थे, लेकिन अब डेविड वॉर्नर उनसे आगे निकल गए हैं। केकेआर के खिलाफ अब उन्होंने 1075 रन बना लिए हैं और रोहित शर्मा को दूसरे नंबर पर धकेल दिया है। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर शिखर धवन हैं जिन्होंने सीएसके के खिलाफ 1029 रन बनाए हैं।

डेविड वॉर्नर आईपीएल इतिहास में किसी एक गेंदबाज के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने इस लीग में अब तक सुनील नरेन की गेंदों पर 193 रन बनाए हैं और ये किसी भी बल्लेबाज के द्वारा किसी भी गेंदबाज के खिलाफ आईपीएल में बनाया गया सबसे ज्यादा रन है।

आईपीएल 2023 में डेविड वॉर्नर का प्रदर्शन

आईपीएल 2023 में डेविड वॉर्नर बतौर बल्लेबाज काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अब तक खेले छह पारियों में उन्होंने चार अर्धशतक लगाया है। वॉर्नर ने पिछली छह पारियों में 56, 37, 65, 51, 19, 57 रन की पारी खेली है। बतौर कप्तान वो दिल्ली के लिए कुछ खास नहीं कर पाए हैं, लेकिन बतौर बल्लेबाज वो रन बनाने के मामले में निरंतर हैं।

चीन में बैन हैं व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, गूगल और फेसबुक, कैसे संपर्क में रहेंगे भारतीय एथलीट

25 अप्रैल को होगा फैसला

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। एशियन गेम्स 2023 का आगाज इसी साल सितंबर-अक्टूबर में होना है। एशियन गेम्स की मेजबानी चीन का हांगझू शहर करेगा। एशियन गेम्स के आगाज से पहले 25 अप्रैल को हांगझू में ही एक विशेष बैठक होनी है, जिसमें भारत के शेफ डी मिशन भूपेंद्र बाजवा कुछ अहम मुद्दों को उठाने वाले हैं।

भूपेंद्र बाजवा ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया है कि 25 अप्रैल को होने वाली अहम मीटिंग में हम अपनी कुछ मांगों को रखने वाले हैं, जिसमें इंडियन वेज फूड, कम्युनिकेशन के लिए व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और गूगल के विकल्प, ट्रैवल लॉजिस्टिक और ट्रांसलेटर जैसी मांगें शामिल हैं। भूपेंद्र बाजवा ने कहा है कि इन मांगों को हम इतना समय पहले इसलिए उठा रहे हैं ताकि लास्ट मिनट पर इनको लेकर कोई संशय ना रहे और गेम्स के आगाज से पहले हम इन मुद्दों का समाधान चाहते हैं। आपको बता दें कि भारतीय दल की हाल ही में एक बैठक हुई, जिसमें ओलंपिक स्पोर्ट्स अधिकारियों ने खिलाड़ियों को एशियन गेम्स में रिकॉर्ड मेडल हासिल करने के लिए कहा। पिछले महीने खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने मिशन ओलंपिक की एक मीटिंग में भी यह भरोसा जताया था कि भारत एशियन गेम्स में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा। बता दें कि एशियाई खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाला अब तक का सबसे बड़ा दल भारत का है।

एशियन गेम्स की तैयारियों के बीच भूपेंद्र बाजवा ने खिलाड़ियों की कुछ बुनियादी जरूरतों का मुद्दा उठाते हुए कहा है कि दुनिया में लगभर सभी जगह इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ ऐप चीन में बैन हैं, जैसे कि सर्च इंजन गूगल और जीमेल जैसी सेवाएं 2014 से बैन हैं। वहीं व्हाट्सएप को 2017 से बैन किया हुआ है। गेम्स के दौरान भारतीय खिलाड़ी और कोच विदेश यात्रा के दौरान कॉल और मैसेज के लिए काफी हद तक व्हाट्सएप पर निर्भर रहते हैं।

भूपेंद्र बाजवा ने आगे कहा कि हमने चीनी अधिकारियों से एथलीट और कोचों के एक-दूसरे से संवाद के लिए स्थानीय सिम कार्ड भी उपलब्ध कराने की मांग की है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड उलटफेर का शिकार

सेविला ने किया बाहर; जोस मोरिन्हो की रोमा ने भी किया कमाल

रोम/सेविला, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। इंग्लैंड के बड़े फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड यूईएफए यूरोपा लीग से बाहर हो गई है। उसे क्वार्टर फाइनल में स्पेन के क्लब सेविला ने हरा दिया। दोनों टीमों के बीच पहला लेग 2-2 की बराबरी पर छूटा था। दूसरे लेग में सेविला ने जबरदस्त प्रदर्शन किया और तीन गोल दागे। यूनाइटेड की टीम एक भी गोल नहीं कर सकी और इस तरह सेविला ने कुल स्कोर 5-2 के अंतर से सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

जब पहला लेग 2-2 की बराबरी पर छूटा था तो ऐसा माना जा रहा था कि इस सीजन में खराब प्रदर्शन करने वाली सेविला की टीम को मैनचेस्टर यूनाइटेड आसानी से हरा देगी। सेविला अपने देश की लीग 'ला लिगा' में 13वें स्थान पर है। वहीं, मैनचेस्टर यूनाइटेड इंग्लिश प्रीमियर लीग में तीसरे स्थान पर है। सेविला ने हमेशा यूरोपा लीग में शानदार प्रदर्शन किया है। उसके खाते में सर्वाधिक छह खिताब है। सेविला ने 2020 में सेमीफाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराया था। अब एक बार फिर यूनाइटेड की टीम उसका शिकार बन गई। सेविला भले ही अपनी घरेलू लीग में खराब प्रदर्शन कर रही है, लेकिन यूरोपा लीग में उसने यह साबित कर दिया कि वह क्यों इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा बार चैंपियन बनी है।

नसेरी ने दागे तीन गोल

सेविला के लिए क्वार्टर फाइनल के दूसरे लेग में मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए यूसुफ एन-नसेरी ने दो गोल दागे। उन्होंने आठवें और 81वें मिनट में गोल किया। 47वें मिनट में लॉक बेड ने सेविला के लिए दूसरा गोल किया था। मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराने के बाद अब सेमीफाइनल में सेविला का सामना इटली के युवेंटस से होगा। युवेंटस ने क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल के क्लब स्पोर्टिंग को हराया।

एक अन्य क्वार्टर फाइनल में इटली के क्लब रोमा ने नीदरलैंड के फेनूर्ड को बाहर कर दिया। पहले लेग में फेनूर्ड ने 1-0 से जीत हासिल की थी। दूसरे लेग का मुकाबला रोमा के होमग्राउंड पर खेला गया।

अपने प्रशंसकों के बीच रोमा ने जबरदस्त खेल दिखाया। रोमा ने 4-1 से मैच को जीत लिया। उसके लिए लियानार्डो स्पिनजोला ने 60वें मिनट, पाउलो डाइबाला ने 89वें मिनट, स्टीफन एल शरावे ने एक्स्ट्रा टाइम (101वें मिनट) और लोरेंजो पेलिग्रिनी ने एक्स्ट्रा टाइम (109वें मिनट) में गोल किया। फेनूर्ड के लिए इकलौता गोल इगोल पाइक्साओ ने 80वें मिनट में गोल किया। दोनों लेग को मिलाकर रोमा ने 4-2 से मैच को अपने नाम किया। रोमा का मुकाबला सेमीफाइनल में जर्मनी के क्लब लेवरकुसेन से होगा।

मोरिन्हो ने किया कमाल

रोमा के मैनेजर जोस मोरिन्हो ने टीम को पिछले साल यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग में जीत दिलाई थी। इस बार टीम को यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया है। वहीं, इटली के लीग सीरी-ए में रोमा को शीर्ष-4 में पहुंचा रखा है। अगर रोमा की टीम सीरी-ए में शीर्ष चार में रहती है या यूरोपा लीग जीत लेती है तो वह अगले सीजन में चैंपियंस लीग में खेलेगी। मोरिन्हो की कोचिंग का ही कमाल है कि पिछले कुछ सालों से खराब प्रदर्शन करने वाली रोमा की टीम अब काफी मजबूत हो गई है।

केकेआर की बल्लेबाजी से नाराज युवराज सिंह

मंदीप और रिंकू सिंह पर जमकर निकाली भड़ास

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 के 28वें मैच में गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स ने सीजन की पहली जीत दर्ज की। लगातार पांच मैच हारने के बाद दिल्ली की टीम को केकेआर के खिलाफ जीत नसीब हुई। दिल्ली की यह जीत धमाकेदार थी, क्योंकि इस मैच में दिल्ली के गेंदबाजों ने केकेआर के बल्लेबाजों की हालत खस्ता कर दी। दिल्ली ने पहली गेंदबाजी करते हुए केकेआर की पूरी टीम को 20 ओवर में 127 रन पर ऑलआउट कर दिया था। जवाब में दिल्ली की टीम ने 6 विकेट गंवाकर इस लक्ष्य को आखिरी ओवर में हासिल कर लिया।

रिंकू और मंदीप का प्रदर्शन रहा खराब

दिल्ली के खिलाफ केकेआर के प्रदर्शन को लेकर युवराज सिंह बहुत नाराज नजर आ रहे हैं। युवराज ने ट्वीट कर कोलकाता के बल्लेबाजों के जमकर लताड़ा है। खासकर युवी ने मंदीप सिंह और रिंकू सिंह की जमकर क्लास लगाई है। यह दोनों ही खिलाड़ी पिछले कुछ मैचों के अंदर अच्छी लय में नजर आए थे, लेकिन कल के मैच में यह दोनों ही खिलाड़ी बहुत सस्ते में आउट हो गए। रिंकू सिंह ने 6 तो मंदीप सिंह ने 12 रन की पारी खेली थी।

इन दोनों बल्लेबाजों पर अपनी भड़ास निकालते हुए युवराज सिंह ने कहा है कि जब केकेआर की टीम संघर्ष कर रही थी तो मंदीप और रिंकू को अपने खेल का तरीका बदलने की जरूरत थी, जब विकेट गिर रहे थे तो उस वक्त एक पार्टनरशिप की जरूरत थी जो रिंकू और मंदीप को बनानी चाहिए थी, फिर चाहे पहले आपने कितनी भी अच्छी पारी क्यों ना खेली हो। युवराज सिंह ने कहा कि रिंकू और मंदीप को 15 ओवर तक वनडे फॉर्मेट के माइंड सेट से बल्लेबाजी करने की जरूरत थी, क्योंकि आखिरी में आंद्रे रसल को

मोहाली में क्रिकेटर्स की सुरक्षा व्यवस्था देख रहा भारतीय हॉकी टीम का पूर्व कप्तान

अर्जुन अवार्डी की पत्नी भी हैं एसएसपी

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित राजपाल सिंह इन दिनों मोहाली में आईपीएल मैच के दौरान स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। जी हां, राजपाल सिंह जो कि इस वक्त पंजाब पुलिस में सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस के पद पर तैनात हैं। वह इन दिनों मोहाली में मैच के दौरान सुरक्षा इंतजामों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। साथ ही खिलाड़ियों की सेफ्टी की भी जिम्मेदारी उनके कंधों पर है।

पंजाब पुलिस में एसपी हैं राजपाल सिंह

मोहाली में हुए आरसीबी और पंजाब के बीच मैच के बाद राजपाल सिंह ने खिलाड़ियों की बस को स्टेडियम से बाहर निकालने में मदद की। मैच के बाद विराट कोहली के प्रशंसकों ने बस को घेर लिया था और जोर-जोर से नारेबाजी कर रहे थे। तभी राजपाल सिंह ने वहां आकर खिलाड़ियों की बस को वहां से निकाला। राजपाल सिंह आईपीएल की वजह से अपनी ड्यूटी में इन दिनों अधिक व्यस्त चल रहे हैं।

अगस्त 1983 को चंडीगढ़ में जन्मे राजपाल सिंह भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान रह चुके हैं। भारतीय टीम में आने से पहले वो चंडीगढ़ के लिए हॉकी खेल चुके हैं। राजपाल सिंह 2010 में संदीप सिंह के बाद भारतीय हॉकी टीम के कप्तान बने थे। राजपाल भारत के लिए आखिरी बार 2011 में खेले थे और इसी साल उन्हें अर्जुन अवॉर्ड मिला था। उन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक से पहले हॉकी से संन्यास ले लिया था। राजपाल सिंह ने भारत के लिए 147 मैच खेले हैं। राजपाल की कप्तानी में भारत ने 2011 में आयोजित पहली एशियन चैंपियंस हॉकी ट्रॉफी 4-2 से अपने नाम की थी। भारत ने इसके फाइनल में पाकिस्तान को हराया था। राजपाल की ही कप्तानी में भारतीय टीम ने 2010 में सुल्तान अजलान शाह कप जीता था। 2010 में उनकी टीम ने एशिया कप में गोल्ड मेडल जीता था। फिर एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भी गोल्ड जीता था। 2010 कॉमनवेल्थ गेम्स में उनकी टीम ने सिल्वर मेडल जीता था।

राजपाल की पत्नी भी हैं फेमस चेहरा

पूर्व हॉकी कप्तान राजपाल सिंह की पत्नी अवनीत सिद्धू भी एथलीट हैं। अवनीत एक भारतीय स्पोर्ट शूटर हैं। उन्होंने 2006 कॉमनवेल्थ गेम्स में 10 मीटर एयर राइफल कैटेगिरी में तेजस्विनी सावंत के साथ गोल्ड मेडल जीता था।

स्वीयाटेक ने झेंग को स्टटगार्ट ग्रां प्री में हराया

स्टटगार्ट (जर्मनी), 21 अप्रैल (एजेंसियां)। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी पोलैंड की इगा स्वीयाटेक ने चीन की झेंग किनवेन को टेनिस डब्लूटीए 500 स्टटगार्ट ग्रां प्री के दूसरे दौर में हरा दिया। गत चैंपियन ने चीन की उभरती स्टार को 6-1, 6-4 से हराने में एक घंटे 26 मिनट का समय लिया और स्टटगार्ट में अपना अपराजेय क्रम पांच मैच पहुंचा दिया।

45 दिनों में अपना पहला मैच खेल रही स्वीयाटेक ने इस जीत के साथ झेंग के खिलाफ अपना करियर रिकॉर्ड 3-0 पहुंचा दिया है। स्वीयाटेक का क्वार्टरफाइनल में पूर्व वल्ड नंबर एक कैरोलिना प्लिसकोवा से मुकाबला होगा। चेक खिलाड़ी ने क्रोएशिया की डोना वेकिच को तीसरे सेट में टाई ब्रेक के जरिये दो घंटे 20 मिनट में हराया।

खुद सचिन ही बेटे के रास्ते का रोड़ा...

अर्जुन तेंदुलकर पर इस पाकिस्तानी क्रिकेटर का अजीबोगरीब दावा

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल डेब्यू करते ही अर्जुन तेंदुलकर सुर्खियों में बने हुए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आखिरी ओवर में अपनी टीम को जीत दिलाते ही दुनियाभर में उनकी चर्चा हो रही है। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने दावा किया है कि इस बोलिंग एक्शन के साथ वह अपनी गेंदबाजी में तेजी नहीं ला सकते। राशिद लतीफ का कहना है कि काफी जल्द सचिन पुत्र को अपने बोलिंग एक्शन बदलना पड़ सकता है क्योंकि उनकी शारीरिक संरचना सही नहीं है।

शारीरिक संरचना ठीक नहीं

23 वर्षीय अर्जुन ने मुंबई इंडियंस के लिए कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ इसी सीजन अपने आईपीएल करियर का आगाज किया। बाएं हाथ के पेसर ने सनराइजर्स हैदराबाद के भुवनेश्वर कुमार को आउट कर अपना पहला विकेट भी लिया। कई पूर्व क्रिकेटर्स ने अर्जुन के खेल की तारीफ की। राशिद लतीफ का मानना है कि अगर अर्जुन तेंदुलकर एक अच्छे प्लेयर बनना चाहते हैं तो पेस बोलिंग का आधार मजबूत होना चाहिए।

अपने यूट्यूब चैनल पर राशिद लतीफ ने कहा, 'वह (अर्जुन) अपने शुरुआती दौर में है, उसे बहुत मेहनत करनी पड़ेगी, उसकी शारीरिक संरचना अच्छी नहीं है, जिससे वह ज्यादा पेस नहीं निकाल पाएंगे। अगर कोई अच्छा बायोमैकेनिकल कंसल्टेंट उनका मार्गदर्शन करता है तो शायद वह अपनी गेंदबाजी में कुछ तेजी ला सकते हैं। यह काफी मार्मिक विषय है, कोचिंग करना और खिलाड़ी को बदलना। सचिन खुद ऐसा कर सकते थे, लेकिन उन्होंने इसके लिए घरेलू क्रिकेट पर भरोसा किया।

'किसी और टीम में होना था'

राशिद लतीफ की माने तो बॉल फेंकने के दौरान अर्जुन का शरीर अंदर आने के बजाय बाहर जाता है और उनका संतुलन अच्छा नहीं है। यही कारण है कि वह ज्यादा पेस नहीं जनरेट कर पाते। लतीफ ने कहा कि मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में सचिन तेंदुलकर की मौजूदगी भी अर्जुन को प्रभावित करती होगी। अगर वह किसी और टीम से खेलते तो शायद ज्यादा बेहतर नतीजे आते।

तेलंगाना के पास कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित करने की अविश्वसनीय विरासत : शांति कुमारी

मुख्य सचिव ने विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने बताया कि टॉमकॉम तेलंगाना एक अग्रणी संगठन है। यह विदेशों में नौकरी के इच्छुक लोगों और नियोक्ताओं के बीच की खाई को पाटता है। उन्होंने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे तेलंगाना ओवरसीज मैनपावर कंपनी (टॉमकॉम) द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों का विस्तार से सहयोग करें। यह राज्य सरकार की पंजीकृत भर्ती एजेंसी है। आज बीआरकेआर भवन में विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के साथ हुई एक बैठक के दौरान, सीएस ने कहा कि राज्य के पास कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित करने की एक अविश्वसनीय विरासत है। इसलिए बड़े पैमाने पर कौशल कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए टीएएसके और टॉमकॉम को शामिल करना चाहेंगे। उन्होंने पूर्व प्रस्थान अभिविन्यास प्रशिक्षण (पीडीओटी) कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विदेश मंत्रालय को धन्यवाद दिया। उन्होंने टॉमकॉम के साथ साझेदारी में हैदराबाद में भारत अंतर्राष्ट्रीय कौशल केंद्र स्थापित करने के लिए कौशल विकास मंत्रालय की सिफारिश करने के लिए एमईए के सहयोग की मांग की।

ओवरसीज इंडिया अफेयर्स के सचिव औसाफ सईद ने राज्य सरकार को आश्वासन दिया कि वे टॉमकॉम के सभी आउटरीच कार्यक्रमों में पूर्ण समर्थन देंगे। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय ने विभिन्न देशों में नौकरी के अवसरों की मैपिंग की और नौकरी से संबंधित कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए तेलंगाना का समर्थन करेगा। टॉमकॉम के सीईओ विष्णुवर्धन रेड्डी ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया और टॉमकॉम की गतिविधियों के बारे में बताया। इसकी विदेशी नौकरी के अवसरों के लिए योग्य उम्मीदवारों का जुटाव, नामांकन, विभिन्न क्षेत्रों में कुशल श्रमिकों का एक डेटाबेस बनाए रखना, शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी करना और कौशल विकास, आउटरीच, क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करना कुछ गतिविधियाँ हैं। बैठक में डीजीपी अंजनी कुमार, विशेष सीएस श्रमिक रानी कुमुदिनी, प्रमुख सचिव उद्योग जयेश रंजन, संयुक्त सचिव ब्रह्मा कुमार, अवर सचिव सुशील कुमार मीणा सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए।

खराब वित्तीय स्थिति के कारण सरकार वीएसपी की बोली से पीछे हट गई

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता एन वी सुभाष ने आज आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार ने विशाखापत्तम स्टील प्लांट (वीएसपी) के एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओपी) पर होहल्ला मचाया था। बीआरएस सरकार खराब वित्तीय स्थिति के कारण बोली में भाग लेने से पीछे हट गई।

मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के मंत्री पुत्र केटीआर ने निराधार और अनुचित आरोप लगाते हुए नरेंद्र मोदी सरकार को दोषी ठहराया कि केंद्र वीएसपी को एक उद्योगपति को सौंपना चाहता है। उन्होंने बोली में भाग लेने की उत्सुकता व्यक्त की थी। लेकिन केटीआर ने यह जानकर चुप्पी साध ली कि राज्य की वित्तीय स्थिति बहुत खराब है और वह वीएसपी में करोड़ों रुपये का निवेश नहीं कर सकते। वास्तव में, तेलंगाना राज्य की सत्ताधारी पार्टी की नींव खुद 'झूठी ईंटों' पर रखी गई थी और इसके नेताओं ने इस नींव पर ऊंची इमारतों का निर्माण किया था, बिना इसकी ताकत की वास्तविकता को जाने कि यह ताश के पत्तों की तरह नीचे आ जाएगी। सुभाष ने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने नौ साल पहले सत्ता पर काबिज होने के बाद अपने लंबे-लंबे अधूरे वादों के साथ तेलंगाना के लोगों को उनकी भावनाओं का इस्तेमाल करके सफलतापूर्वक धोखा दिया और अब वह अपनी पार्टी का नाम बदलकर टीआरएस से बीआरएस कर लेना चाहते हैं। सुभाष ने कहा कि बीआरएस सरकार ने सरकारी कर्मचारियों की यह धारणा बदल दी है कि सरकारी कर्मचारी को हर महीने की पहली तारीख को वेतन मिलेगा। ऐसी स्थिति में बीआरएस सरकार ने वीएसपी की बोली में भाग लेने की घोषणा करके राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की, उन्होंने आरोप लगाया। तेलंगाना के लोग जानना चाहते थे कि बीआरएस सरकार निजाम चीनी कारखाने और अन्य बंद कारखानों को फिर से खोलने में क्यों विफल रही, जिन्होंने उन्हें पुनर्जीवित करने का वादा किया था। उल्लेखनीय है कि भारत के बाहर की छह कंपनियों सहित 29 कंपनियों ने वीएसपी के लिए अपनी बोली दाखिल की है।

नलगोंडा व निजामाबाद जिलों में तेज गति से धान की खरीद : मंत्री

करीमनगर, हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने कहा कि नलगोंडा और निजामाबाद जिलों में धान खरीद प्रक्रिया तेज गति से चल रही है। मंत्री गंगुला कमलाकर ने शुक्रवार को यहां अपने निवास पर धान खरीद प्रक्रिया की समीक्षा बैठक की और इस यासंगी (रबी) सीजन के दौरान प्रक्रिया के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आगे की व्यवस्था पर चर्चा की। मंत्री ने कहा कि 20 अप्रैल तक, तेलंगाना राज्य में कुल 1,131 धान खरीद केंद्र खोले गए और लगभग 186 करोड़ रुपये मूल्य का लगभग 90,000 मीट्रिक टन धान खरीदा गया, जो ज्यादातर नलगोंडा और निजामाबाद जिलों से संबंधित था। अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में धान का उत्पादन धीरे-धीरे कम हो रहा है और इस बार इसका उत्पादन 20 साल नीचे गिर गया है। इसके विपरीत, तेलंगाना हर कृषि मौसम में धान उत्पादन का रिकॉर्ड स्तर देख रहा है और राज्य के गठन के बाद से धान का उत्पादन लगभग छह गुना बढ़ गया है। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार किसानों द्वारा उत्पादित पूरे धान को खरीदने के लिए तैयार है और राशि कुछ दिनों के भीतर किसानों के खातों में जमा कर दी जाएगी। गंगुला कमलाकर ने कहा कि सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि, विशेष रूप से कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) और इससे जुड़ी सिंचाई प्रणाली, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की कृषि-समर्थक नीतियां, जिसमें रायथु बंधु और रायथु बीमा योजनाओं का कार्यान्वयन और कृषि पंपों को निर्बाध बिजली आपूर्ति शामिल है। सेट, ने किसानों को तेलंगाना में बड़े पैमाने पर धान की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया है।

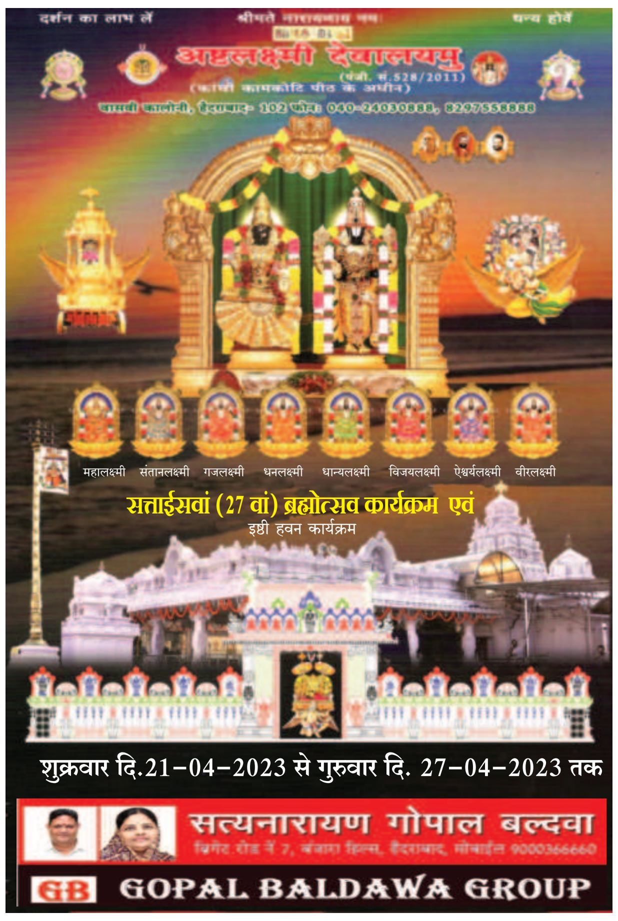

आंप्र डीएससी अधिसूचना जल्द ही जारी की जाएगी : बोत्सा

अमरावती, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के शिक्षा मंत्री बोत्सा सत्यनारायण ने घोषणा की है कि जिला चयन समिति (डीएससी) भर्ती अधिसूचना जल्द ही जारी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी एपी डीएससी पर निर्णय लेंगे, और अधिकारी इससे संबंधित विवरण तैयार कर रहे हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि शिक्षकों का स्थानांतरण अगले शैक्षणिक वर्ष तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके अलावा, बोत्सा ने कहा कि वे संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण पर विचार कर रहे हैं।

टीएसपीएससी पेपर लीक मामले में दो और गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) परीक्षा पेपर लीक मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

महबूबनगर के रहने वाले मिबैय्या और उनके बेटे जनार्दन को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिससे अब तक गिरफ्तार लोगों की संख्या 19 हो गई है। मिबैय्या ने कथित रूप से सहायक अभियंताओं की भर्ती के लिए टीएसपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षा के प्रश्न पत्र के लिए मामले में पहले से ही गिरफ्तार अभियुक्तों में से एक को 2 लाख रुपये का भुगतान किया था। जनार्दन परीक्षा में शामिल हुआ था। धक्या ने भी टीएसपीएससी के एक कर्मचारी, मुख्य आरोपी प्रवीण कुमार से प्रश्नपत्र प्राप्त किए थे। उसने अपने भाई राजेश्वर नायक के लिए प्रश्नपत्र खरीदा था, जो एई परीक्षा में शामिल हुआ था। उसने ढाक्या के साथ मिलकर दूसरों को प्रश्नपत्र बेचे थे। टीएसपीएससी घोटाला 12 मार्च को प्रकाश में आया, जिसके कारण समूह 1 प्रारंभिक परीक्षा, सहायक अभियंता, एईई और डीएओ परीक्षा रद्द करने के अलावा 15 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। टीएसपीएससी में एक सहायक अनुभाग अधिकारी के रूप में काम करने वाले प्रवीण और एटीएसपीएससी में एक नेटवर्क व्यवस्थापक राजशेखर रेड्डी ने कथित तौर पर आयोग के एक गोपनीय अनुभाग में एक कंप्यूटर से कुछ परीक्षाओं के प्रश्नपत्र चुरा लिए थे और इसे अन्य आरोपियों को बेच दिया था।

एसआईटी ने पिछले हफ्ते तेलंगाना उच्च न्यायालय को सूचित किया था कि उसने 13 मार्च से इस मामले में 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उसने अदालत को यह भी बताया कि वह न्यूजीलैंड से एक और आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है। परीक्षा पेपर लीक मामले ने तेलंगाना में सनसनी पैदा कर दी क्योंकि विपक्षी दलों कांग्रेस और बीजेपी ने राज्य में लाखों बेरोजगारों को प्रभावित करने वाले लीक के लिए बीआरएस सरकार को जिम्मेदार ठहराया। एसआईटी ने टीएसपीएस के अध्यक्ष जनार्दन रेड्डी, सचिव अनीता रामचंद्रन और सदस्य बी. लिंगा रेड्डी से भी पूछताछ की है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर रहा है। इस हफ्ते की शुरुआत में इसने प्रवीण कुमार और राजशेखर रेड्डी से पूछताछ की। माना जाता है कि ईडी के अधिकारियों ने टीएसपीएससी में गोपनीय अनुभाग कक्ष के प्रभारी शंकर लक्ष्मी से प्राप्त जानकारी के आधार पर दोनों आरोपियों से पूछताछ की है। वह 11 अप्रैल को ईडी के सामने पेश हुई थीं और उनसे 10 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी। गोपनीय खंड के कंप्यूटर से ही प्रवीण और राजशेखर ने सरकारी विभागों में भर्ती के लिए टीएसपीएससी द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र चुरा लिए थे।

48 मंडलों में लू चलने का अनुमान, चार दिन आंधी के आसार

अमरावती, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भीषण गर्मी से एक स्वागत योग्य राहत के रूप में, आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) ने 48 मंडलों के लिए लू की स्थिति का अनुमान लगाया है, जबकि मौसम विभाग ने शुक्रवार से सोमवार तक चार दिनों तक राज्य के कुछ हिस्सों में आंधी की भविष्यवाणी की है।

अल्लूरी सीताराम राजू जिले में एक मंडल, अनाकापल्ली में 14, गुंटूरऔर काकीनाडा में सात-सात और कृष्णा और एनटीआर में चार-चार मंडल गर्म हवाओं से प्रभावित होने की उम्मीद है।

इसी तरह, आपदा प्रबंधन विभाग ने गुरुवार को एक बयान में पलनाडु और विशाखापत्तनम में एक-एक मंडल और विजयनगरम में नौ और मंडल बनाए। गुरुवार को, अनाकापल्ली जिले के आठ मंडलों और विजयनगरमके एक मंडल में भीषण गर्मी का अनुभव हुआ, जबकि 51 और मंडलों में लू की स्थिति बनी रही।

एपीएसडीएमए के प्रबंध निदेशक बीआर अंबेडकर ने लोगों को गर्म मौसम से सावधान रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी। इस बीच, मौसम विभाग ने शुक्रवार को उत्तर तटीय एपी (एनसीएपी), यनम, दक्षिण तटीय एपी (एससीएपी) और रायलसीमा में अलग-अलग हिस्सों में बिजली गिरने के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान लगाया है। यह 22, 23 और 24 अप्रैल को इसी तरह के मौसम की भविष्यवाणी करता है, साथ ही 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति तक हवाएं भी चलती हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दमरे की सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत ट्रेन के लिए और कोचों की योजना

तिरुमला, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद से तिरुपति तक यात्रा का समय केवल आठ घंटे है, सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत ट्रेन के लिए भीड़ हर दिन बढ़ रही है। ऐसा करने से, तिरुमाला की यात्रा करने वाले यात्रियों और तीर्थयात्रियों को आरक्षण कराने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में, सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत में 7 एसी कोच और एक कार्यकारी कोच है। सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत आरक्षण मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डीको कई शिकायतें मिलने के बाद, उन्होंने कोचों की संख्या कम करने पर रेलवे अधिकारियों से सवाल किया। बाद में, उन्होंने रेलवे प्राधिकरण को सिकंदराबाद-विशाखापत्तनमवंदे भारत से सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत की तरह ही कोचों की व्यवस्था करने का आदेश दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दक्षिण मध्य रेलवे जल्द ही सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत के लिए 16 कोच चलाने की योजना बना रहा है।

सिकंदराबाद-तिरुपति वंदे भारत ट्रेन सेवा मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन उपलब्ध है। हर दिन, यह सुबह 6 बजे निकलती है और दोपहर 2.30 बजे तिरुपति पहुँचती है। यह तिरुपति से अपराह्न 3.15 बजे प्रस्थान करेगी। और रात 11.45 बजे सिकंदराबाद पहुंचे।

पोलावरम परियोजना के लिए 2,020 करोड़ रुपये जारी

अमरावती, 21 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार ने पोलावरम परियोजना में डायाफ्राम की दीवार की मरम्मत और अन्य कार्यों के लिए 2,020 करोड़ रुपये दिए हैं। सीडब्ल्यूसी और एनएचपीसी की सिफारिशों के अनुसार, पोलावरम परियोजना की डायाफ्राम वॉल की मरम्मत की जा रही है। अक्टूबर में गोदावरी नदीकी बाढ़ से पहले, राज्य प्रशासन का इरादा सभी परियोजनाओं को पूरा करने का था। 2019 और 2020 में भारी बाढ़ से डायाफ्राम की दीवार को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होने के बाद पोलावरम परियोजना निर्माण को रोक दिया गया था। जल शक्ति मंत्रालय, केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), और आईआईटी के विशेषज्ञों ने परियोजना स्थल की जांच की और यह निर्धारित करने के लिए शोध किया कि डायफ्राम की दीवार क्षतिग्रस्त क्षेत्रों की मरम्मत कैसे की जाए, लेकिन वे इसे हल करने में सक्षम नहीं थे।

नुकसान की जांच करने के बाद, नेशनल हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन (एनएचपीसी) की टीम ने क्षतिग्रस्त डायाफ्राम की दीवारों की मरम्मत की प्रक्रिया की सूचना दी। उच्चतम स्तर पर, बांध डिजाइन समीक्षा पैनल (डीडीआरपी), जल शक्ति मंत्रालय और सीडब्ल्यूसी ने एनएचपीसी रिपोर्ट की सावधानीपूर्वक जांच की और राज्य सरकार को एनएचपीसी द्वारा अनुशंसित मरम्मत के साथ आगे बढ़ने का निर्देश दिया। एनएचपीसी की सलाह के बाद सिंचाई विभाग ने मरम्मत और अन्य संबंधित कार्यों के लिए लागत अनुमान तैयार किया। सिंचाई के प्रमुख सचिव शशिभूषण कुमार ने डायाफ्राम दीवार के क्षतिग्रस्त खंड की मरम्मत की लागत 331.31 करोड़ रुपये आंकी। संपूर्ण परियोजना लागत को कवर करने के समझौते के हिस्से के रूप में, उन्होंने परियोजना अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि केंद्र धन की प्रतिपूर्ति करे। परियोजना के मुख्य अभियंता ने अतिरिक्त अनुरक्षण कार्य और रुपये की अनुमानित लागत के साथ एक नई लिफ्ट सिंचाई योजना शुरू करने का अनुरोध किया। राज्य सरकार द्वारा 1,700 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.